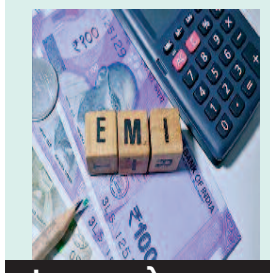

राशि जाम होने से योजना का फायदा बाकी दिव्यांगों को नहीं मिल रहा

बांटा गया लोन-बकाया राशि की स्थिति

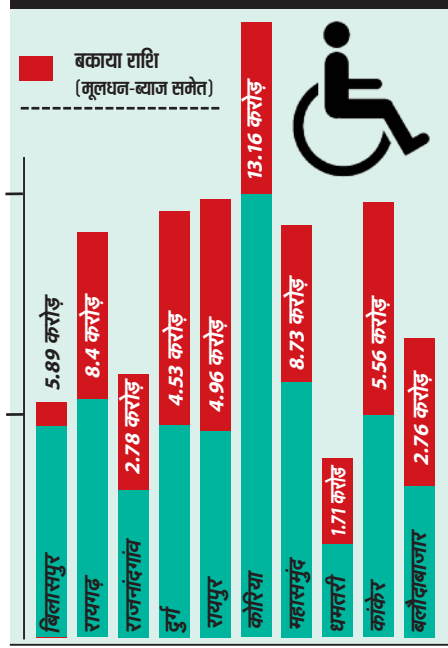

जिलेवार राशि की स्थिति

जिला	हितग्राही	लोन वितरित	बकाया राशि
सरगुजा	27	75.30 लाख	8.69 लाख
बिलासपुर	151	4.83 करोड़	5.89 करोड़
रायगढ़	192	5.98 करोड़	8.4 करोड़
राजनांदगांव	156	3 करोड़	2.78 करोड़
दुर्ग	260	4.86 करोड़	4.53 करोड़
रायपुर	188	4.59 करोड़	4.96 करोड़
कोरिया	213	9.45 करोड़	13.16 करोड़
जांजगीर-चांपा	127	3.58 करोड़	4.14 करोड़
कोरबा	34	43.15 लाख	39.10 लाख
जशपुर	78	2.29 करोड़	1.7 करोड़
कबीरधाम	91	1.25 करोड़	1.6 करोड़
महासमुंद	218	6.82 करोड़	8.73 करोड़
धमतरी	144	1.79 करोड़	1.71 करोड़
कांकेर	102	4.29 करोड़	5.56 करोड़
दंतेवाड़ा	28	1.9 करोड़	1.25 करोड़
बीजापुर	7	43.70 लाख	57.35 लाख
नारायणपुर	3	13.55 लाख	18.58 लाख

▶▶| शेष पेज 7 पर

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

25 लाख तक लोन का प्रावधान

समाज कल्याण विभाग अंतर्गत संचालित दिव्यांगजन स्वावलंबन योजना के तहत दिव्यांजनों को स्वरोजगार उपलब्ध कराने के लिए अधिकतम 25 लाख रुपए तक लोन दिया जाता है। यह लोन काफी कम ब्याज दर पर उपलब्ध कराया जाता है, ताकि हितग्राहियों पर लोन और किस्त पटाने में आर्थिक रूप से ज्यादा बोझ न पड़े। प्रदेश में इस योजना के तहत हितग्राहियों ने 10, 20, 50 हजार से लेकर अधिकतम 10 से 15 लाख रुपए तक लोन उठाया है। यह लोन अलग-अलग वर्ष में उठाया गया है।

14 सालों में दिव्यांगों ने लिया 66 करोड़ कर्ज, पर पटाया नहीं, ब्याज सहित 74 करोड़ रुपए अभी भी बकाया, इसलिए योजना को ग्रहण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

दिव्यांगजनों को स्वरोजगार से जोड़कर उन्हें आत्मनिर्भर एवं सशक्त बनाने के लिए लाई गई दिव्यांगजन स्वावलंबन योजना का लाभ अब बहुत कम जरूरतमंदों को मिल पा रहा है। इसका कारण पूर्व में योजना के तहत लोन लेने वाले दिग्यांगजन हैं, जिन्होंने स्वरोजगार से जुड़ने के लिए लोन तो लिया, लेकिन उसे पटाना उचित नहीं समझा। प्रदेश में यह योजना 2009 में शुरू हुई थी। इसके बाद से वर्ष 2023 तक इस योजना के तहत 2447 हितग्राहियों ने जरूरत के अनुसार लोन लिया है। इसके एवज में मात्र 200 हितग्राहियों ने लोन की पूरी

▶▶| शेष पेज 7 पर

साफ्टवेयर अपडेट नहीं, इसलिए 27 जिलों के अनुसार आंकड़ा

दिव्यांजनों को स्वावलंबन योजना के तहत वितरित किया गया लोन, भुगतान और वसूली की राशि का आंकड़ा हरिभूमि को मिला है। यह आंकड़ा विभाग का साफ्टवेयर अपडेट नहीं किए जाने के कारण प्रदेश में 27 जिले घोषित थे, उसके अनुसार मिले हैं। इन आंकड़ों के अनुसार प्रदेश के दुर्ग, कोरिया, महासमुंद, रायपुर, रायगढ़, बिलासपुर, जांजगीर-चांपा

▶▶| शेष पेज 7 पर

सालों बाद रिकवरी में तेजी

सालों बाद रिकवरी में तेजी है। सभी जिलों के कलेक्टरों को निर्देशित किया है कि जल्द से जल्द विभाग के माध्यम से लोन की राशि रिकवरी की जाए। सालभर में 2 करोड़ रुपए की रिकवरी की गई है। इसमें कुछ हितग्राहियों ने 6 से 7 लाख रुपए की राशि एकमुश्त में जमा कराई है। इन हितग्राहियों को तत्काल सब्सिडी भी दी गई।

- लोकेश कावड़िया
अध्यक्ष, छत्तीसगढ़ दिव्यांगजन वित्त एवं विकास निगम

सोने का सच्चा भाव

आनंद का सच्चा भाव

18 कैरेट रेट (75.00%) = ₹114621/-

22 कैरेट रेट (91.60%) = ₹139990/-

24 कैरेट रेट (99.99%) = ₹152813/-

सोने का भाव* प्रति 10 ग्राम | GST Extra

*Conditions apply

ANAND Jewels
Pandri, Raipur

खबर संक्षेप

पुणे में जहरीली शराब पीने से 15 की मौत

पुणे। महाराष्ट्र के पुणे में जहरीली शराब पीने से पिछले 24 घंटे में 15 लोगों की मौत हो गई है। ये मौतें

हडपसर, फुगेवाड़ी, दापोडी और पिंपरी इलाके में हुई हैं। पुलिस और राज्य आबकारी विभाग ने जॉइंट कार्रवाई करते हुए 8 लोगों को हिरासत में लिया है। इनमें एक अवैध शराब कारोबारी भी शामिल है। जांच में सामने आया है कि शराब में मेथेनॉल हो सकता है। मामला सामने आने के बाद सीएम देवेंद्र फडणवीस ने जांच के आदेश दे दिए हैं। स्थानीय नागरिकों ने आरोप लगाया है कि प्रतिबंधित हाथ भट्टी की जहरीली शराब पीने से इन लोगों की मौत हुई है।

नीट पेपर लीक पर सुप्रीम कोर्ट ने लगाई फटकार

यूपीएससी में कभी पेपर लीक नहीं हुआ एनटीए को उनसे सीखने की जरूरत

नीट पेपर लीक मामले में सुप्रीम कोर्ट ने नेशनल टेस्टिंग एजेंसी यानी एनटीए की कार्यप्रणाली पर कड़े सवाल उठाए। कोर्ट ने कहा- यूपीएससी तो आपसे बड़े पैमाने पर परीक्षा करवाता है, वहां कभी पेपर लीक नहीं हुआ। एनटीए को उनसे सीखने की जरूरत है। सरकार की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी खुद नीट पेपरलीक की जांच पर नजर रख रहे हैं ताकि कोई चूक न हो।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को नीट-यूजी पेपर लीक मामले पर सुनवाई के दौरान नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) से पूछा कि जब पहले से हाई पावर्ड कमेटी बनाई गई थी और कई सिफारिशें लागू की जा चुकी थीं, तब भी ऐसी बड़ी चूक आखिर कैसे हो गई। कोर्ट ने कहा- सुनवाई के दौरान सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि पूर्व इसरो चेयरमैन की अगुवाई वाली कमेटी ने अपनी रिपोर्ट और जवाब कोर्ट में दाखिल कर दिया है। इसके बाद जस्टिस नरसिम्हा ने सवाल उठाते हुए कहा कि इम्प्लीमेंटेशन की कितनी निगरानी हुई थी और यह फेलियर आखिर कैसे हुआ? कोर्ट ने कहा कि पेपर लीक जैसी घटना सामने आने का मतलब या तो मूल सिफारिशों में कोई कमी थी या फिर उन्हें ठीक तरीके से लागू नहीं किया गया।

किसने अपनी ड्यूटी सही तरीके से नहीं निभाई?

सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के दौरान साफ कहा कि जब तक असली जवाबदेही तय नहीं होगी, तब तक ऐसी घटनाएं रुकने वाली नहीं हैं। कोर्ट ने कहा कि यह सिर्फ यह जानने का मामला नहीं है कि कौन जिम्मेदार है, बल्कि यह समझना जरूरी है कि जिम्मेदारी आखिर किसके कंधों पर थी और किसने अपनी ड्यूटी सही तरीके से नहीं निभाई।

री-नीट से पहले सुरक्षा व्यवस्था पर है सुप्रीम कोर्ट की नजर

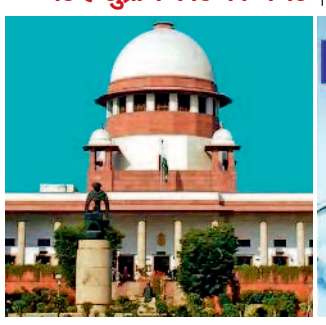

पेपर लीक के बाद अब 21 जून को दोबारा होगी परीक्षा

12 मई को हुई थी परीक्षा रद्द

बता दें, देशभर में नीट-यूजीपरीक्षा 3 मई को आयोजित की गई थी। इसके बाद 7 मई को पेपर लीक की खबरें सामने आईं और 12 मई को परीक्षा रद्द कर दी गई। अब 21 जून को दोबारा परीक्षा आयोजित की जाएगी। इस पूरे मामले में केंद्र सरकार और सीबीआई से भी जवाब मांगा गया है।

लॉन्ग टर्म के लिए 35 और शॉर्ट टर्म के लिए 60 सिफारिशें

सुनवाई के दौरान इसरो के पूर्व अध्यक्ष राधाकृष्णन ने कोर्ट को बताया कि कमेटी ने लॉन्ग टर्म के लिए 35 और शॉर्ट टर्म के लिए 60 सिफारिशें दी थीं। इनमें से अधिकतर सुझावों को लागू भी कर दिया गया है।

सरकार ने कहा- बनाया है नया मैकेनिज्म

सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कोर्ट से कहा कि सरकार युवाओं के साथ खड़ी है और इस मामले को लेकर सबसे ज्यादा चिंतित भी सरकार ही है। उन्होंने कहा कि 21 जून को होने वाली परीक्षा के लिए नया मैकेनिज्म तैयार किया गया है और इसकी निगरानी सबसे ऊंचे स्तर पर की जा रही है।

पुनर्मूल्यांकन 1 जून से एक्टिव होगा पोर्टल

सीबीएसई बोर्ड के लाखों छात्रों के लिए बड़ी खबर सामने आई है। रिजल्ट आने के बाद अपनी कॉपियों की दोबारा जांच और नंबरों की समीक्षा कराने का इंतजार कर रहे छात्रों को अब थोड़ा और इंतजार करना होगा। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड यानी सीबीएसई ने साफ किया है कि पोस्ट रिजल्ट गतिविधियों के लिए बनाया गया ऑनलाइन पोर्टल अब 1 जून 2026 से शुरू किया जाएगा। बोर्ड ने कहा है कि छात्रों की उत्तर पुस्तिकाओं की जांच और री-इवैल्यूएशन की प्रक्रिया को पूरी तरह पारदर्शी बनाने यह फैसला लिया गया है। सीबीएसई का कहना है कि वह मूल्यांकन प्रक्रिया में किसी तरह की गलती या जल्दबाजी नहीं चाहता।

'प्रिंस' का राज, फाइनल में टाइटंस की एंट्री

गिल की कप्तानी पारी के आगे राजस्थान पस्त

- शुभमन ने 53 गेंदों में ठोका शतक
- गुजरात तीसरी बार फाइनल में
- आरआर का दूसरी बार ट्रॉफी जीतने का सपना 18 साल बाद भी अधूरा
- फाइनल में 31 मई को आरसीबी के साथ अहमदाबाद में मुकाबला

एजेंसी ▶▶| मुल्लांपुर

गुजरात टाइटंस ने अब पांच सालों में तीसरी बार फाइनल में जगह बना ली है। साल 2022 में हार्दिक पंड्या की कप्तानी में गुजरात चैंपियन बनी थी और अब शुभमन गिल की कप्तानी में टीम इस इतिहास को दोहराने से सिर्फ एक कदम दूर खड़ी है। सूर्यवंशी ने राजस्थान के लिए 96 रनों की शानदार पारी खेली, जिसकी बदौलत टीम ने 214 रन का बड़ा स्कोर बनाया। इसके जवाब में गुजरात के कप्तान शुभमन गिल (104) ने शतक जड़कर टीम को आसानी से फाइनल का टिकट दिला दिया। इसके साथ ही साल 2008 में आईपीएल खिताब जीतने वाली राजस्थान रॉयल्स का दूसरी बार ट्रॉफी जीतने का सपना 18 साल बाद भी अधूरा रह गया। गुजरात ने राजस्थान को 7 विकेट से हराया। अब फाइनल में उनका सामना 31 मई को आरसीबी के साथ अहमदाबाद में होगा।

दो अलग-अलग मामले, रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़े गए दो बाबू

राज्य में दो अलग-अलग घूसखोरी के मामले सामने आए हैं। कोरबा में बीईओ दफ्तर का बाबू हेडमास्टर से 40 हजार रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़ा गया है वहीं, रायगढ़ तहसील का बाबू भी करीब 60 हजार की घूस लेते रंगे हाथों धरा गया है। एसीबी ने शिकायत मिलने के बाद प्लानिंग की और दोनों आरोपी बाबू को जाल बिछाकर गिरफ्तार किया है।

हेडमास्टर से 40 हजार की रिश्वत लेते पकड़ा गया बीईओ दफ्तर का बाबू

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कोरबा

हेडमास्टर से उसकी पासबुक में एंट्री कराने के एवज में विकासखंड पोड़ी उपरोड़ा के बाबू को एसीबी ने शुक्रवार को 40 हजार रुपए रिश्वत लेते रंगेहाथ पकड़ा। हेडमास्टर मई माह में ही सेवानिवृत्त होने वाले हैं और जीपीएफ कटौती राशि की एंट्री कराने के लिए अपनी पासबुक को बाबू के पास छोड़ा था। मिली जानकारी के अनुसार प्राथमिक शाला रोगदा ब्लॉक करतला जिला कोरबा में प्रधान पाठक के पद पर पदस्थ अमृत लाल बघेल द्वारा एसीबी बिलासपुर को इस बात की शिकायत की गई थी। पोड़ी उपरोड़ा विकासखंड में पदस्थापना अवधि में जितनी जीपीएफ राशि की कटौती हुई थी उसकी पासबुक में एंट्री कराने के लिए विकासखंड

▶▶| शेष पेज 7 पर

ऐसे दबोचा

29 मई को बाबू प्रदीप मिश्रा के द्वारा तुमान में आयोजित जनसमस्या निवारण शिविर में रिश्वत की रकम लेकर बुलाया गया। बाबू के बुलाने पर शिकायतकर्ता प्रधानपाठक रकम लेकर तुमान मिडिल स्कूल के परिसर पहुंचा और 40 हजार की रकम बाबू प्रदीप मिश्रा के द्वारा जैसे ही प्रधानपाठक से ली गई, सादे वेश में आसपास फैली एसीबी की टीम ने उसे धरदबोचा और उसके जेब से रिश्वत की 40 हजार रुपए बरामद कर लिए और साथ ही भ्रष्टाचार निवारण की धारा 7 अधिनियम 1988 के तहत कार्रवाई की।

रिकार्ड सुधारने मांगा एक लाख, 60 हजार की घूस के साथ धरा गया बाबू

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायगढ़

रिकार्ड में नाम सुधार करने के लिए एक लाख रुपए की मांग करने वाले छाल तहसील के बाबू तुलाराम पटेल को 60 हजार रिश्वत लेते एंटी करप्शन ब्यूरो ने रंगे हाथ पकड़ा है। यह कार्रवाई तहसील कार्यालय में ही शुक्रवार की दोपहर की गई। आरोपी बाबू को एसीबी अपने साथ पूछताछ के लिए ले गई है।

बाबू ने बिना पैसे काम करने से किया था इंकार , एसीबी की कार्रवाई

दरअसल तहसील छाल के ग्राम धसकामुड़ा निवासी भानुप्रताप पटेल ने अपनी परिचित महिला कंचन बाई का नाम राजस्व रिकार्ड में सुधार करने के लिए आवेदन लगाया था। महिला कंचन बाई की ग्राम धसकामुड़ा में जमीन है और राजस्व रिकार्ड में कचरा उल्लेखित है। उसे सुधार करने के लिए भानुप्रताप पटेल ने आवेदन लगाया था। चूंकि कंचन बाई की जमीन को भानुप्रताप खरीदी करना चाह रहा था। इसके कारण महिला ने उसे नाम सुधार की जिम्मेदारी दी

▶▶| शेष पेज 7 पर

बाबू को रिश्वत लेते पकड़ा गया

आरोपी बाबू ने रिश्वत के रुप मे एक लाख मांग की था। शिकायतकर्ता से पहली किस्त के रुप में 60 हजार रिश्वत लेते आरोपी बाबू को रंगे हाथ पकड़ा गया है।

अजितेश सिंह डीएसपी, एसीबी बिलासपुर

रायपुर में मियाजाकी, चार किलो का हाथी झूल भी

रायपुर। इंदिरागांधी कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित तीन दिवसीय राष्ट्रीय आम महोत्सव में जापानी मियाजाकी जैसे महंगे आमों ने शौकीनों का खासा ध्यान खींचा। इसकी कीमत डेढ़ लाख रुपए किलो है। बीजापुर के जंगलों से आए 3 किलो वजनी हाथीझूल आम भी आकर्षण का केंद्र रहा। हाथीझूल आम को क्रांतिकारी डेबरीधुर हर्टिकल्चर महाविद्यालय की ओर से स्टॉल में प्रदर्शित किया गया है। वहीं जापानी मियाजाकी आम को दुर्ग, रायगढ़ और जगदलपुर के किसानों ने स्टॉल में सजाया है। राष्ट्रीय आम महोत्सव का उद्घाटन गवर्नर रमन डेका और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने किया।

ये चोर हैं अनोखे, ले भागे विदेशी नस्ल के 14 कबूतर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायगढ़

सुनकर आश्चर्य और अटपटा जरुर लगेगा, लेकिन यह हकीकत है। चोरों ने जेवर, नकदी रकम नहीं बल्कि महंगे और विदेशी नस्ल के 14 कबूतरों पर हाथ साफ कर दिया है। याने चोरी का अनोखा मामला सामने आया है, जहां चोर नकदी या जेवर नहीं बल्कि घर में पाले गए महंगे नस्ल के कबूतरों को चोरी कर ले भागे। जूटमिल थाना क्षेत्र के मौदहापारा

▶▶| शेष पेज 7 पर

नहीं मिला सुराग

पीड़ित के अनुसार 24 मई को कुछ युवक कबूतर खरीदने के बहाने उनके घर पहुंचे थे। उस दौरान उन्होंने कबूतर बेचने से साफ मना कर दिया था। इसके बावजूद शाम को वही युवक दोबारा घर आए और काफी देर तक कबूतरों को रखने की जगह और आसपास का जायजा लेते रहे। अगली सुबह जब परिवार उठा तो कबूतर गायब मिले। जिसके बाद परिवार के सदस्यों ने आसपास काफी तलाश करने के बाद भी उनका कोई सुराग नहीं मिला। बाद में जानकारी जुटाने पर पता चला कि कबूतर

▶▶| शेष पेज 7 पर

1 जून से पड़ सकता है आम आदमी की जेब पर असर

एटीएम से कैश, सोलर पैनल खरीदना हो सकता है महंगा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

मई खत्म होने और जून की शुरुआत होने में कुछ दिन बाकी है। महीने की शुरुआत यानी 1 जून से कुछ महत्वपूर्ण नियमों में बदलाव देखने को मिल सकता है। इन बदलावों में गैस सिलेंडर की कीमतों, बैंकिंग सेवाओं, यूपीआई पेमेंट, रेलवे और पैन कार्ड से जुड़े नियम शामिल है। जो आपकी जेब में सीधा असर हो पड़ सकता है। आइए जानते हैं इसके बारे में

एलपीजी सिलेंडर की नई कीमतें: तेल कंपनियां हर महीने की पहली तारीख को एलपीजी और सीएनजी-पीएनजी के दामों की समीक्षा करती हैं। ईरान में चल रहे तनाव के कारण सप्लाई चेन पर असर पड़ा है, जिससे रसोई गैस के दाम बढ़ने की आशंका बनी हुई है।

- यूपीआई से लेकर एलपीजी तक बदलेंगे कई नियम
- एफडी की ब्याज दरों में भी हो सकता है बदलाव

अब एटीएम से कैश निकालना होगा महंगा

जून से कई बैंक अपने एटीएम ट्रांजैक्शन स्ट्रक्चर में बदलाव कर रहे हैं। अब फ्री लिमिट खत्म होने के बाद कैश निकालना, मिनी स्टेटमेंट लेना या बैलेंस चेक करना पहले से महंगा हो सकता है। अपने बैंक का नोटिफिकेशन जरूर चेक करें।

अप्रूव्ड सोलर पैनल का ही होगा अब इस्तेमाल

सरकारी सब्सिडी वाली 'सूर्य घर योजना' के लिए अब केवल सरकार द्वारा अप्रूव्ड (एएलएमएम लिस्ट) सोलर पैनल्स का ही इस्तेमाल हो सकेगा। नियम सख्त होने से इनकी कीमतों में बढ़ोत्तरी के आसार हैं।

एफडी की ब्याज दरों में फेरबदल

कई सरकारी और निजी बैंक अपनी एफडी की ब्याज दरों को रिवाइज कर रहे हैं। आरबीआई की नीतियों के आधार पर कुछ पुरानी स्कीम्स बंद हो सकती हैं और नई आकर्षक ब्याज दरें लागू हो सकती हैं।

यूपीआई पेमेंट में बदलाव

एनपीसीआई अब यूपीआई फ्रॉड को जड़ से खत्म करने की तैयारी में है। अब किसी को भी पैसे भेजते समय आपको उनका असली बैंक-रजिस्टर्ड नाम दिखाई देगा, यानी अब क्यूआर कोड या मोबाइल नंबर पर पैसा भेजते समय फर्जीवाड़े का डर नहीं रहेगा और आप सही व्यक्ति की पहचान कर पाएंगे।

बदल गए पैन कार्ड के नियम

इनकम टैक्स विभाग ने पैन से जुड़े नियमों में बड़ी राहत और सख्ती दोनों दी है। अब 50,000 रुपये नकद जमा करने के लिए पैन जरूरी नहीं होगा। प्रॉपर्टी डील्स (20 लाख से ऊपर) और गिफ्ट डीड जैसे हाई-वैल्यू ट्रांजैक्शंस के लिए पैन अनिवार्य कर दिया गया है।

RCP INFRATECH PVT. LTD.

VIP CITY
A City in The City

VIP Familia

3 BHK
STARTS FROM 1694 SQFT (157.43 SQMT)

2 BHK
STARTS FROM 1444 SQFT(134.2 SQMT)

AND

COMMERCIAL SHOPS

@ 2699/- PER SQFT.

ONLY 5 SPECIFIC FLATS

ONLY FOR 2 DAYS
30TH & 31ST MAY

400 sqft to 900 sqft
(37.17 sqmt To 83.64 sqmt)
COMMERCIAL SHOPS & OFFICES

CALL-812 000 8290

ALSO KNOWN AS VIP FAMILY HEIGHTS
Member of : CREDAI CHHATTISGARH
RERA REGISTERED PROJECT :
(VIP FAMILIA) RERA NO.: PCGRERA160524001777
www.rera.cgstate.gov.in

A Project by
RCP Infratech Pvt. Ltd.
Saddu-Urkura Road, Ring Road No. 3, Raipur (C.G.)
Email : rcpinfratech.vip@gmail.com, Website : www.rcpinfra.co.in

Scan this QR code to find us Google Maps

Follow us on :
@VIPCITYRPR

फायनेंस उपलब्ध
Central Bank of India | LIC HFL | HDFC HOME LOANS | SBI

Follow us on : /vipcityrpr /vipcityrpr

* Terms & Conditions Apply

रायपुर, शनिवार 30 मई 2026 | ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष चतुर्दशी | वर्ष : 24, अंक : 309 | पृष्ठ : 12+4+4 = 20 मूल्य : 5 .00** | haribhoomi.com

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

संभाग में खाद की स्थिति

जिला	लक्ष्य	भंडारण	वितरण
रायपुर	48750	18258	821
गरियाबंद	28500	12339	80
बलौदाबाजार	58350	22740	70
महासमुंद	60870	20863	80
धमतरी	38840	16661	200

रायपुर संभाग के जिलों में भी किसानों के माथे पर लकीरें, सिर्फ 1251 टन खाद ही पहुंचा

रायपुर से सुरेंद्र शुक्ला, धमतरी से दीपनारायण शर्मा, महासमुंद से रत्नेश सोनी की रिपोर्ट

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर, धमतरी, महासमुंद

धान की बंपर खेती, खाद का बंपर संकट

खाड़ी में अस्थिरता का सीधा असर किसानों की खेती बाड़ी पर पड़ा है। रायपुर संभाग के तमाम जिलों में उर्वरक की कमी से किसानों के माथे पर चिंता की लकीरें खींच गई हैं। यहां तकरीबन 2 लाख 35 हजार टन खाद आपूर्ति का टार्गेट था, लेकिन अभी तक सिर्फ 95 हजार 665 टन का ही भंडारण हो सका है। चिंता इस बात की है किसानों तक सिर्फ 1251 टन उर्वरक ही पहुंचा है।

गौरतलब है, रायपुर संभाग के रायपुर सहित धमतरी, महासमुंद, बलौदाबाजार-भाटापारा जिला धान उत्पादन में अग्रणी हैं, लेकिन इस साल ⏭शेष पेज 7 पर

हरिभूमि लगातार

खाद संकट से प्रति एकड़ लागत दो हजार बढ़ने की आशंका

अधिकांश किसान खुले मार्केट से अधिक मूल्य में खाद उठाने को मजबूर हैं। किसान बिसंभर साहू ने बताया कि खुले मार्केट में 267 रुपए का यूरिया 500-600 रुपए में बिक रहा है। वहीं 1350 रुपए का डीएपी 2100 रुपए में बिक रहा है। इससे प्रति एकड़ करीब 2 हजार रुपए की लागत बढ़ गई है। मजदूरी दर में 30-50 रुपए की बढ़ोतरी हुई है। इससे प्रति एकड़ करीब 3 हजार, डीजल के दाम बढ़ने से जुताई मताई का खर्च प्रति एकड़ 200 रुपए की बढ़ोतरी हुई है। किसानों ने बताया कि ⏭शेष पेज 7 पर

बुवाई में देर का डर

समितियों में समय पर पर्याप्त खाद न पहुंचने के कारण किसानों की बुवाई पिछड़ने का अनुमान है। समितियों में खाद की किल्लत के चलते किसान समितियों के चक्कर लगाने में लगे हैं। संभाग में गरियाबंद, बलौदाबाजार, महासमुंद जिले की समितियों में यूरिया, एनपीके और अन्य खाद कर उठाव कर रहे हैं।

2 लाख 35 हजार टन उर्वरक का लक्ष्य

रायपुर संभाग में चालू खरीफ के लिए 2 लाख 35 हजार 290 टन उर्वरक का लक्ष्य तय किया गया है। लक्ष्य के विरूद्ध 95 हजार 665 टन का भंडारण किया जा चुका है। किसानों ने अब तक 1251 टन से अधिक का उठाव कर लिया है।रायपुर जिले में सबसे अधिक 821 टन का उठाव किया गया है।

रकबा के मुकाबले उर्वरक की मांग अधिक, आपूर्ति और वितरण व्यवस्था डगमगाई

महासमुंद। महासमुंद जिला प्रदेश में धान का प्रमुख धान उत्पादक क्षेत्रों में से एक हैं। बीते खरीफ सीजन में 1 लाख 58 हजार 756 किसानों का पंजीयन हुआ और इस बार खरीफ सीजन के लिए तकरीबन 2.90 लाख हेक्टेयर का रकबा धान खेती का होने का अनुमान है। इसके लिए किसानों को मिलने वाले यूरिया की बात करें तो विभागीय आंकड़े बता रहे कि खरीफ 2026 के लिए जिले में यूरिया, डीएपी और पोटाश सहित कुल उर्वरकों की मांग लगभग 1.20 से 1.40 लाख मीट्रिक टन के आसपास है। हालांकि, अब तक हुई आपूर्ति पूरी नही हो पाई है और हो चुकी ⏭शेष पेज 7 पर

यह है स्थिति

खाद की स्थिति पर नजर डालें तो पिछले साल के वितरण का 50 प्रतिशत खाद का भंडारण किया जा चुका है। समितियों और कृषि केंद्रों में 30 हजार टन और डबल लॉक गोदामों में 5 हजार टन खाद का भंडारण किया गया है। किसानों को 6 हजार टन खाद का वितरण भी किया जा चुका है।

उत्पादन होगा प्रभावित

किसान कामता सेन, युवराज शर्मा, शत्रुघन साहू ने बताया कि खेती की लागत काफी बढ़ चुकी है। ऐसे में किसानों पर उत्पादन भी ज्यादा लेने का दबाव है। कम उत्पादन में तो लागत निकालना भी मुश्किल होगा। उन्होंने बताया कि धान की खेती पूरी तरह से खाद पर निर्भर है। पर्याप्त खाद नहीं मिलने पर उत्पादन काफी कम हो जाएगा और किसानों को नुकसान उठाना पड़ेगा।

कर सकते हैं शिकायत

किसानों को संतुलित उर्वरक देने का लक्ष्य रखा गया है। इसी प्लानिंग के चलते वैज्ञानिक अनुशंसा के आधार पर किसानों को खाद दी जा रही है। अनियमितता के मामलों में लगातार कार्रवाई की जा रही है। किसान इस प्रकार के मामलों की शिकायत कृषि विभाग के टोलफ्री नंबर पर कर सकते हैं।

मोनेश साहू, उपसंचालक कृषि
चिंतित है खरीफ फसल के किसान

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA sky चैनल नं. 1163 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

कोचर बने नौसेना के 48वें डिप्टी चीफ

नई दिल्ली। इंडियन नेवी को नया वाइस एडमिरल मिला है। एडमिरल अजय कोचर ने नौसेना के 48वें डिप्टी चीफ का पदभार संभाला है। एडमिरल अजय कोचर के पास समुद्री सुरक्षा, का लगभग 28 साल का अनुभव है। एडमिरल अजय कोचर ने ही ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पूरे नौसेना की कमान संभाल रखी थी।

झारखंड में 10 लाख का इनामी उग्रवादी गिरफ्तार

रांची। झारखंड पुलिस ने प्रतिबंधित पीपुल्स लिबरेशन फ्रंट ऑफ इंडिया के मुख्य कमांडर को गिरफ्तार कर लिया है, जिस पर दस लाख रुपये का इनाम था । एक वरिष्ठ अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पुलिस अधिकारी ने बताया कि आरोपी अमृत होरो (34), उर्फ मेचो उर्फ सूर्या को बृहस्पतिवार को रांची जिले के लापुंग पुलिस थाना क्षेत्र के महूगांव वन क्षेत्र में छापेमारी के दौरान गिरफ्तार किया गया।

जेफ बेजोस की कंपनी का रॉकेट लॉन्चपैड पर फटा

वाशिंगटन। अमेरिकी अरबपति जेफ बेजोस की स्पेस कंपनी ब्लू ओरिजिन का न्यू ग्लेन रॉकेट फ्लोरिडा में टेस्टिंग के दौरान लॉन्चपैड पर फट गया। हादसा गुरुवार को केप कैनावेरल में प्री-फ्लाइट स्टैटिक फायर टेस्ट के दौरान हुआ। घटना का वीडियो लाइव स्ट्रीम में रिकॉर्ड हुआ, जिसमें रॉकेट तेज धमाके के साथ आग के बड़े गोले में बदलता दिखाई दिया।

'वंदे मातरम' को पूरा गाना अनिवार्य नहीं

तिरुवनंतपुरम। केरल के मुख्यमंत्री वी. डी. सतीशन ने शुक्रवार को कहा कि राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम' को पूरा गाना अनिवार्य नहीं है, क्योंकि इस संबंध में संसद ने कोई कानून पारित नहीं किया है। इससे पहले, केरल के राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर ने शुक्रवार को इस बात पर नाराजगी जतायी कि जब वह संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा सरकार के नीतिगत अभिभाषण के लिए विधानसभा में मौजूद थे, तब 'वंदे मातरम' पूरा नहीं गाया गया।

यूपी में निर्माणाधीन पुल का स्लैब गिरा, 6 की मौत

हमीरपुर। यूपी के हमीरपुर में बेतवा नदी पर बन रहे निर्माणाधीन पुल का स्लैब शुक्रवार देर रात 2 बजे गिर गया। हादसे में 6 मजदूरों की मौत हो गई। स्टेट डिजास्टर रिस्पॉन्स फोर्स (एसडीआरएफ) ने मलबे में फंसे 3 मजदूरों को निकाला। साढ़े 7 घंटे तक रेस्क्यू ऑपरेशन चला।

आईएमडी ने कहा- देश में मौसम का मिजाज तेजी से बदल रहा

छत्तीसगढ़ सहित 22 राज्यों में आंधी-तूफान का अलर्ट, कुछ इलाकों में लू की भी चेतावनी

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

देश के कई इलाकों में 70 किलोमीटर प्रति घंटे से लेकर 100 किलोमीटर प्रति घंटे तक की रफ्तार वाले थंडरस्क्वाल (प्रचंड तूफान) और बवंडर आने की आशंका है। देश के मौसम की ऐसी स्थिति 4 जून तक बनी रहने वाली है। मौसम विभाग के मुताबिक साइक्लोनिक सर्कुलेशन और ट्रफ लाइनों के सक्रिय होने के कारण उत्तर-पश्चिम, मध्य, पूर्वी और दक्षिण भारत के मौसम में बड़ा बदलाव आ रहा है। इसके चलते अगले कुछ दिनों तक देश के बड़े हिस्से में आंधी और बारिश का दौर जारी रहेगा। आईएमडी के मुताबिक जून-जुलाई में भी उत्तर प्रदेश, हरियाणा, पंजाब, बिहार, ओडिशा, छत्तीसगढ़, गुजरात और आंध्र प्रदेश में हीटवेव चलने की संभावना है। आमतौर पर उस वक्त तापमान 30-35 डिग्री तक रहता है। इस बार 3 डिग्री ज्यादा टेंपरेचर रहेगा।

30 मई को मध्यभारत में अलग-अलग स्थानों पर बनेगी हीटवेव (लू) की स्थिति

सामान्य बारिश के 90 फीसदी से भी कम होने की जताई संभावना

देश में मौसम का मिजाज तेजी से बदल रहा है। एक तरफ जहां दक्षिण-पश्चिम मानसून देश के विभिन्न हिस्सों में आगे बढ़ने के लिए पूरी तरह अनुकूल परिस्थितियों में है, वहीं दूसरी तरफ भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने अपने नवीनतम मौसम बुलेटिन में देश के 22 से अधिक राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के लिए आंधी-तूफान, ओलावृष्टि और बारिश का अलर्ट जारी कर दिया है।

अल-नीनो की भी संभावना

मौसम विभाग ने इस बार जून से सितंबर तक होने वाली बरसात का अपडेट देते हुए बताया कि इस बार मॉनसूनी सीजन में सामान्य से कम बारिश होने की संभावना है। वहीं जून और जुलाई के दौरान अधिकतम तापमान सामान्य से ज्यादा बना रहेगा। मौसम विभाग ने मॉनसून के दौरान ही अल-नीनो की भी संभावना जताई है जिसका असर सीधा बरसात पर होगा।

लेट हो गया है मानसून

मौसम विभाग ने बताया कि श्रीलंका के ऊपर कम दबाव वाली तूफानी हवाओं के चलते मानसून केरलम तट से 30-35 किमी दूर 5 दिन से अटका है और अगले 2-3 दिन इसके आगे बढ़ने के आसार नहीं हैं। केरलम के तट पर मानसून पहुंचने की सामान्य तारीख 1 जून मानी जाती है। इससे पहले मौसम विभाग ने 26 मई तक ही मानसून आने का अनुमान जताया था।

छत्तीसगढ़ में ओले-बारिश, कुछ इलाकों में लू की भी चेतावनी

यहां लू का रहेगा प्रकोप

राहत के बीच कुछ इलाकों में अभी भी लू का प्रकोप रहेगा। 30 मई को विदर्भ, छत्तीसगढ़, पूर्वी मध्य प्रदेश और पश्चिमी राजस्थान में अलग-अलग स्थानों पर हीटवेव (लू) की स्थिति बनी रहेगी। वहीं, तेलंगाना और पश्चिमी मध्य प्रदेश में 29 और 30 मई को लू चलने की संभावना है जबकि तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराइकल में 29 मई को गर्म और उमस भरा मौसम रहेगा।

मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में 30 से 31 मई के दौरान 50-60 किमी/घंटा की रफ्तार से थंडरस्क्वाल (तूफान) चलने की संभावना है। इसके अलावा 29 और 30 मई को दोनों राज्यों में अलग-अलग स्थानों पर ओलावृष्टि होने की भी चेतावनी है। पश्चिमी मध्य प्रदेश में 31 मई और 1 जून को भारी बारिश का भी अलर्ट है। विदर्भ में 29 मई से 1 जून के दौरान 50-60 किमी/घंटा की रफ्तार से तूफान और 30 व 31 मई को ओलावृष्टि की संभावना है। गुजरात क्षेत्र में 31 मई से 2 जून के बीच भारी बारिश होने की संभावना है, जबकि पूरे गुजरात राज्य में 30 मई से 4 जून तक आंधी-तूफान का अलर्ट रहेगा।

बड़ी गिरावट के साथ बंद हुआ बाजार

सेंसेक्स 1092 अंक लुढ़का निफ्टी पहुंचा 23600 से नीचे

एजेंसी ⏭ मुंबई

सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन भारतीय शेयर बाजार में बड़ी गिरावट दर्ज की गई। 29 मई को दोनों प्रमुख सूचकांक बीएसई सेंसेक्स और एनएसई निफ्टी लाल रंग के निशान पर बंद हुए। सेंसेक्स करीब 1092 अंक गिरकर लगभग 74,775.74 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी भी करीब 359.40 अंक टूटकर लगभग 23,547.75 के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से पावर ग्रिड, इंटरग्लोब एविएशन, एनटीपीसी, महिंद्रा एंड महिंद्रा, टाटा स्टील और बजाज फाइनेंस सबसे ज़्यादा नुकसान में रहीं।

सतर्क रहे वैश्विक निवेशक

हालांकि, कच्चे तेल की नरम कीमतों और बॉन्ड प्रतिफल में गिरावट से जोखिम कुछ हद तक सीमित रहा। लाइवलोंग वेल्थ के संस्थापक एवं शोध विश्लेषक हरिप्रसाद के. ने कहा कि अमेरिका-ईरान संघर्षविराम को लेकर स्पष्टता नहीं होने से वैश्विक निवेशक सतर्क रहे, जिससे इक्विटी बाजारों में जोखिम लेने की प्रवृत्ति सीमित रही।

एशियाई बाजारों का हाल

एशियाई बाजारों में दक्षिण कोरिया का बेंचमार्क कोस्पी, जापान का निक्केई 225 इंडेक्स और हांगकांग का हैंग सेंग इंडेक्स बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि शंघाई का एसएसई कम्पोजिट इंडेक्स गिरावट के साथ बंद हुआ। यूरोप के बाजार बढ़त के साथ कारोबार कर रहे थे।

जमानत पर आदेश उसी दिन या अगले दिन देना होगा

सुप्रीम कोर्ट का अहम निर्देश, हाईकोर्ट 3 महीने से ज्यादा फैसला सुरक्षित न रखें

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने देश के हाईकोर्ट में लंबित मामलों और फैसलों में देरी को लेकर बड़ा कदम उठाया है। शीर्ष अदालत ने जल्द इंसाफ देने की कवायद को लेकर अहम और बाध्यकारी दिशा-निर्देश जारी किया है। सर्वोच्च अदालत ने अपने आदेश में कहा है कि हाईकोर्ट में सुरक्षित फैसले पर अधिकतम 3 महीने में निर्णय सुनाने का आदेश दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने जमानत मामलों में फैसला यथासंभव अगले दिन दिया जाएगा। चीफ जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की पीठ ने अपने फैसले में ये कहा है।

जमानत को लेकर भी बड़ा आदेश

इसके अलावा जमानत मामलों में फैसला यथासंभव अगले दिन दिया जाएगा और उसी दिन जेल अधिकारियों को भी सूचित किया जाएगा। शीर्ष अदालत ने अपने आदेश में साथ ही कहा कि जिन जिन मामलों में व्यक्ति हिरासत में है, उसमें अंडरट्रायल को उसी दिन या अधिकतम अगले दिन रिहा करना होगा।

वेबसाइट पर अपलोड करना होगा फैसले का पूरा कारण

सुप्रीम कोर्ट ने साथ ही कहा कि अदालत में केवल ऑपरेटिव (मुख्य) हिस्सा तुरंत घोषित किया जाएगा, जबकि विस्तृत कारण 7 दिनों के भीतर अपलोड करना अनिवार्य होगा। फैसले सुरक्षित रखने की तारीख को हाईकोर्ट की वेबसाइट पर अनिवार्य रूप से दिखाया जाएगा। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यदि निर्देशों का पालन नहीं होता, तो मामले को किसी अन्य बेंच को सौंपा जा सकता है।

सीबीआई ने बनाया आरोपी

रिलायंस कम्युनिकेशंस समेत 16 के खिलाफ पहली चार्जशीट

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

सीबीआई ने अनिल अंबानी समूह की कंपनियों से जुड़े कथित बैंक धो खा ध ड़ी मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए शुक्रवार को पहली चार्जशीट दाखिल कर दी। विशेष सीबीआई अदालत, मुंबई में दाखिल चार्जशीट में रिलायंस कम्युनिकेशंस लिमिटेड, कंपनी के पांच वरिष्ठ अधिकारियों तथा तीन बैंकों के 10 अधिकारियों समेत कुल 16 लोगों को आरोपी बनाया है।

2 हजार 50 करोड़ रुपये के फंड के दुरुपयोग का आरोप

यह चार्जशीट स्टेट बैंक ऑफ इंडिया द्वारा मंजूर 1200 करोड़ रुपये के टर्म लोन, बैंक ऑफ महाराष्ट्र की 500 करोड़ रुपये की लेटर ऑफ क्रेडिट सुविधा तथा तत्कालीन सिंडिकेट बैंक की 350 करोड़ रुपये की एलओसी सुविधा के कथित दुरुपयोग से संबंधित है। आरोप है कि इन धनराशियों को निर्धारित उद्देश्य के बजाय डायवर्ट और मिसएप्रोप्रियेट किया गया।

आमने-सामने बैठाकर होगी पूछताछ

5 दिन की सीबीआई रिमांड पर ट्विशा की सास व पति

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

सीबीआई ने ट्विशा शर्मा डेथ केस में गिरफ्तार पूर्व जज गिरिबाला सिंह को शुक्रवार को भोपाल स्थित सीबीआई स्पेशल कोर्ट में पेश किया गया। सीबीआई ने समर्थ की 5 दिन रिमांड बढ़ने और गिरिबाला सिंह की 5 दिनों की रिमांड मांगी थी, जिसे मंजूर कर लिया गया है। दोनों की अब कोर्ट में 2 जून दोपहर 2 बजे पेशी होगी। एमपी हाईकोर्ट से गिरिबाला सिंह की अग्रिम जमानत रद्द होने के एक दिन बाद गिरिबाला सिंह को सीबीआई ने गिरफ्तार किया था। गुरुवार सुबह करीब 10:30 बजे भारी पुलिस बल के साथ सीबीआई टीम भोपाल के ⏭शेष पेज 7 पर

समर्थ को 22 मई को किया गया था गिरफ्तार

ट्विशा शर्मा 12 मई को अपने ससुराल में मृत पाई गई थीं। उनकी शादी 9 दिसंबर 2025 को समर्थ सिंह से हुई थी और शादी के करीब पांच महीने बाद उनकी मौत हुई ट्विशा के पति समर्थ सिंह को 22 मई को जबलपुर से गिरफ्तार किया गया था और बुधवार को उन्हें सीबीआई हिरासत में भेज दिया गया।

आबकारी और राजस्व विभाग ने तय की नई समय सीमा

छत्तीसगढ़ में लोक सेवा की गारंटी, पांच दिनों में मिलेगा शराब ट्रांसपोर्ट का परमिट और गरीबी का प्रमाणपत्र देंगे 15 दिनों में!

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

हरिभूमि सरोकार

छत्तीसगढ़ में लोक सेवा गारंटी अधिनियम के तहत अगर शराब कंपनी को शराब के परिवहन के लिए लाइसेंस लेना है, तो इस बात की गारंटी है कि यह काम पांच दिनों में हो जाएगा। लेकिन अगर किसी गरीब को गरीब होने यानी ईडब्ल्यूएस का प्रमाण पत्र चाहिए तो सरकार इस सेवा के लिए पूरे 15 दिन का समय लेगी।राज्य सरकार ने लोक सेवा गारंटी अधिनियम के तहत दो विभागों वाणिज्यिक कर (आबकारी विभाग) और राजस्व विभाग में सेवाएं देने के लिए समय सीमा तय की है। इस बदलाव के तहत तय किया गया है कि किस सेवा के लिए कितने दिन लगेंगे।

जवाबदेही और अपील प्रक्रिया

इन सेवाओं को समय पर प्रदान करने के लिए प्रत्येक स्तर पर अधिकारियों की जिम्मेदारी स्पष्ट कर दी गई है। प्रत्येक सेवा के लिए लोक प्राधिकारी, सक्षम प्राधिकारी और अपीलीय प्राधिकारी के पदनाम तय किए गए हैं, ताकि सेवा में देरी होने पर नागरिक उचित स्तर पर अपील कर सके।

गरीब होने का प्रमाणपत्र मिलेगा 15 दिनों में

लोक सेवा में गारंटी का एक और बदलाव राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग में किया गया है। यहां अलग-अलग तरह की सेवाओं के लिए समय सीमा तय की गई है। आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईड्ब्लुएस) प्रमाणपत्र- 15 कार्य दिवस में मिलेगा, प्राकृतिक आपदा से हुई क्षति हेतु आर्थिक सहायता- 15 कार्य दिवस, सड़क दुर्घटना में मृत्यु या गंभीर घायल होने पर ⏭शेष पेज 7 पर

शराब परिवहन के लिए पांच दिन...

लोक सेवा गारंटी अधिनियम के पालन में राज्य सरकार ने वाणिज्यक कर(आबकारी विभाग) द्वारा शराब परिवहन के लिए दिए जाने वाले ट्रांसपोर्ट परमिट के लिए पांच दिन की समय सीमा रखी है। यानि शराब के थोक परिवहन और वेयर हाउस से शराब दुकानों तक माल पंहुचाने के लिए समय सीमा तय की ⏭शेष पेज 7 पर

खंभात की खाड़ी में बनेगा भारत का सबसे लंबा पुल भावनगर से भरूच की दूरी 240 किमी होगी कम

नई दिल्ली। गुजरात के इंफ्रास्ट्रक्चर इतिहास में एक सुनहरा अध्याय जुड़ने जा रहा है। केंद्र सरकार ने सौराष्ट्र और दक्षिण गुजरात के करोड़ों लोगों को सालों की परेशानी से आजादी दिलाने के लिए एक बहुत ही महत्वाकांक्षी योजना पर अपनी मुहर लगा दी है। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने खंभात की खाड़ी पर एक शानदार और अत्याधुनिक सी ब्रिज बनाने की दिशा में अहम कदम उठाए हैं। यह कनेक्टिविटी जामनगर-भावनगर-भरूच हाई-स्पीड कॉरिडोर का एक बड़ा हिस्सा बनेगी।

30 किमी लंबा बनेगा सी-ब्रिज

7-8 घंटे लगते थे भावनगर से भरूच तक

45 मिनट में होगा अब पूरा सफर

240 किमी दूरी हो जाएगी कम

गुजरात के व्यापार, उद्योग और पर्यटन को मिलेगा बढ़ावा

अभी, भावनगर से भरूच या सूरत जाने के लिए बगोदरा या वडोदरा होते हुए लंबा रास्ता लेना पड़ता है, जिसमें लगभग 7 से 8 घंटे लगते हैं। लेकिन इस नए एक्सप्रेसवे और पीएम गति शक्ति प्रोजेक्ट के तहत प्रस्तावित लगभग 30 किलोमीटर लंबे सी-ब्रिज के बनने के बाद यह दूरी सिर्फ 45 मिनट से 1 घंटे में तय की जा सकेगी। इस हाईवे प्रोजेक्ट की वजह से भावनगर और सूरत के बीच की दूरी लगभग 240 किलोमीटर कम हो जाएगी, जिससे गाड़ी चलाने वालों के करोड़ों रुपये का फ्यूल बचेगा। यह प्रोजेक्ट न सिर्फ समय बचाएगा, बल्कि गुजरात के आर्थिक क्षेत्र में गेम-चेंजर साबित होगा।

सिर्फ 45 मिनट में पूरा होगा 6 घंटे का सफर

21.8 किमी 'अटल सेतु' का टूटेगा रिकॉर्ड

फाइल फोटो

मुंबई ट्रांस हार्बर लिंक (अटल सेतु) का टूटेगा रिकॉर्ड

मौजूदा समय में भारत की सबसे लंबा सी-ब्रिज मुंबई का 'अटल सेतु' (21.8 किमी) है लेकिन खंभात की खाड़ी पर बनने वाला यह अद्भुत ब्रिज लगभग 30 किलोमीटर लंबा होगा, जो बनने के बाद भारत का सबसे लंबा सी-ब्रिज बन जाएगा। यह छह लेन का हाई-स्पीड एक्सप्रेसवे सूरत के पास के इंडस्ट्रियल इलाकों और दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे को सीधे जोड़ेगा।

व्यापार, रोजगार व टूरिज्म को मिलेगा बूस्टर डोज

अलंग शिप ब्रेकिंग यार्ड: भावनगर में अलंग यार्ड और आस-पास की इंडस्ट्रीज के लिए लॉजिस्टिक्स कॉस्ट में भारी कमी आएगी।

सेमीकंडक्टर हब कनेक्टिविटी: यह रूट धोलेरा सेमीकंडक्टर हब को सीधे साउथ गुजरात के हजीरा और अंकलेश्वर जैसे इंडस्ट्रियल एरिया से जोड़ेगा। टूरिज्म डेवलपमेंट: सौराष्ट्र की धार्मिक जगहें (जैसे सोमनाथ और द्वारका) साउथ गुजरात के टूरिस्ट के बहुत करीब आ जाएंगी।

अभी क्या स्टेटस है?

सरकार ने इस प्रोजेक्ट की डिटेल्ड प्रोजेक्ट रिपोर्ट तेजी से तैयार करने के लिए एजेंसियों से बिड मंगाने का प्रोसेस शुरू कर दिया है। डीपीआर के जरिए मरीन इको-सिस्टम, हाइड्रोलॉजिकल सर्वे, जमीन अधिग्रहण और एनवायरनमेंटल क्लीयरेंस समेत सभी टेक्निकल पहलुओं की गहराई से स्टडी की जाएगी। रिपोर्ट फाइनल होने के तुरंत बाद ग्राउंड लेवल पर कंस्ट्रक्शन के लिए टेंडर जारी किए जाएंगे।

खबर संक्षेप

तेजाब से झुलसकर महिला की संदिग्ध मौत

बड़वानी। मध्यप्रदेश के बड़वानी जिले में शुक्रवार को संदिग्ध हालात में तेजाब से झुलसकर 24 वर्षीय एक महिला की मौत हो गई, जबकि उसके दो बच्चे घायल हो गए। अधिकारियों के मुताबिक यह घटना राजपुर थाना क्षेत्र के मोहनपुरा गांव में किसान विजय चौहान के खेत में बने घर में हुई। उन्होंने बताया कि चौहान की पत्नी पिंकी (24) को मृत अवस्था में तथा दो बच्चों को घायल आवस्स्था चिकित्सालय लाया गया था। चौहान ने दावा किया कि उसके घर की रैक पर रखे 10 लीटर तेजाब के गैलन को चूहे-बिल्ली ने गिरा दिया जिससे वहां सो रहा उसका परिवार जल गया।

केन्या में आगजनी के संदेह में आठ छात्राएं गिरफ्तार

नैरोबी। केन्या में एक आवासीय बालिका विद्यालय के छात्रावास में आग लगने की घटना के बाद पुलिस ने आगजनी के संदेह में आठ छात्राओं को गिरफ्तार किया है। केन्या पुलिस ने बताया कि बृहस्पतिवार तड़के की इस घटना में 16 छात्राओं की मौत हो गई थी और बड़ी संख्या में अन्य छात्राएं झुलस गई थीं। आगजनी के पीछे का मकसद अभी नहीं पता चल पाया है और जांच जारी है। राष्ट्रीय पुलिस के एक विभाग आपराधिक जांच निदेशालय (डीसीआई) के अनुसार, इन छात्राओं को मध्य केन्या के उतुमिषी बालिका विद्यालय में संदिग्ध आगजनी की साजिश रचने और उसे अंजाम देने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है।

सेप्टिक टैंक की सफाई करने उतरे तीन की मौत

गोलपाड़ा। असम के गोलपाड़ा जिले में एक सेप्टिक टैंक की सफाई के दौरान संदिग्ध जहरीली गैस की चपेट में आने से कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई। यह घटना अगिया पुलिस थाना क्षेत्र के गोराईमारी गांव में घटी, जहां एक व्यक्ति ने अपने घर के इस्तेमाल के लिए सेप्टिक टैंक का निर्माण कराया था। गोलपाड़ा पश्चिम सह-जिला पुलिस अधीक्षक (एसपी) अभिलाष बरुआ ने बताया, टैंक तीन महीने से अधिक समय से बंद था। राजमिस्त्री कृष्णा रॉय जैसे ही टैंक में उतरे, वह बेहोश हो गए। उन्हें बचाने के लिए सहायक दिलीप दास भी टैंक में उतरे और वह भी बेहोश हो गए।

ईरान ने चार जहाजों पर दागीं मिसाइलें; अमेरिका ने भीतरी ठिकानों पर किए हमले

एक हाथ में बंदूक, दूसरे में शांति समझौता मिडिल ईस्ट में फिर भड़की युद्ध की चिंगारी

पश्चिम एशिया में हालात ऐसे हैं कि अमेरिका और ईरान के एक हाथ में बंदूक है और दूसरे में शांति समझौते का ड्राफ्ट। ईरान ने अमेरिकी जेट गिराने और होर्मुज जलडमरूमध्य में चार जहाजों पर चेतावनी फायरिंग करने का दावा किया है वहीं अमेरिकी सेना ने ईरान पर नए हमले किए हैं। इस बार अमेरिका ने ईरान के रणनीतिक पोर्ट सिटी बंदर अब्बास स्थित एक सैन्य ठिकाने को निशाना बनाया है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने कहा कि उसकी सेना ने होर्मुज स्ट्रेट के आसपास ख़तरा पैदा कर रहे ईरान के चार हमलावर ड्रोन भी मार गिराए। पिछले तीन दिनों में यह दूसरी बार है, जब अमेरिका ने ईरान के भीतर हमले किए हैं। अमेरिका का कहना है कि ये कार्रवाई आत्मरक्षा में की गई।

एजेंसी ▶▶| तेहरान

इन सबके बीच कुछ घंटे बाद ही अमेरिका और ईरान के बीच 60 दिन के संघर्षविराम विस्तार को लेकर शुरुआती समझौते की खबर सामने आ गई। इसके बाद उम्मीद जताई जा रही है कि दोनों देशों में जल्द शांति हो सकती है। तनाव के बीच अल जजीरा ने अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से बताया कि अमेरिका और ईरान 60 दिन तक संघर्षविराम बढ़ाने और युद्ध खत्म करने के लिए बातचीत शुरू करने पर एक शुरुआती एमओयू तक पहुंच गए हैं। हालांकि यह समझौता अभी अंतिम नहीं है और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मंजूरी का इंतजार कर रहा है।

बिना इजाजत पार कर रहे थे होर्मुज स्ट्रेट : ईरान

ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स नेवी ने कहा कि चार जहाज बिना पूर्व इजाजत और समन्वय के होर्मुज से गुजरने की कोशिश कर रहे थे। इसी वजह से चेतावनी फायरिंग की गई। नेवी के मुताबिक, इसी 'फायर एक्सचेंज' की वजह से धमाकों की आवाजें सुनी गईं। वहीं ईरान की अर्ध-सरकारी फार्स न्यूज एजेंसी ने दावा किया कि दक्षिणी हिस्से से कुछ 'निर्धारित लक्ष्यों' पर मिसाइलें दागी गईं। हालांकि इन लक्ष्यों की पहचान नहीं बताई गई।

ईरान का दावा- अमेरिकी फाइटर जेट मार गिराया

ईरानी मीडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, ईरान के जाम प्रांत के बुशहर क्षेत्र में एक अमेरिकी सैन्य विमान को नष्ट कर दिया गया है। सरकारी टीवी ने इस संवेदनशील जानकारी की पुष्टि के लिए बुशहर प्रांत के गवर्नर मसूद तंगेस्तानी के आधिकारिक बयान का हवाला दिया है। हालांकि, ईरान के इस बड़े सैन्य दावे पर संयुक्त राज्य अमेरिका या पेंटागन की ओर से अब तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया या पुष्टि सामने नहीं आई है।

तेल लेकर भारत आ रहा टैंकर 3 जून को पहुंचेगा

होर्मुज जलडमरूमध्य लाइव: भारत के लिए पेट्रोलियम लेकर आ रहा एक बड़ा तेल टैंकर सफलतापूर्वक होर्मुज जलडमरूमध्य पार कर चुका है। यह टैंकर विशाखापत्तनम 3 जून तक पहुंच सता है। समुद्री ट्रैकिंग प्लेटफॉर्म्स के मुताबिक, मार्शल आइलैंड्स के झंडे वाला टैंकर 'निसोस केरोस' 21 मई को शारजाह से रवाना हुआ था और शुक्रवार सुबह भारत के पश्चिमी तट के पास उत्तरी अरब सागर में देखा गया। ऐसे समय में इसकी सुरक्षित आवाजाही को अहम माना जा रहा है। इस बीच ईरान की सरकारी समाचार एजेंसी ने दावा किया है कि पिछले 24 घंटों में ईरानी नौसेना ने 23 वाणिज्यिक जहाजों को होर्मुज से गुजरने की अनुमति दी।

समुद्र में भारी गोलीबारी, दागी गईं मिसाइलें

इससे पहले ईरान की 'फार्स' न्यूज एजेंसी ने बताया कि ईरानी सशस्त्र बलों ने देश के दक्षिणी हिस्सों से कई मिसाइलें लॉन्च की हैं, जिनके सटीक ठिकानों का अभी पता नहीं चला है। वहीं, 'तस्नीम' एजेंसी के मुताबिक, स्ट्रेट ऑफ हॉर्मुज में जहाजों को चेतावनी देने के लिए समुद्र में भारी गोलीबारी की गई है, जिससे तटीय इलाकों में दहशत का माहौल है।

अमेरिका ने बताया हमला क्यों किया

अमेरिकी सेंट्रल कमांड के अनुसार, बंदर अब्बास स्थित ठिकाने पर हमला इसलिए किया गया क्योंकि वहाँ से ईरान पाँचवां ड्रोन हमला लॉन्च करने वाला था। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने कहा कि उसकी सेना ने होर्मुज स्ट्रेट के आसपास ख़तरा पैदा कर रहे ईरान के चार हमलावर ड्रोन भी मार गिराए। ईरानी मीडिया ने शहर के पूर्वी हिस्से में धमाकों की ख़बर दी है।

केरलम विधानसभा में पहले दिन हंगामा

वंदे मातरम पर यूडीएफ सरकार और राज्यपाल के बीच हुई तकरार

एजेंसी ▶▶| तिरुवनंतपुरम

केरल में नई विधानसभा में काम के पहले दिन पर वंदे मातरम के गायन को लेकर एक बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूडीएफ सरकार और राज्यपाल के कार्यालय के बीच यह पहला सीधा टकराव माना जा रहा है। राज्यपाल के नीतिगत संबोधन से पहले यह घटना सामने आई। राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर के कार्यालय ने पूरा गीत बजाने का निर्देश दिया था, लेकिन यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट सरकार ने पुरानी परंपरा के अनुसार केवल शुरुआती हिस्सा बजाया। भाजपा ने इसे राज्यपाल का अपमान बताया।

राजनीतिक गलियारों में इसे सरकार और लोक भवन के बीच आने वाले समय में मुश्किल संबंधों का संकेत माना जा रहा है। पिछले सप्ताह 139 विधायकों के शपथ ग्रहण और नए अध्यक्ष के चुनाव के बाद यह पहला बड़ा दिन था। तनाव के बावजूद, राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर ने विधानसभा के भीतर इस मुद्दे को बढ़ाने से परहेज किया।

केरल विधानसभा

भाजपा का आरोप और विरोध

भाजपा ने आरोप लगाया कि केरल विधानसभा में राज्यपाल के नीतिगत संबोधन के दौरान राष्ट्रगीत वंदे मातरम पूरा नहीं गाया गया। भाजपा ने इसे लोक भवन का अपमान बताया। वरिष्ठ नेता और कझाकूटम विधायक वी मुरलीधरन ने कहा कि राज्यपाल की उपस्थिति वाले कार्यक्रमों में केंद्र सरकार का निर्देश है कि राष्ट्रगीत पूरा गाया जाए। उन्होंने कहा कि केरल विधानसभा में इसका पालन नहीं किया गया।

पूरा गीत बजाने के निर्देश का नहीं हुआ पालन

केरल पुलिस बैंड ने वंदे मातरम का केवल शुरुआती हिस्सा बजाया। लोक भवन ने गुरुवार को पूर्वाभ्यास के दौरान पूरा राष्ट्रगीत बजाने का निर्देश दिया था। राज्य सरकार ने इस निर्देश को अस्वीकार कर दिया। सरकार ने शुरुआती हिस्सा बजाने की पुरानी परंपरा का पालन किया। इसे नई यूडीएफ सरकार और राज्यपाल कार्यालय के बीच तनाव का पहला संकेत माना जा रहा है।

शिव कैबिनेट में हो सकते हैं चार डिप्टी सीएम, अगले सप्ताह होगा शपथ ग्रहण

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

कांग्रेस पार्टी सूत्रों ने कहा है कि डीके अगले हफ्ते नए मंत्रियों के साथ शपथ ले सकते हैं। सरकार में सामाजिक और क्षेत्रीय संतुलन बनाए रखने के लिए चार डिप्टी सीएम भी बनाए जा सकते हैं। पार्टी सूत्रों की मानें तो सीएम के साथ-साथ कैबिनेट भी बदलेगी। मौजूदा कैबिनेट से 10 मंत्री हटाए जा सकते हैं। शिवकुमार कैबिनेट में सिद्धारमैया और मल्लिकार्जुन खड़गे के बेटे समेत चार उपमुख्यमंत्री बनाए जाने की संभावना है। वहीं कर्नाटक के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने के एक दिन बाद ही सिद्धारमैया शुक्रवार को दिल्ली पहुंचे। यहां उन्होंने

कांग्रेस नेता राहुल गांधी और पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे से मुलाकात की।

शिवकुमार ने पैर छूकर आशीर्वाद लिया

दावा किया जा रहा है कि नए मंत्री डिप्टी सीएम सिद्धारमैया की पसंद के होंगे। इनके नामों पर मुहर लगवाने के लिए ही सिद्धारमैया दिल्ली में सोनिया, राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे से भी मिले हैं। इस दौरान डीके शिवकुमार ने उनके पैर छूकर आशीर्वाद लिया। सिद्धारमैया ने डीके को गले लगा लिया। इसके बाद उन्होंने साथ में **आज विधायक दल के नेता चुने जाएंगे डीके** : इधर, कांग्रेस विधायक अशोक पट्टन ने दावा किया है कि शनिवार को होने वाली मीटिंग में डीके शिवकुमार के कांग्रेस लेजिस्लेटिव पार्टी के नेता चुने जाएंगे। पट्टन ने कहा- जब हम दिल्ली गए थे, तो 40 सदस्यों की बात हुई थी, उनमें से 20 नए चेहरे कैबिनेट में होंगे।

शाह ने की सीमा सुरक्षा की समीक्षा...

भुज (गुजरात)। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह शुक्रवार को सीमा सुरक्षा की समीक्षा के लिए गुजरात के कच्छ जिले के दौरे पर आए। उन्होंने सुबह सीमा चौकी जी-7 का उद्घाटन किया, ओपी टावर 1170 के नियंत्रण कक्ष का निरीक्षण किया और हरामी नाला खाड़ी का दौरा किया, जहां उन्होंने एक पौधा लगाया।

बिहार में आकाशीय बिजली गिरने से सात की मौत

पटना। बिहार में शुक्रवार को आकाशीय बिजली गिरने की अलग-अलग घटनाओं में कम से कम सात लोगों की मौत हो गई। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने आपदा प्रबंधन विभाग के अधिकारियों को मृतकों के परिजनों को चार-चार लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने का निर्देश दिया है। दिनभर राज्य के कई जिलों में तेज बारिश, तेज हवाओं और गरज-चमक का दौर जारी रहा। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, आकाशीय बिजली गिरने की घटनाओं में गया जी जिले में तीन, औरंगाबाद में दो तथा सारण और खगड़िया में एक-एक व्यक्ति की असामयिक मृत्यु हुई है। मैं शोक संतप्त परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं।

तीन माह में लागू करने सुप्रीम कोर्ट का सभी राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों को आदेश

100, 101, 108 नहीं... अब इमरजेंसी के लिए होगा सिर्फ एक नंबर 112

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

आपातकालीन स्थिति यानी इमरजेंसी में मदद मांगने के लिए अब लोगों को अलग-अलग नंबर याद रखने की जरूरत नहीं पड़ेगी। सुप्रीम कोर्ट ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को एक बड़ा निर्देश दिया है। कोर्ट ने कहा है कि तीन महीने के भीतर सभी तरह की इमरजेंसी और एंबुलेंस हेल्पलाइन नंबरों को एक ही नंबर '112' (हेल्पलाइन 112) के साथ जोड़ दिया जाए। राज्यों को यह भी आदेश दिया गया है कि वे 'हेल्पलाइन 112' का बड़े पैमाने पर मास-मीडिया के जरिए प्रचार-प्रसार करें और 3 महीने के भीतर कोर्ट को अपनी अनुपालन (कम्प्लायंस) रिपोर्ट सौंपें।

कौन-कौन से नंबर होंगे '112' में शामिल?

सुप्रीम कोर्ट के आदेश के मुताबिक, राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को तीन महीने के भीतर तकनीकी और ऑपरेशनल स्तर पर अपने सभी इमरजेंसी नंबरों को 112 में शामिल करना होगा। कोर्ट ने अपने आदेश में मुख्य रूप से 100, 101, 108, 102, 1033 और 1091 जैसे हेल्पलाइन नंबरों का जिक्र किया है, जिन्हें अब 112 के साथ इंटीग्रेट किया जाना है।

जीपीएस और लोकेशन ट्रैकिंग डिवाइस से लैस : अदालत ने केंद्र को तीन महीने के भीतर सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को अपनी सभी एंबुलेंस (सरकारी और निजी) को ऑटोमोटिव इंडस्ट्री मानक-125 के अनुरूप बनाना होगा। जीपीएस/वाहन लोकेशन ट्रैकिंग डिवाइस लगाना होगा और उसे हेल्पलाइन 112 से रीयल-टाइम में जोड़ना होगा। इसके अलावा, प्रतिक्रिया समय, देखभाल की गुणवत्ता, उपकरण और परिणामों की समय-समय पर ऑडिट कर रिपोर्ट एक केंद्रीय प्राधिकरण को भेजनी होगी।

ट्रॉमा केयर नागरिकों के 'जीवन का अधिकार'

सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस जेके माहेश्वरी और जस्टिस एएस चंदूरकर की पीठ ने इस अहम मामले पर निर्देश जारी किए। पीठ ने इस बात पर जोर दिया कि नागरिकों को सही समय पर आपातकालीन इलाज मिलना 'जीवन के अधिकार' का अभिन्न अंग है। कोर्ट ने कहा कि इस दिशा में एक व्यवस्था में बदलाव लाने, ट्रॉमा केयर का एक समान ढांचा तैयार करने, जनता में जागरूकता फैलाने और फर्स्ट-एड यानी प्राथमिक उपचार स्किल्स को स्टैंडर्डाइज करने की सख्त जरूरत है।

गुड समैरिटन के लिए बनेगा सिस्टम

सुप्रीम कोर्ट ने सिर्फ हेल्पलाइन नंबर को ही एक करने का आदेश नहीं दिया है, बल्कि राज्यों को यह भी निर्देश दिया है कि 'गुड समैरिटन कानून' (सड़क हादसों में मदद करने वालों की सुरक्षा के नियम) के तहत एक पूरी तरह काम करने वाली शिकायत निवारण प्रणाली भी स्थापित की जाए।

दिल्ली हाईकोर्ट में हुई सुनवाई

कॉकरोच जनता पार्टी का एक्स अकाउंट बहाल नहीं

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

दिल्ली हाई कोर्ट ने तेजी से लोकप्रिय हुए कॉकरोच जनता पार्टी के प्रतिबंधित एक्स अकाउंट को तुरंत बहाल करने से इनकार कर दिया। सीजेपी के संस्थापक अभिजीत दिपके की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए न्यायमूर्ति पुरुषैन्द्र कुमार कौरव ने कहा कि दूसरे पक्ष की बात सुनना भी जरूरी है। कोर्ट ने याचिका पर केंद्र सरकार और एक्स को नोटिस जारी कर 4 हफ्ते में जवाब मांगा है।मामले की अगली सुनवाई 6 जुलाई को होगी।

दिपके ने हाई कोर्ट में सीजेपी के

एक्स खाते को प्रतिबंधित किए जाने के लिए केंद्र के उस आदेश को चुनौती दी है, जिसमें प्रतिबंध का कारण राष्ट्रीय सुरक्षा कारणों का हवाला दिया गया है। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने कहा, आपकी दलीलों में कुछ सच्चाई हो सकती है, लेकिन उन सभी पर विचार करना आवश्यक है।

आजकल बच्चों वाली फिल्में कम बनती हैं : जैकी

मुंबई। अभिनेता जैकी श्रॉफ इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'द ग्रेट ग्रैंड सुपरहीरो - एलियंस का आगमन'को लेकर चर्चाओं में हैं। जैकी फिल्म के प्रमोशन में व्यस्त हैं। यह बच्चों के लिए बनी एक फन लविंग फिल्म है। इस बीच जैकी श्रॉफ ने कहा कि यह शैली उनके दिल के बेहद करीब है, क्योंकि यह मेनस्ट्रीम सिनेमा से गायब एक खास पहलू को छूती है। एक बातचीत के दौरान जैकी श्रॉफ ने फिल्म को लेकर कहा कि आजकल बच्चों की फिल्में बहुत कम बनती हैं और अगर कोई फिल्म बच्चों, उनके सपनों, उनकी मासूमियत के बारे में हो तो मुझे उसे पर्दे पर उतारना अच्छा लगता है। फिल्मों में हमें ये सब देखने को नहीं मिलता। मैं हर तरह की फिल्में करता हूं, लेकिन यह शैली मेरे दिल के बेहद करीब है क्योंकि हम सभी के अंदर एक बच्चा छिपा होता है। बचपन में अथर्ववेद, आयुर्वेद, ऋग्वेद पढ़ने के बजाय, हम 'जैक एंड जिल वेंट अप द हिल', 'रिंग-ए-रिंग-ए-रोजेज' और 'अलादीन' पढ़ते थे। हम उन चीजों के बारे में नहीं सीख रहे हैं जो वास्तव में भारतीय हैं। मुझे लगता है कि ये वो चीजें हैं, जो हमने बचपन में खो दीं।

लाइफ Style

कियारा

'किसी से हाय-हेलो मत करना'

एजेंसी ▶▶ मुंबई

एक्टर यश और कियारा आडवाणी जल्द ही फिल्म 'टॉक्सिक ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन अप्स'में नजर आने वाली हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू में उन्होंने इस फिल्म के अनुभव के बारे में खुलकर बात की। एक इंटरव्यू में कियारा ने बताया कि फिल्म की डायरेक्टर गीतू मोहनदास ने उनसे सेट पर एक खास बात के लिए कहा था। उन्होंने कहा, 'गीतू ने मुझसे कहा कि जब तुम कल सेट पर आओ, तो मैं चाहती हूं कि तुम अपने किरदार में ही रहो। मैं आमतौर पर सेट पर जाते ही सबसे हाय, हेलो, गुड मॉर्निंग कहती हूं, मैं वैसी ही इंसान हूं। लेकिन, उन्होंने मुझसे साफ कहा कि मुझे कोई फॉर्मेलिटी नहीं चाहिए। मैं चाहती हूं कि तुम सीधे अपने किरदार के जोन में आओ। किसी से 'हाय-हेलो'मत करना, अपनी टीम से भी नहीं, बस पूरे दिन उसी जोन में रहना।' कियारा आडवाणी ने यह भी माना कि इस फिल्म पर काम करना उनके लिए काफी 'चैलेंजिंगरहा, क्योंकि उन्हें कन्नड़ भाषा में भी शूट करना पड़ा। उन्होंने कहा, 'कन्नड़ में काम करना मेरे लिए नया अनुभव था। मैं कहूंगी कि 'टॉक्सिक'मेरे लिए इसलिए भी मुश्किल रही क्योंकि पहली बार हमने एक ही सीन को अंग्रेजी और कन्नड़ दोनों में शूट किया। पहले हम उस सीन को अंग्रेजी में करते थे, जब तक परफेक्ट टेक नहीं मिल जाता। उसके बाद उसी सीन को कन्नड़ में शूट करते थे।' कियारा ने आगे बताया, 'मेरे लिए कन्नड़ मेरी भाषा नहीं है, इसलिए मुझे अपने डायलॉग्स एक रात पहले ही रटने पड़ते थे।'बता दें कि केवीएन प्रोडक्शंस और मॉन्स्टर माइंड क्रिएशंस के बैनर तले बनी फिल्म 'टॉक्सिक ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन अप्स' में यश, नयनतारा, हुमा कुरैशी, रुक्मिणी वसंत और तारा सुतारिया भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। यह फिल्म पहले 4 जून को रिलीज होने वाली थी, लेकिन अब इसे एक बार फिर टाल दिया गया है। फिलहाल फिल्म की नई रिलीज डेट का ऐलान नहीं किया गया है।

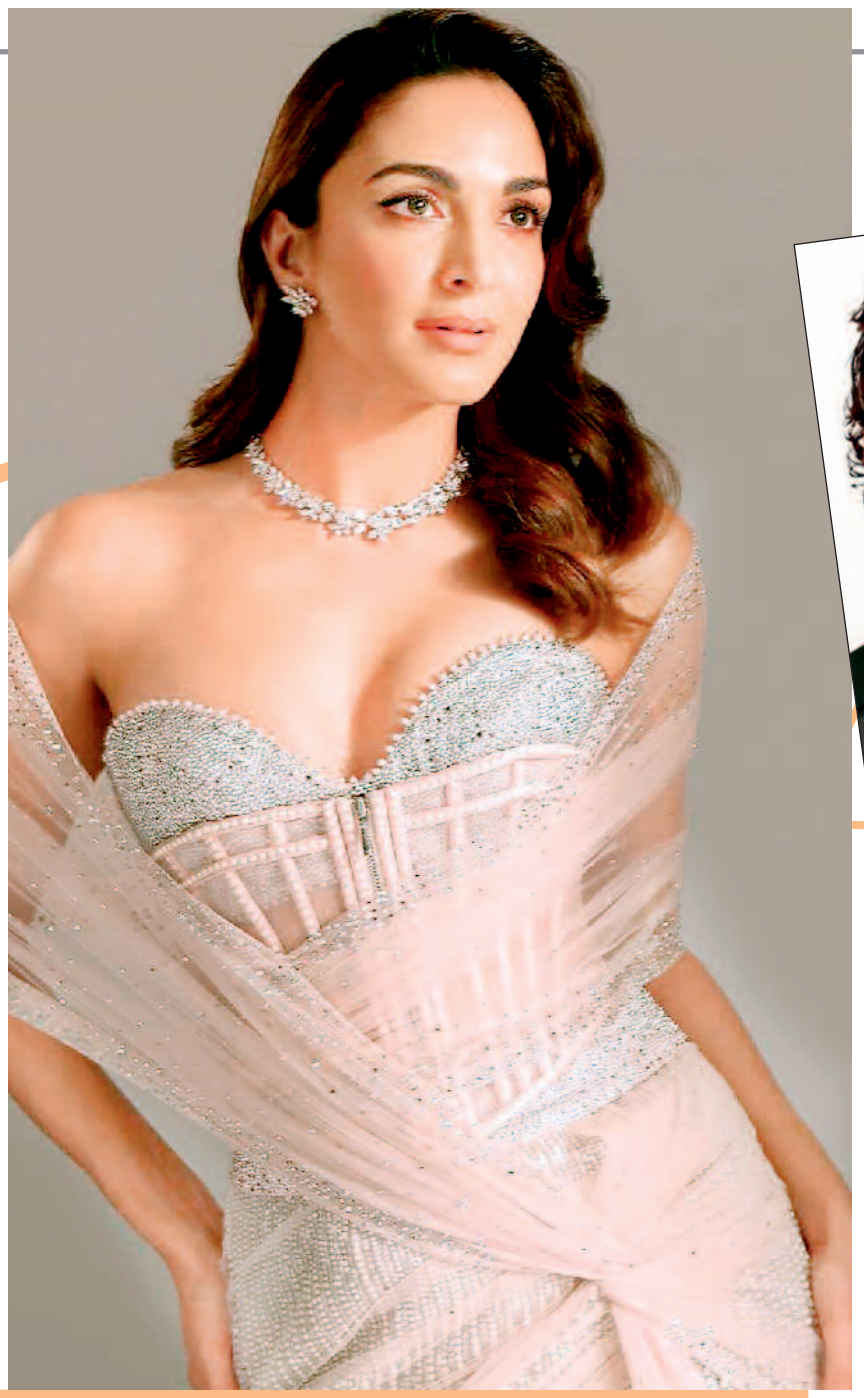

हॉलीवुड मसाला

जॉन रैम्बो में मुख्य भूमिका निभाएंगे नोआ

लॉस एंजिल्स। सिल्वेस्टर स्टेलोन की मशहूर फिल्म रैम्बो सीरीज की अगली फिल्म जॉन रैम्बो जल्द ही सिनेमाघरों में दस्तक देगी। शुक्रवार को निर्माताओं ने फिल्म की रिलीज डेट की घोषणा कर दी है। इस फिल्म में सिल्वेस्टर स्टेलोन नहीं, बल्कि नोआ सेंटिनियो मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। 'जॉन रैम्बो' फिल्म 'रैम्बो' के शुरुआती दिनों की कहानी दिखाएगी, जो 1982 में आई इस सीरीज की पहली फिल्म 'फर्स्ट ब्लड' से भी पहले के समय पर आधारित है। 'जॉन रैम्बो' 4 जून, 2027 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस फिल्म में मुख्य भूमिका नोआ सेंटिनियो निभाएंगे। इस फिल्म में सिल्वेस्टर स्टेलोन की जगह अब नोआ सेंटिनियो मुख्य किरदार 'जॉनी रैम्बो' के रूप में नजर आएंगे। इस फिल्म में डेविड हार्बर 'मेजर ट्रॉटमैन' की भूमिका निभाएंगे। उनके साथ जेम्स फ्रैंको, जेसन टोबिन और क्विंसी यशायाह जैसे कई बाकी कलाकार भी अहम रोल में दिखेंगे।

तलाक के बाद जेनिफर ने हटवाया बेन का टैटू

लॉस एंजिल्स। सिंगर और एक्ट्रेस जेनिफर लोपेज की एक फोटो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रही है। जिसके बाद से ऐसी खबरें सामने आ रही हैं कि उन्होंने अपने एक्स-हसबैंड बेन एफ्लेक के नाम वाला टैटू कवर कर लिया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, जेनिफर ने मेमोरियल डे के मौके पर अपने इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें शेयर कीं। उन्होंने कैप्शन में लिखा, 'आज का दिन मैं अपने करीबियों के साथ बिता रही हूं। सभी को हैप्पी मेमोरियल डे।'इन तस्वीरों में से एक में वह अपने बेटे मैक्सिमिलियन 'मैक्स'मुनिज के साथ नजर आईं, जो उनके और उनके एक्स-हसबैंड मार्क एंथनी के बेटे हैं। इस फैमिली गैदरिंग के दौरान जेनिफर ने बैकलेस ड्रेस पहनी हुई थी, जिसमें उनका टैटू साफ दिखाई दे रहा था। पहले इस टैटू में एक इन्फिनिटी साइन था, जिसमें जेनिफर और बेन दोनों के नाम लिखे थे और उसके ऊपर एक एरो बना था। लेकिन, अब जो तस्वीर सामने आई है, उसमें जेनिफर नाम तो दिख रहा है, लेकिन बेन का नाम कवर किया हुआ नजर आ रहा है। जेनिफर ने यह टैटू फरवरी 2023 में वैलेंटाइन डे के मौके पर दिखाया था, जब वह और बेन एफ्लेक शादी के बाद अपना पहला वैलेंटाइन मना रहे थे। उस समय उन्होंने लिखा था, 'कमिटमेंट... हैप्पी वैलेंटाइंस डे माय लव।

पिरामिड स्कीम का ट्रेलर रिलीज
नए अंदाज में दिखे शेखर

नई दिल्ली। सीरीज 'द पिरामिड स्कीम' का ट्रेलर रिलीज हो चुका है। सीरीज के ट्रेलर में बिजनेस के जरिए अपने सपनों और कामयाबी हासिल करने की ख्वाहिश लिए कुछ किरदार नजर आ रहे हैं। ट्रेलर में करोड़पति बनने के रास्ते में आने वाले उतार-चढ़ावों को मजाकिया अंदाज में दिखाया गया है। कभी न कभी नेटवर्क मार्केटिंग से सभी का सामना होता है। कोई मजबूरी में इस काम से जुड़ता है तो कोई इसकी चकाचौंध देख कर। ट्रेलर में एक लड़का दिखाया गया है, जो पिता से अपने बिजनेस के लिए पैसे मांग रहा है। मगर पिता दे नहीं रहे हैं। इस लड़के के अलावा सीरीज में एक बिजनेसमैन भी है, जो नेटवर्क मार्केटिंग के बिजनेस के सपने लोगों को दिखाता है। अभिनेता शेखर सुमन को आखिरी बार सीरीज 'हीरामंडी' में देखा गया था। इसके बाद अब वो 'द पिरामिड स्कीम' सीरीज में दिखाई देंगे।

अली स्टारर राख की
रिलीज डेट आई सामने

मुंबई। अली फजल और सोनाली बेंद्रे स्टारर आगामी इन्वेस्टिगेटिव थ्रिलर सीरीज 'राख'की रिलीज डेट अब सामने आ गई है। मेकर्स की ओर से सोशल मीडिया पर सीरीज से अली फजल का एक पोस्टर साझा किया गया है। इसके साथ ही मेकर्स ने रिलीज डेट भी घोषित कर दी है। पोस्टर में अली फजल पुलिस की वर्दी में नजर आ रहे हैं। उनके सामने एक लाश जैसी पड़ी मालूम हो रही। अली काफी इंटेंस और परेशान नजर आ रहे हैं। इसके साथ कैप्शन में मेकर्स ने लिखा, 'दबे हुए सच हमेशा अपना रास्ता खोज ही लेते हैं।' राख 12 जून से ओटीटी प्लेटफॉर्म प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम करेगी। राख एक इन्वेस्टिगेटिव ड्रामा सीरीज है, जो अपराधी की मानसिकता और आम जिंदगी के पीछे छिपे डार्कनेस को दिखाती है। जब दो लड़के अचानक गायब हो जाते हैं, तो एक खुशहाल परिवार टूट जाता है और पूरा शहर दहशत में आ जाता है।

टीवी मसाला

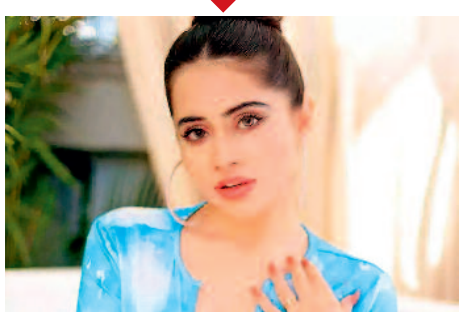

अगर आप कोई स्टार नहीं हैं तो कोई भी आपको कुछ नहीं समझता

नई दिल्ली। टीवी एक्ट्रेस और इंटरनेट पर्सनैलिटी उर्फी जावेद अक्सर अजीब ड्रेस पहनने को लेकर चर्चा में रहती हैं। हाल ही में उन्होंने एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में अपने मुश्किल सफर के बारे में बात की है। उन्होंने यह भी बताया कि सोशल मीडिया से उनकी जिंदगी बदलने से पहले, उनके टेलीविजन के दिन कितने मुश्किल थे। सोहा अली खान के पॉडकास्ट पर बातचीत के दौरान, उर्फी ने बताया मुश्किलों का सामना करने के बावजूद, उन्होंने हमेशा एक स्टार बनने और मुंबई में एक आरामदायक जिंदगी जीने का सपना देखा था। उन्होंने बताया कि वह अपने जालिम पिता से बचने के लिए घर से भाग गई थीं। उर्फी ने बताया कि शुरुआत में उन्होंने बॉलीवुड प्रोजेक्ट्स के लिए ऑडिशन देने की कोशिश की, लेकिन जल्द ही उन्हें एहसास हो गया कि इंडस्ट्री में बिना किसी जान-पहचान के मौके मिलना बहुत मुश्किल है। इसके बाद उन्होंने यह सोचकर टेलीविजन का रुख किया, कि वहां काम मिलना शायद आसान होगा। हालांकि ऐसा नहीं था। टीवी में उन्हें अक्सर साइड रोल ही मिले। टेलीविजन इंडस्ट्री में अपने अनुभव के बारे में बात करते हुए उर्फी ने कहा, 'अगर आप कोई स्टार नहीं हैं या लीड रोल में नहीं हैं।

अर्चना ने समीरा के बगीचे से तोड़े काजू

नई दिल्ली। समीरा रेड्डी उन फिल्मी सितारों में से एक हैं जो मुंबई की चकाचौंध से दूर गोवा में सुकून भरी जिंदगी जीने में यकीन करती हैं। हाल ही में एक्ट्रेस अर्चना पूरन सिंह अपने परिवार के साथ समीरा रेड्डी के घर घूमने पहुंचीं। इस दौरान

अर्चना ने पहली बार अपने हाथ से काजू तोड़े जिसे संभालकर रखने की बात करती दिखीं। अर्चना पूरन सिंह ने समीरा रेड्डी ने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर एक वीडियो पोस्ट किया। इस वीडियो में अर्चना समीरा के गार्डन से ऑर्गैनिक रियल काजू तोड़कर बेहद खुश नजर आ रही हैं। वो कह रही हैं कि ये काजू वो हमेशा अपने साथ एक याद के तौर पर रखेंगी। वीडियो में अर्चना अपने परिवार के साथ समीरा के गार्डन में दिख रही हैं। शेयर किए गए वीडियो में देखा जा सकता है कि अर्चना पूरन सिंह पूरे परिवार के साथ समीरा के बगीचे में काजू का फल तोड़ती हैं जबकि समीरा उन्हें इस मजेदार अनुभव के बारे में बताती हैं।

सलमान ने खास दोस्तों को दिखाई मातृभूमि की झलक

मुंबई। बॉलीवुड के सुपरस्टार सलमान खान इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'मातृभूमि' को लेकर लगातार सुर्खियों में बने हुए हैं। हाल ही में सलमान ने अपनी फिल्म 'मातृभूमि' का रफ कट वर्जन कई निर्देशकों को एक साथ दिखाया। जिसकी एक खास झलक सुभाष घई ने अपने सोशल मीडिया हैडल पर शेयर की है। मशहूर फिल्ममेकर सुभाष घई ने इंस्टाग्राम पर इस शाम की एक तस्वीर शेयर की है। इस फोटो में सलमान खान के साथ सूरज बड़जात्या, डेविड धवन, कबीर खान, रूमी जाफरी, रितेश देशमुख, चित्रांगदा सिंह, सिद्धार्थ रॉय कपूर और

अपूर्व लाखिया जैसे कई बड़े सितारे नजर आ रहे हैं। तस्वीर में सलमान खान काले कपड़ों में और चित्रांगदा सिंह सफेद कपड़ों में बेहद सुंदर लग रही थीं। फोटो शेयर करते हुए सुभाष घई ने इंस्टाग्राम पर लिखा, 'आज अपने पसंदीदा निर्देशकों को एक साथ देखना बहुत अच्छा लगा। हम सब अपूर्व लाखिया की फिल्म 'मातृभूमि' को देखने आए थे। इस फिल्म में सलमान खान और चित्रांगदा मुख्य भूमिकाओं में हैं। यह फिल्म गलवां सीमा पर भारत और चीन के सैनिकों की एक भावुक कहानी पर आधारित है, जो दोनों देशों के सैनिकों की अपने परिवार और देश के प्रति भावनाओं को दिखाती है।

जून में रिलीज होंगी ये हिंदी फिल्में

नई दिल्ली। जून का महीना सिनेमा लवर्स के लिए खास रहने वाला है। ओटीटी पर शानदार फिल्में और सीरीज रिलीज हो रही हैं। इसके अलावा, सिनेमाघरों में भी कुछ बेहतरीन फिल्में रिलीज हो रही हैं। जून के महीने में हिंदी, इंग्लिश और भारत की क्षेत्रीय भाषाओं को मिलाकर 20 से ज्यादा फिल्में सिनेमाघरों में जून में रिलीज होंगी। हम आपको उन फिल्मों के नाम बता रहे हैं जो हिंदी भाषा में रिलीज होगीं। 10 हिंदी फिल्में जून के महीने में सिनेमाघरों में रिलीज हो रही हैं।

है जवानी तो इश्क होना है : वरुण धवन, मृणाल ठाकुर और पूजा हेगड़े की इस फिल्म को डेविड धवन ने डायरेक्ट किया है। वरुण धवन ने फिल्म में जस का किरदार निभाया है। इस फिल्म में सलमान खान के चुनरी-चुनरी गाने का

बंदर : इस डार्क क्राइम थ्रिलर को अनुराग कश्यप ने डायरेक्ट किया है। बॉबी देओल इस फिल्म में लीड रोल में नजर आएंगे। बॉबी देओल के साथ फिल्म में सान्या मल्होत्रा और सबा आजाद जैसे कलाकार नजर आएंगे।

जॉनर: डार्क क्राइम थ्रिलर, रिलीज डेट: 5 जून।

चिंतन

खेलों को राजनीति से दूर रखने की जरूरत

खेलों में राजनीति कोई नई बात नहीं है, लेकिन जब यह इस हद तक बढ़ जाए कि खिलाड़ियों को ट्रायल के लिए कोर्ट तक जाना पड़े तो यह किसी भी देश के लिए ठीक नहीं है। हालांकि, यह स्थिति खिलाड़ियों और राजनेताओं दोनों के लिए ही खतरनाक है। इससे खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर गंभीर असर पड़ता है, वहीं राजनीति पर भी सवाल उठते हैं। ऐसे में जरूरी है कि खेलों को राजनीति से दूर रखा जाए, तभी खेलों का विकास संभव हो सकेगा। देखने में आया है कि खेल जगत में पिछले कुछ वर्षों में जितनी चर्चा खिलाड़ियों की उपलब्धियों की नहीं हुई, उससे कहीं अधिक विवादों, धरनों, अदालतों और राजनीतिक बयानबाजी की हुई है। ओलंपियन विनेश फोगाट को एशियन गेम्स ट्रायल में भाग लेने की अनुमति देने संबंधी सुप्रीम कोर्ट का फैसला इसी व्यापक संकट के बीच आया है। अदालत ने जहां खिलाड़ी के अधिकारों का सम्मान किया, वहीं यह भी स्पष्ट कर दिया कि "देश सबसे पहले" और खेल व्यवस्था की निष्पक्षता सर्वोपरि है। अब बड़ा प्रश्न यह है कि आखिर भारतीय खेलों का वातावरण इस हद तक विवादित क्यों हो गया कि खिलाड़ियों को अपने अधिकारों के लिए सड़क से अदालत तक लड़ाई लड़नी पड़ रही है। खेल मैदानों में अब प्रदर्शन से अधिक चर्चा संघों की राजनीति, गुटबाजी और सत्ता संघर्ष की होने लगी है। विनेश फोगाट भारतीय महिला कुश्ती का बड़ा चेहरा रही हैं। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय मंचों पर देश को गौरव दिलाया है। पिछले कुछ वर्षों में उनका नाम खेल उपलब्धियों से ज्यादा विवादों के संदर्भ में सामने आया। भारतीय कुश्ती महासंघ और खिलाड़ियों के बीच टकराव, धरने-प्रदर्शन, आरोप-प्रत्यारोप और फिर कानूनी लड़ाइयों ने यह दिखाया कि खेल प्रशासन में भरोसे का संकट गहराता जा रहा है। खिलाड़ी ध्यान रखें कि वे किसी विचारधारा या राजनीतिक समूह के प्रतीक न बनें और अपने खेल पर ध्यान दें। राजनेताओं की भूमिका खेलों के विकास तक सीमित रहनी चाहिए। जब खिलाड़ी राजनीतिक लाभ का माध्यम बनने लगते हैं, तब खेल का मूल उद्देश्य पीछे छूट जाता है। यह स्थिति खिलाड़ियों के लिए भी उतनी ही नुकसानदायक है, जितनी खेल संस्थाओं के लिए। हालांकि, केवल राजनेताओं को दोष देना पर्याप्त नहीं होगा। खेल संघों और प्रशासकों की जवाबदेही भी उतनी ही जरूरी है। भारतीय कुश्ती महासंघ जैसे संगठनों पर समय-समय पर पारदर्शिता की कमी, पक्षपात और मनमानी के आरोप लगते रहे हैं। यदि चयन प्रक्रिया निष्पक्ष और विश्वसनीय होती, तो शायद विवाद अदालत तक नहीं पहुंचते। सुप्रीम कोर्ट द्वारा ट्रायल की वीडियो रिकॉर्डिंग और स्वतंत्र पर्यवेक्षकों की निगरानी का निर्देश इसी भरोसे को बहाल करने की कोशिश है। अदालत का यह संदेश भी महत्वपूर्ण है कि किसी एक खिलाड़ी के कारण पूरे चयन कार्यक्रम को बाधित नहीं किया जा सकता। खेलों में नियम और प्रक्रिया सभी के लिए समान होनी चाहिए। चयन का आधार केवल प्रदर्शन होना चाहिए, न कि प्रभाव, लोकप्रियता या राजनीतिक समर्थन। यदि खिलाड़ी लगातार विवादों और असुरक्षा के माहौल में रहेंगे, तो इसका सीधा असर देश के प्रदर्शन पर पड़ेगा। विनेश फोगाट प्रकरण से सबसे बड़ा सबक यही निकलता है कि खेलों को अदालतों और राजनीतिक मंचों से निकालकर फिर से मैदान तक लाना होगा। खिलाड़ी देश का प्रतिनिधित्व करें, किसी दल या विचारधारा का नहीं। जब खेल राजनीति से मुक्त होंगे, तभी प्रतिभा खुलकर सामने आएगी और देश को वास्तविक गौरव मिलेगा।

व्यवस्था
कांतिलाल मांडोत

तकनीकी क्रांति से बदलेगा खाद्य सुरक्षा तंत्र

> सरकार ने सार्थक पीडीएस योजना को मंजूरी देकर यह स्पष्ट कर दिया है कि आने वाले समय में राशन वितरण व्यवस्था केवल अनाज बांटने तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि यह तकनीक पारदर्शिता और जवाबदेही से जुड़ा एक मजबूत डिजिटल नेटवर्क बनने जा रही है। जब किसी जरूरतमंद परिवार को बिना परेशानी समय पर राशन मिलता है तो उसका भरोसा शासन व्यवस्था पर मजबूत होता है। यह नई व्यवस्था आने वाले समय में गरीब कल्याण योजनाओं के लिए एक आदर्श मॉडल बन सकती है। यह कदम देश की खाद्य सुरक्षा व्यवस्था को नई दिशा देने वाला माना जा रहा है जहां पारदर्शिता, जवाबदेही और आधुनिक तकनीक मिलकर करोड़ों लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने का काम करेंगी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय कैबिनेट द्वारा सार्वजनिक वितरण प्रणाली को आधुनिक और प्रभावी बनाने के लिए लिया गया फैसला देश की खाद्य सुरक्षा व्यवस्था में एक बड़े बदलाव का संकेत है। सरकार ने सार्थक पीडीएस योजना को मंजूरी देकर यह स्पष्ट कर दिया है कि आने वाले समय में राशन वितरण व्यवस्था केवल अनाज बांटने तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि यह तकनीक पारदर्शिता और जवाबदेही से जुड़ा एक मजबूत डिजिटल नेटवर्क बनने जा रही है। इस योजना के माध्यम से देश के लगभग 80 करोड़ लोगों तक सीधा लाभ पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है।

सरकार इस योजना पर लगभग 25 हजार 530 करोड़ रुपये खर्च करने जा रही है, जो यह दर्शाता है कि गरीब और जरूरतमंद वर्ग तक सही तरीके से राशन पहुंचाने को लेकर केंद्र सरकार कितनी गंभीर है। भारत में सार्वजनिक वितरण प्रणाली लंबे समय से गरीबों के लिए जीवनरेखा मानी जाती रही है। करोड़ों परिवार हर महीने मिलने वाले राशन पर निर्भर रहते हैं। वर्षों से इस व्यवस्था में कई प्रकार की समस्याएं सामने आती रही हैं, जिनमें फर्जी राशन कार्ड बिचौलियों की भूमिका वितरण में गड़बड़ी और अनाज की चोरी जैसी शिकायतें प्रमुख रही हैं। कई राज्यों में यह भी देखा गया कि वास्तविक लाभार्थियों तक पूरा राशन नहीं पहुंच पा रहा था, जबकि कई अपात्र लोग इसका फायदा उठा रहे थे। ऐसे में केंद्र सरकार ने इस पूरी व्यवस्था को आधुनिक तकनीक से जोड़कर अधिक मजबूत और भरोसेमंद बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। सार्थक पीडीएस योजना का सबसे महत्वपूर्ण पहलू इसका डिजिटल और एआई आधारित ढांचा है। सरकार अब लाभार्थियों के पंजीकरण और सत्यापन में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और आधुनिक डिजिटल तकनीकों का उपयोग करेगी। इससे फर्जी राशन कार्डों की पहचान आसान होगी और वास्तविक लाभार्थियों तक राशन पहुंचाने में मदद मिलेगी। डिजिटल तकनीक के माध्यम से यह सुनिश्चित किया जाएगा कि किसी भी व्यक्ति को दोहरा लाभ न मिले और हर पात्र परिवार को उसका अधिकार समय पर प्राप्त हो सके। यह व्यवस्था पारदर्शिता को बढ़ाने के साथ साथ भ्रष्टाचार और अनियमितताओं पर भी प्रभावी रोक लगाने में सहायक साबित होगी। आज के दौर में तकनीक केवल सुविधा का माध्यम नहीं रह गई है, बल्कि प्रशासनिक सुधार का सबसे मजबूत आधार बन चुकी है। बैंकिंग स्वास्थ्य शिक्षा और परिवहन की तरह अब राशन व्यवस्था भी तकनीकी बदलाव के दौर से गुजर रही है। सरकार का प्रयास है कि पीडीएस प्रणाली को पूरी तरह डिजिटल बनाकर इसे अधिक सरल, तेज और पारदर्शी बनाया जाए। इससे लाभार्थियों को राशन लेने में कम परेशानी होगी और अधिकारियों के लिए निगरानी करना आसान हो जाएगा। आने वाले समय में लाभार्थियों का पूरा डेटा डिजिटल रूप में सुरक्षित रहेगा, जिससे योजनाओं के संचालन में तेजी आएगी। इस योजना का दूसरा महत्वपूर्ण पहलू राज्यों को मिलने वाली आर्थिक सहायता है। अभी तक भारतीय खाद्य निगम के गोदामों से अनाज को जिलों और राशन दुकानों तक पहुंचाने में राज्य सरकारों को भारी खर्च उठाना पड़ता था। कई राज्यों ने इस संबंध में आर्थिक बोझ की समस्या भी उठाई

थी। अब केंद्र सरकार ने इस परिवहन और वितरण व्यवस्था में राज्यों को वित्तीय सहायता देने का निर्णय लिया है। इससे राज्यों को राहत मिलेगी और राशन वितरण व्यवस्था को बेहतर तरीके से संचालित किया जा सकेगा। यह कदम इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि कई बार परिवहन व्यवस्था में देरी या संसाधनों की कमी के कारण राशन समय पर दुकानों तक नहीं पहुंच पाता था। नई व्यवस्था से वितरण प्रक्रिया अधिक व्यवस्थित और सुचारु बनने की उम्मीद है। राशन डीलरों के कमीशन में बढ़ोतरी का फैसला भी इस योजना का अहम हिस्सा है। देशभर में लाखों राशन डीलर सार्वजनिक वितरण प्रणाली की रीढ़ माने जाते हैं। लंबे समय से वे अपने कमीशन में बढ़ोतरी की मांग कर रहे थे क्योंकि बढ़ती महंगाई और संचालन खर्च के बीच पुराने कमीशन में दुकानों का संचालन कठिन हो रहा था। सरकार ने उनकी मांग को स्वीकार करते हुए कमीशन बढ़ाने का निर्णय लिया है। इससे राशन डीलरों को आर्थिक राहत मिलेगी और वे अधिक जिम्मेदारी तथा ईमानदारी के साथ काम कर सकेंगे। जब किसी व्यवस्था से जुड़े कर्मचारियों और डीलरों को उचित आर्थिक सहयोग मिलता है तो व्यवस्था की गुणवत्ता भी बेहतर होती है। यह योजना केवल प्रशासनिक सुधार नहीं बल्कि सामाजिक सुरक्षा को मजबूत करने की दिशा में भी बड़ा कदम है। भारत जैसे विशाल देश में जहां बड़ी आबादी अभी भी आर्थिक रूप से कमजोर है वहां सस्ती दरों पर मिलने वाला राशन करोड़ों परिवारों के लिए जीवन का आधार है। कोविड महामारी के दौरान देश ने देखा कि मुफ्त राशन योजना ने गरीबों को संकट से बचाने में कितनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। ऐसे में राशन व्यवस्था को और अधिक पारदर्शी तथा मजबूत बनाना समय की बड़ी जरूरत थी। सार्थक पीडीएस योजना इसी दिशा में एक व्यापक और दूरदर्शी पहल मानी जा रही है। सरकार का मानना है कि डिजिटल व्यवस्था लागू होने से भ्रष्टाचार में कमी आएगी और खाद्यान्न की चोरी पर रोक लगेगी। कई बार शिकायतें आती थीं कि लाभार्थियों के नाम पर राशन उठाकर बाजार में बेच दिया जाता था। जब पूरी व्यवस्था ऑनलाइन निगरानी से जुड़ जाएगी, तब हर चरण की जानकारी रिकॉर्ड में रहेगी। इससे अनाज की आवाजाही से लेकर वितरण तक पूरी प्रक्रिया पर नजर रखी जा सकेगी। पारदर्शिता बढ़ने से जनता का भरोसा भी मजबूत होगा। डिजिटल इंडिया अभियान के माध्यम से सरकार पहले ही कई सेवाओं को ऑनलाइन कर चुकी है। अब राशन व्यवस्था को भी इसी दिशा में ले जाने का प्रयास हो रहा है। आने वाले वर्षों में यह योजना देश की सबसे आधुनिक और प्रभावी सार्वजनिक वितरण प्रणाली के रूप में विकसित हो सकती है। कैबिनेट बैठक में केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि प्रधानमंत्री ने सभी मंत्रालयों और विभागों को पूरी गंभीरता और राष्ट्रहित की भावना के साथ काम करने के निर्देश दिए हैं। इससे यह स्पष्ट होता है कि सरकार केवल योजनाएं बनाने तक सीमित नहीं रहना चाहती बल्कि उनके प्रभावी क्रियान्वयन पर भी विशेष ध्यान दे रही है। सार्थक पीडीएस योजना का उद्देश्य केवल राशन बांटना नहीं बल्कि गरीबों को सम्मान और सुरक्षा प्रदान करना भी है। जब किसी जरूरतमंद परिवार को बिना परेशानी समय पर राशन मिलता है तो उसका भरोसा शासन व्यवस्था पर मजबूत होता है। तकनीक आधारित यह नई व्यवस्था आने वाले समय में गरीब कल्याण योजनाओं के लिए एक आदर्श मॉडल बन सकती है। सरकार का यह कदम देश की खाद्य सुरक्षा व्यवस्था को नई दिशा देने वाला माना जा रहा है जहां पारदर्शिता जवाबदेही और आधुनिक तकनीक मिलकर करोड़ों लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने का काम करेंगी।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया haribhoomi@gmail.com पर दे सकते हैं।

दिवस विशेष
हर्षवर्धन पान्डे

हिन्दी पत्रकारिता कल, आज और कल

भारतवर्ष में पत्रकारिता का अनुभव सदियों पूर्व किया जाता रहा है। किसी न किसी रूप में सनातन काल से कलम साधना की परम्परा सर्वश्रेष्ठ रही है। आज हम जो कुछ भी पढ़ते हैं, लिखते हैं, सुनते हैं, सबकुछ कलम साधना का ही प्रतिफल है। कलम न होती तो शायद संसार में ज्ञान का अस्तित्व ही न होता। 30 मई 1826 को कलकत्ता से हिन्दी का पहला समाचार पत्र 'उदन्त मार्तण्ड' का प्रकाशन हुआ था। भारत में जब आधुनिक पत्रकारिता प्रारंभ हुई, तब हमारे पूर्वजों ने इसके लिए दैवीय अधिष्ठान की खोज प्रारंभ कर दी। उनकी वह तलाश तीनों लोक में भ्रमण करने वाले और कल्याणकारी समाचारों का संचार करने वाले देवर्षि नारद पर जाकर पूरी हुई। 'उदन्त मार्तण्ड' के प्रकाशन के लिए संपादक पंडित जुगल किशोर शुक्ल ने देवर्षि नारद जयंती 30 मई, 1826 की तिथि का ही चयन किया। देवर्षि नारद इस पत्रकारिता जगत के आदि पुरुष माने गए हैं। हिन्दी पत्रकारिता की यात्रा लगभग 200 वर्ष पुरानी है। 30 मई 1826 को कलकत्ता से प्रकाशित उदन्त मार्तण्ड को हिन्दी पत्रकारिता का प्रथम प्रकाशन माना जाता है। 'उदन्त मार्तण्ड' का शाब्दिक अर्थ है 'उगता हुआ सूर्य'। यह एक साप्ताहिक समाचार पत्र था जो प्रत्येक मंगलवार को प्रकाशित होता था। 30 मई हिंदी पत्रकारिता दिवस, हिंदी पत्रकारिता के गौरवशाली परंपरा को सहेजने का अवसर है। इस तरह चलते-चलते 30 मई 1826 को हिन्दी पत्रकारिता का उदय हुआ। पं. युगल किशोर शुक्ल इस समाचार पत्र के सम्पादक थे, जो सम्भवतः हिन्दी पत्रकारिता के पहले सम्पादक थे। हालांकि आर्थिक कठिनाइयों के चलते 11 दिसम्बर 1827 को यह समाचार पत्र बंद हो गया था, लेकिन हिन्दी पत्रकारिता ने इस दौर से धीरे-धीरे जो तेजी पकड़ी, वह अब तक अनवरत जारी है। हिंदी पत्रकारिता ने लोगों को जागरूक करने, समाज को सही दिशा देने और लोकतंत्र को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। आज़ादी की लड़ाई में हिंदी समाचार पत्रों ने अंग्रेजी शासन के विरुद्ध लोगों को जागरूक करने और देशभक्ति की भावना जगाने में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। 1920 से 1947 तक गांधी युग के समय में समाचार पत्रों की बाढ़ सी आ गयी। महात्मा गांधी ने कहा था कि पत्रकारिता का पहले उद्देश्य जनता की इच्छाओं और विचारों को समझना, उनमें वांछनीय उद्देश्यों को जागृत करना और सार्वजनिक दोषों को निर्भीकतापूर्वक प्रकट करना है अर्थात समाज को बदलना ही पत्रकारिता का मुख्य दायित्व है। इन उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए पत्रकारिता अपने दायित्वबोध से भावी पीढ़ी के लिए आदर्श स्थापित कर पाएगी। अंग्रेजों की दासता में बर्बादी और अपमान झेलते भारत की दुर्दशा के कारणों की पहचान भारतेंदु काल से ही शुरू हो गई थी, इसे राजनीतिक और सांस्कृतिक सरोकारों से लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक ने गहराई से जोड़ दिया। हिंदी साहित्य से जुड़े व्यक्तियों का हिंदी पत्रकारिता के विकास में महत्वपूर्ण योगदान रहा, जिसे तत्कालीन अख़बारों ने शिद्दत से निभाया। उस समय पत्रकारिता एक 'मिशन' थी लेकिन समय के साथ- साथ मिशन 'प्रोफेशन' में तब्दील हो गया। जैसे-जैसे सामाजिक व राजनीतिक परिदृश्य में परिवर्तन आता गया, पत्रकारिता भी उससे प्रभावित होती गई। अखबार अब सिर्फ खबरों को जानने का साधन नहीं रहे बल्कि इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के कारण खबरें बनाने भी लगे, क्योंकि चौबीस घंटे चैनलों पर ब्रेकिंग न्यूज चलाए जाने लगे। व्यवसायिकता और टी.आर.पी. की अंधी दौड़ ने पत्रकारिता के मूल्यों को बदल कर रख दिया। 2025-26 के आंकड़ों के अनुसार भारत में डिजिटल मीडिया बाजार तेजी से बढ़ रहा है, जिसमें क्षेत्रीय भाषा कंटेंट खासकर हिन्दी का बड़ा योगदान है। इधर हिन्दी ने अंग्रेजी मीडिया के दबदबे को काफी हद तक चुनौती दी है क्योंकि इस दौर में हिंदी बाज़ार की भाषा बन चुकी है। मूर्धन्य संपादक शिवपूजन सहाय ने एक बार कहा था कि भारत की साधारण जनता तक पहुंचने के लिए दैनिक पत्र ही सर्वोत्तम साधन है। देश-देशांतर के समाचारों के साथ भाषा और साहित्य का संदेश भी दैनिक पत्रों द्वारा आसानी से जनता तक पहुंचा सकते हैं और पहुंचाते आए हैं। आज मीडिया कन्वर्जेंस के इस दौर में भले ही प्रसार से लेकर विज्ञापन और राजस्व सरीखी तमाम चुनौतियां खड़ी हैं, लेकिन एक बात साफ़ है कि समाचार पत्रों के प्रति जनता का भरोसा और विश्वसनीयता बरकरार है। तमाम चुनौतियों के बाद भी हिंदी पत्रकारिता निरंतर आगे बढ़ रही है। 200 वर्ष की हिंदी पत्रकारिता की यात्रा हमें सिखाती है कि सत्य, निष्पक्षता और उत्तरदायित्व ही इसके मूल स्तंभ हैं। भविष्य में तकनीक, जनसरोकार और जवाबदेही की राह पर चलकर ही हिन्दी पत्रकारिता टिकेगी।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

जीवन का मात्र अनुभव करें

संकलित
दर्शन

अकसर हम यह सोचते हैं कि जिसने जीवन में अधिक कठिनाइयों का सामना किया है, वह जल्दी समझदार बन जाता है। कितना सही है यह सोच। वस्तुतः जीवन में कठिन कुछ नहीं होता है। जीवन में सिर्फ परिस्थितियां होती हैं। फिर चाहे आप उसका अनुभव एक कठिनाई के रूप में करें या आनंद के रूप में। यह चुनने का अधिकार आपका अपना है। अगर आप समझदार हैं तो आप हर परिस्थिति को एक आनंदमय प्रक्रिया में बदल देंगे। अगर आप समझदार नहीं हैं, तो आप अपने लिए हर परिस्थिति को कठिनाई बना लेंगे। अगर आप जानते हैं कि अपने दिमाग में चल रही बेतुकी बातों को कैसे महत्व ना दें, अगर आप अपने दिमाग में चल रहे मनोवैज्ञानिक बकवास में उलझे नहीं, तो आप निश्चित रूप से जल्दी समझदार बन जाएंगे।जीवन सिर्फ परिस्थिति है। 'दुखद' परिस्थिति या 'सुखद' परिस्थिति जैसी कोई चीज नहीं होती। अगर आप आसान परिस्थिति चाहते हैं, तो यह बहुत आसान है। हम आपको एक पिंजरे में बंद कर सकते हैं और जितना आप खा सकते हैं, उससे अधिक भोजन आपको दे सकते हैं। आप बस पिंजरे में रहिए। हम इसका खयाल रखेंगे कि आप सभी चीजों से पूरी तरह सुरक्षित हों। कोई खतरा नहीं, कोई मुश्किल नहीं। आपको परिवार, बीवी-बच्चों का खयाल नहीं रखना है, रोजी-रोटी नहीं कमानी, कुछ नहीं करना है। कोई भी परेशानी नहीं। सारी बातों का खयाल रखा जाएगा। आप बस उस पिंजरे में रहिए। क्या आप ऐसा चाहते हैं? क्या इससे आपको सुख मिलेगा? नहीं।

दो पैसे के काम के लिए तीस साल की बलि

संकलित
प्रेरणा

स्वामी विवेकानंद एक बार कहीं जा रहे थे। रास्ते में नदी पड़ी तो वे वहीं रुक गए क्योंकि नदी पार कराने वाली नाव कहीं गई हुई थी। स्वामीजी बैठकर राह देखने लगे कि उधर से नाव लौटे तो नदी पार की जाए। एका-एक वहां एक महात्मा भी आ पहुंचे। स्वामीजी ने अपना परिचय देते हुए उनका परिचय लिया। बातों ही बातों में महात्माजी को पता चला की स्वामीजी नदी किनारे नाव की प्रतीक्षा कर रहे हैं। महात्मा जी बोले, अगर ऐसी छोटी-मोटी बाधाओं को देखकर रुक जाओगे तो दुनिया में कैसे चलोगे? तुम तो स्वामी हो, बड़े आधात्यात्मिक गुरु और दार्शनिक माने जाते हो। जरा सी नदी नहीं पार कर सकते? देखो, नदी ऐसे पार की जाती है। महात्मा जी खड़े हुए और पानी की सतह पर तैरते हुए लंबा चक्कर लगाकर वापस स्वामी जी के पास आ खड़े हुए। स्वामीजी ने आश्चर्य चकित होते हुए पूछा, महात्माजी, यह सिद्धि आपने कहां और कैसे पाई? महात्मा जी मुस्कुराए और बड़े गर्व से बोले, यह सिद्धि ऐसे ही नहीं मिल गई। इसके लिए मुझे हिमालय की गुफाओं में तीस साल तपस्या करनी पड़ी। महात्मा की इन बातों को सुनकर स्वामी जी मुस्करा कर बोले, आपके इस चमत्कार से मैं आश्चर्यचकित तो हूं लेकिन नदी पार करने जैसे काम जो दो पैसे में हो सकता है, उसके लिए आपने अपनी जिंदगी के तीस साल बर्बाद कर दिए। यानी दो पैसे के काम के लिए तीस साल की बलि! ये तीस साल अगर आप मानव कल्याण के किसी कार्य में लगाते या कोई दवा खोजने में लगाते, जिससे लोगों को रोग से मुक्ति मिलती तो आपका जीवन सचमुच सार्थक हो जाता।

अंतर्मन

आज की पाती

ऊर्जा क्रांति की नई पारदर्शी तकनीक

शुरुआत दुनिया तेजी से स्वच्छ ऊर्जा की ओर बढ़ रही है और इसी दिशा में सिंगापुर की एक यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों ने ऐसी अल्ट्रा-थिन सोलर सेल विकसित की है, जो आने वाले वर्षों में ऊर्जा उत्पादन की पूरी तस्वीर बदल सकती है। यह तकनीक इतनी पतली है कि इंसान के बाल के 10,000वें हिस्से जितनी मोटाई में भी बिजली पैदा कर सकती है। खास बात यह है कि यह सोलर सेल पारदर्शी और रंगहीन है, इसलिए इसे खिड़कियों, कारों की विंडशील्ड, मोबाइल स्क्रीन, स्मार्ट ग्लास और ऊंची इमारतों के कांच पर आसानी से लगाया जा सकता है। अब तक सोलर ऊर्जा का मतलब बड़े और भारी पैनल माने जाते थे, जिन्हें छतों पर लगाने के लिए पर्याप्त जगह चाहिए होती है। नई तकनीक 'बिल्डिंग इंटीग्रेटेड फोटोवोल्टिक' अवधारणा को नई गति दे सकती है। -समीर पाठक, गरियाबंद

ट्रेंड

स्मृति पुस्तक

ऑपरेशन सिंदूर पर जारी स्मृति पुस्तक ऐतिहासिक विवरण से कहीं आगे बढ़कर हमारे वीर सैनिकों के व्यक्तिगत अनुभवों को समेटे हुए है और आधुनिक युद्ध के मानवीय पहलू की झलक प्रस्तुत करती है।
- राजनाथ सिंह, रक्षामंत्री

बसों में मुफ्त यात्रा

21 जून को नीट परीक्षा में शामिल होने वाले उम्मीदवारों की सहायता के लिए, दिल्ली सरकार वैध एडमिट कार्ड दिखाने पर सभी डीटीसी बसों में मुफ्त यात्रा की सुविधा प्रदान करेगी। किसी भी छात्र को ऐसे दिन असुविधा नहीं होनी चाहिए, जो उनके भविष्य के लिए इतना महत्वपूर्ण है।
- रेखा गुप्ता, सीएम, नई दिल्ली

संस्कृति पर गर्व

मैं एक स्वयंसेवक और भाजपा कार्यकर्ता हूँ, इसीलिए मुझे असम में यूसीसी लागू करने का साहस मिला है। इसी विचारधारा ने हमें अपनी 5000 वर्षों की गौरवशाली सभ्यता और संस्कृति पर गर्व करना सिखाया है।
- हिमंता बिस्वा सरमा, सीएम, असम

बेईमानी की चाशनी

भाजपा शासन में, सुबह पुल गिरने की खबर आती है, दोपहर तक रेलवे स्टेशन का शेड गिरने की खबर फैल जाती है, और शाम तक गंगा एक्सप्रेसवे में दरारें सुर्खियों में छा जाती हैं। भाजपा के भ्रष्टाचार की कड़वी जलेबी, बेईमानी की चाशनी में डूबी हुई, अब सहन नहीं की जा सकती।
- अखिलेश यादव, सांसद, सपा

करंट अफेयर

अभिनेत्री मर्लिन मुनरो के अंतिम घर पर फिर बहस

हॉलीवुड अभिनेत्री मर्लिन मुनरो की महज 36 वर्ष की आयु में हुई असमय मृत्यु लंबे समय से रहस्य और चर्चा का विषय बनी हुई है। उनकी मौत को लेकर अनेक तरह की कथाएं और अटकलें दशकों से चर्चा में रही हैं। मुनरो अपने अंतिम घर में केवल छह महीने रहीं, लेकिन जिस घर में उनकी मृत्यु हुई, वह अब प्रशंसकों के लिए लगभग तीर्थस्थल जैसा बन गया है। यह स्थिति वैसी ही है जैसी लॉस एंजिलिस स्थित उनके स्मारक वेस्टवुड विलेज मेमोरियल पार्क की है। इस आकर्षण घर का व्यावहारिक असर भी देखने को मिला है। इस वर्ष घर के मौजूदा मालिकों ने 'सिटी ऑफ लॉस एंजिलिस' के खिलाफ मुकदमा दायर किया। उनका आरोप है कि 2024 में इस संपत्ति को 'ऐतिहासिक-सांस्कृतिक स्मारक' घोषित किए जाने से वे मकान को गिराकर वहां पुनर्विकास नहीं कर पा रहे हैं। शहर प्रशासन का कहना है कि संपत्ति के मालिकों को पहले से जानकारी थी कि यह घर पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र है और भविष्य में इसे विरासत स्थल का दर्जा मिल सकता है। प्रशासन के अनुसार, मुनरो की पहचान हमेशा इस घर से जुड़ी रहेगी। लेखक ने अपने हालिया शोध में यह समझने का प्रयास किया कि 'फिफ्थ हेलेना' नामक यह घर मुनरो के लिए उनके जीवनकाल में क्या मायने रखता था।

ऑफ बीट

क्या इंसानों के जीवित नहीं रहने का कारण डायनासोर थे

सभी इंसानों की उम्र बढ़ती है। यह हमारे जीव विज्ञान का हिस्सा है और हमारे जीवनकाल को 120 वर्ष से थोड़ा अधिक तक सीमित करता है। सभी

जानवर अपने जीवन के दौरान उम्र बढ़ने का अनुभव नहीं करते हैं। कुछ जानवरों का शरीर हमारे शरीर की तरह उम्र बढ़ने के साथ-साथ धीरे-धीरे ख़राब नहीं होता है। लेकिन मनुष्य जब 30 वर्ष की आयु तक पहुँचते हैं तो उनके मरने की संभावना लगभग हर आठ साल में दोगुनी हो जाती है। इसलिए भले ही आप शतायु होने के लिए पर्याप्त भाग्यशाली हों, हर साल आपके मरने की संभावना अधिक होगी। यह उच्च मृत्यु दर कई अन्य स्वास्थ्य समस्याओं को दर्शाती है, जैसे मांसपेशियों की हानि और सामान्य कमजोरी, संज्ञानात्मक गिरावट, दृष्टि और श्रवण की हानि और कई अन्य अपक्षयी परिवर्तन जो मानव उम्र बढ़ने की प्रक्रिया को दर्शाते हैं। और मनुष्य की उम्र इतनी अधिक होने का कारण यह तथ्य हो सकता है कि हमारे पूर्वज डायनासोर के समय में विकसित हुए थे। अन्य स्तनधारियों की तुलना में मनुष्य का जीवन लंबा होता है। सभी भूमि-आधारित स्तनधारियों की तुलना में हमारा जीवनकाल सबसे लंबा है, और सभी स्तनधारियों में से केवल व्हेल ही संभवतः हमसे अधिक जीवित रहती हैं।

अपने विचार

हरिभूमि कार्यालय
टिकरापारा, रायपुर में पत्र के माध्यम से या फैक्स : 0771-42422221 पर या सीधे मेल से aapkepatra.haribhoomi@gmail.com पर भेज सकते हैं।

एफआईआर

धमकी से डरा प्रेमी

एक साथ दो लाश देख गांव में सनसनी फैल गई। जब कुएं से लाश को निकाला गया, तो सुनीता और काव्यांश के हाथ पैर बंधे हुए थे। प्रारंभिक जांच में यह तथ्य सामने आया कि दोनों को बोरी में पत्थर बांधकर कुएं में डाला गया था। दोनों शवों का एक-दूसरे की कड़ी मिल रही थी। शव का पीएम कराया गया। फॉरेंसिक टीम भी घटनास्थल पहुंची, साक्ष्य संकलन कराए गए। रिपोर्ट में यह भी क्लीयर हो गया कि मां बेटे की हत्या गला दबाकर की गई थी।

मिलने के बहाने बुलाया, फिर मां-बेटे को उतारा मौत के घाट

भिलाई से जेएम तांडी

सोशल मीडिया से पहले दोस्ती, फिर प्यार.., उसके बाद शादी का दबाव बनाने पर महिला शिक्षिका और उसके बेटे को रास्ते से हटाने की साजिश प्रेमी ने रच दी। दोनों के शव कुंए में पाए गए मिले। घटना अमलेश्वर थाना क्षेत्र 18-19 जून 2025 को अंजाम दिया गया था। 23 जून को जब लाश से बदबू आने लगी, तब ग्रामीणों को पता चल पाया। पुलिस भी मौके पर पहुंची और खोजबीन कर शव की शिनाख्त की। अमलेश्वर पुलिस ने बताया कि न्यू राजेन्द्र नगर रायपुर निवासी सुनीता चतुर्वेदी (32) और काव्यांश (08) की लाश ग्राम खम्हरिया गांव के कुंए में बोरी में बंधी मिली थी। कुएं के आसपास दुर्गंध आने पर लोगों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस जब कुंए के पास पहुंची तो उनके भी होश उड़ गए। एक साथ दो लाश देख गांव में सनसनी फैल गई। जब कुएं से लाश निकाले गए, तो सुनीता और काव्यांश के हाथ पैर बंधे हुए थे। दोनों को बोरी में पत्थर बांधकर कुएं में डाला गया था। दोनों शवों का एक-दूसरे की कड़ी मिल रही थी। शव का पीएम कराया गया।

फॉरेंसिक टीम भी घटनास्थल पहुंची, साक्ष्य संकलन कराए गए। रिपोर्ट में यह भी क्लीयर हो गया कि मां बेटे की हत्या गला दबाकर की गई थी। अमलेश्वर पुलिस टीम बनाकर आरोपी तक पहुंचने का प्रयास में जुटी रही। घटना के बाद एसएसपी विजय अग्रवाल ने अपनी टीम को आरोपियों को खोजबीन करने में लगा दिया। कुछ ही दिनों में पुलिस ने दो युवकों को पकड़ लिया। युवकों का नाम ग्राम खम्हरिया निवासी छत्रपाल सिंगौर और चचेरा भाई शुभम सिंगौर है। दोनों ने स्वीकार किया कि सुनीता और काव्यांश की हत्या में दोनों का हाथ है। घटना का खुलासा करते हुए एसएसपी विजय अग्रवाल ने बताया कि मृतका सुनीता चतुर्वेदी उर्फ पल्लवी रायपुर स्थित निजी स्कूल में शिक्षिका थी। इस दौरान छत्रपाल सिंगौर से इंस्टाग्राम से दोनों की दोस्ती हो गई। सुनीता ने छत्रपाल को उसके पति के निधन और उसके बेटे के बारे में बता दिया था। तब छत्रपाल ने बेटे को अपनाकर शादी करने का वायदा किया था। उसके बाद सुनीता के साथ छत्रपाल संबंध बनाता रहा।

मां बेटे के शव को फेंका कुंए में

छत्रपाल सिंगोरा ने अपने प्रेस प्रसंग के बारे में चचेरा भाई शुभम को सालभर पहले ही बता दिया था। इसलिए दोनों भाइयों ने सुनीता की हत्या की प्लानिंग की। छत्रपाल ने 18 जून को सुनीता को मिलने के लिए ग्राम खम्हरिया बुलाया। लेकिन वह अपने साथ बेटे काव्यांश को भी लेकर आई थी। इसके बाद मां बेटे को गांव के बाहर एक बाड़ी में ले गए। जहां सुनीता छत्रपाल के बीच जमकर बहस हुई। दोनों भाइयों ने मिलकर महिला और उसके बेटे का गला दबाकर रास्ते से हटा दिया। पुलिस पूछताछ में आरोपियों ने स्वीकार किया कि हत्या कर लाश को कुंआ में फेंककर पुलिस को गुमराह करने का प्लान था। लेकिन पुलिस ने छत्रपाल, शुभम को गिरफ्तार किया।

कुएं पर बोरी में बंधी मिली दोनों की लाश

गला दबाकर हत्या

पुलिस ने बताया कि प्रेम प्रसंग के चलते प्रेमी छत्रपाल सिंगौर और उसके चचेरा भाई शुभम सिंगौर ने मिलकर मां सुनीता और बेटा काव्यांश का गला दबाकर हत्या की है। दोनों के शव को कुंए में फेंक दिया गया। इस बीच सुनीता को शादी की जानकारी हुई और आरोपी छत्रपाल पर शादी के बाद घर आने की धमकी देने लगी। छत्रपाल ने बेटे के सामने ही मां का गला दबाकर हत्या कर दी। घटना का चश्मदीद गवाह होने के कारण काव्यांश को भी ठिकाने लगा दिया। घटना के पहले सुनीता और छत्रपाल की जमकर बहस हुई थी। छत्रपाल, शुभम ने मिलकर मां बेटे को रास्ते से हटा दिया।

प्रेमी ने बिना बताए कर ली शादी

घटना के डेढ़ माह पहले ही छत्रपाल ने सुनीता को बिना बताए परिजनों की मर्जी से अपनी समाज की युवती से शादी कर ली। इसकी जानकारी जब सुनीता को हो गई तो छत्रपाल को शादी का दबाव बनाने लगी। फिर छत्रपाल का दिमाग ठनका, इसके बाद महिला को ठिकाने लगाने साजिश रच दिया। खुलासे में बताया गया कि जब पुलिस टीम गांव में घूम रही थी तो ग्रामीणों ने छत्रपाल को अनजान महिला के साथ देखा गया था। छत्रपाल से टीम पूछताछ शुरू की। दूसरी टीम आसपास के थानों में खोजबीन कर रही थी। तब पता चला कि रायपुर के सिविल लाइन थाना में सुनीता चतुर्वेदी नामक महिला की लापता की शिकायत दर्ज हुई है। परिजन ने शव को देखा तो शिनाख्त कर दिया।

घूमने के बाद एक साथ भोजन कर रात को यादगार बनाने ढाबा पहुंचे युवकों ने कभी सपने में भी नहीं सोचा था कि वहां उनकी मौत इंतजार कर रही है। ढाबा के पास पहले से लूटपाट कर रहे नशेड़ी गैंग ने रायपुर के तीन युवकों को एक-एक कर खंजर से काट डाला। वहीं, उनके साथी मौत का तांडव देख अपनी जान बचाने के लिए पानी से भरे खेत में कूद गए और किसी तरह कातिलों से बच पाए।

धमतरी से संतोष सोनकर

खौफनाक वारदात से थर्राया इलाका

ढाबा के पास मौत का तांडव एक-एक करके तीन युवकों को चाकू से गोद डाला

धमतरी से महज 10 किलोमीटर दूर ग्राम भोयना-मथुराडीह के पास ढाबे के सामने 11 अगस्त 2025 की रात तीन युवकों के नृशंस हत्याकांड को कोई नहीं भूल पाएगा। इस हृदयविदारक घटना में तीन युवकों की जान चली गई, वहीं दो युवक किसी तरह बच पाए। 11 अगस्त को रायपुर के सुरेश तांडी (34), नितिन तांडी (32), दोनों संतोषी नगर निवासी व आलोक ठाकुर (28), सेजबहार निवासी, अपने अन्य दो दोस्तों के साथ घूमने के लिए धमतरी पहुंचे थे। इधर-उधर घूमने के बाद वे ग्राम सोरम निवासी अपने मित्र राहुल से मिलने चले गए। मित्र से मिलने के बाद सभी दोस्तों ने रात को यादगार बनाने के लिए किसी ढाबे में भोजन करने की योजना बनाई। सभी लोग एक कार व तीन बाइक में सवार होकर नगरी रोड के ग्राम भोयना के पास मथुराडीह मोड़ पर स्थित अन्नपूर्णा ढाबा पहुंच गए।

लेकिन उनके पहुंचने से पहले ही ढाबे और नगरी रोड पर नशेड़ियों का एक गैंग जमकर तांडव मचा रहा था। गैंग ने ढाबे में तोड़फोड़ की, गल्ले से पैसे निकाले और हाईवा व कार को रोककर चाकू की नोक पर लूटपाट कर रहे थे। ये सभी दोस्त ढाबे के सामने पहुंचकर अपनी गाड़ी खड़ी कर रहे थे। एक दोस्त बाइक खड़ी कर परिचित ढाबा संचालक को पूछने चला गया, जबकि कार सवार युवक अभी नीचे उतर ही रहे थे। इसी दौरान लूटपाट कर रहे गैंग की नजर इन युवकों पर पड़ गई। उन्हें भी लूटने की नीयत से वे उनके पास पहुंचे और विवाद शुरू कर दिया। मामूली विवाद से शुरू हुई लड़ाई धीरे-धीरे खूनी रूप लेती चली गई।

आलोक की शादी की तैयारी चल रही थी

मृतक आलोक ठाकुर पेटी कांट्रेक्टर का काम करता था। मृतक सुरेश व नितिन शादीशुदा थे और उनके बच्चे भी हैं। आलोक के घर में शादी की तैयारी चल रही थी। लड़की भी पसंद कर ली गई थी। कुछ ही दिनों में शादी की तारीख फिक्स होने वाली थी।

आरोपियों को नहीं हुआ पछतावा

तीन लोगों की नृशंस हत्या करने वाले आरोपियों को इस घटना का जरा भी पछतावा नहीं हुआ और न ही उन्हें जेल जाने का डर था।

खूनी हंसी हंसते हुए आराम से टहल रहे थे हत्यारे

तीन की हत्या करने के बाद आरोपी मौके पर खूनी हंसी हंसते हुए आराम से टहल रहे थे। ट्रिपल हत्याकांड की जानकारी होते ही पुलिस विभाग में हड़कंप मच गया। पुलिस के आलाधिकारी एम्बुलेंस के साथ तत्काल घटनास्थल पहुंचे। पुलिस को आते देख सभी आरोपी रात के अंधेरे में गायब हो गए। पुलिस ने तत्काल युवकों के शवों को जिला अस्पताल रवाना कर जांच शुरू कर दी। पुलिस दिनभर आरोपियों की तलाश करती रही। शाम तक पुलिस ने इस हत्याकांड के तीन नाबालिग सहित 8 आरोपियों को पकड़ लिया। इनमें गोपी दीवान (20), मथुराडीह, कुलेश्वर नेताम (25), ग्राम कोर्रा, रणवीर साहू (20), ग्राम इर्रा, कमलेश ध्रुव (19), आमापारा व गौतम दीवान (22), मथुराडीह निवासी को गंभीर धाराओं के तहत गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया। वहीं, तीन नाबालिगों के खिलाफ विधिवत कार्रवाई की गई।

एक अन्य युवक ने छिपकर बचाई जान

तीन नाबालिग सहित 8 युवकों के गैंग में अधिकतर लोग बटंची चाकू व खंजर से लैस थे। इसके बाद मौत का तांडव शुरू हो गया। नशेड़ियों ने दो युवकों पर चाकू से ताबड़तोड़ हमला कर उन्हें मौत के घाट उतार दिया। दोनों की वहीं पर मौत हो गई, जबकि तीसरा युवक दोस्तों को मरते देख अपनी जान बचाने के लिए सड़क पर भागने लगा। सिर पर खून सवार कातिलों ने उसका पीछा कर सड़क की दूसरी तरफ स्थित टायर दुकान में चाकू मारकर उसकी हत्या कर दी। एक अन्य युवक ने वहीं छिपकर अपनी जान बचाई। तीन की हत्या करने के बाद कातिल अन्य युवकों की तलाश कर रहे थे।

बेटे के घर लौटने का रास्ता देख रही थी मां

नितिन तांडी रोज की तरह 11 अगस्त की सुबह टिफिन लेकर घर से निकला था। नितिन पेशे से वाहन चालक था जो रोज रायपुर से धमतरी आता था और शाम तक वापस लौट जाता था, लेकिन 11 अगस्त को सुबह निकला नितिन वापस घर नहीं लौटा। मां नीरी तांडी रात तक बेटे के लौटने का रास्ता देखती रही, लेकिन बेटा तो नहीं आया। मंगलवार की सुबह उसकी मौत की खबर आ गई।

सीपत थाना क्षेत्र के खम्हरिया में सराफा व्यापारी से दिनदहाड़े हुई लाखों रुपए के सोने-चांदी की उठाईगीरी तीन माह बाद भी पुलिस के लिए पहेली बनी हुई है। वारदात के बाद जिलेभर में नाकाबंदी, तीन जिलों में छापेमारी, 100 से अधिक सीसीटीवी फुटेज खंगालने और 50 से ज्यादा संदिग्धों से पूछताछ के बावजूद पुलिस अब तक आरोपियों तक नहीं पहुंच पाई है। जांच की फाइल अब थाने के कोने में धूल खाती नजर आ रही है।

बिलासपुर से कृष्णा तंबोली

तीन माह बाद भी खाली हाथ पुलिस

10 किलो चांदी, 100 ग्राम सोने की उठाईगीरी बनी मिस्ट्री, सीसीटीवी के अभाव में अटकी जांच

घटना 21 फरवरी 2026 की शाम करीब 7 बजे की है। बलौदा निवासी विनय सोनी खम्हरिया स्थित रमेश ज्वेलर्स दुकान से 10 किलो चांदी और 100 ग्राम सोने के जेवर थैले में भरकर दुकान बंद करने की तैयारी कर रहे थे। बताया जाता है कि शटर गिराने के दौरान उन्होंने जेवर से भरा थैला दरवाजे के पास रख दिया था, तभी बाइक सवार दो युवक पहुंचे। एक युवक तेजी से दुकान के पास आया, थैला उठाया और साथी के साथ बाइक पर बैठकर बिठकुला जंगल की ओर फरार हो गया। व्यापारी के शोर मचाने पर आसपास लोगों की भीड़ जुट गई। सूचना मिलते ही पुलिस टीम सायरन बजाते हुए मौके पर पहुंची और तत्काल कोरबा, जांजगीर व बिलासपुर जिले में नाकाबंदी कर दी गई। रातभर वाहनों की जांच चलती रही, लेकिन आरोपी पुलिस की पकड़ से दूर रहे। घटना के बाद पुलिस की पहली उम्मीद सीसीटीवी फुटेज थी, लेकिन दुकान और आसपास किसी भी प्रतिष्ठान में कैमरा नहीं मिला। करीब 100 मीटर दूर लगे एक कैमरे की फुटेज जरूर मिली, लेकिन उसकी गुणवत्ता इतनी खराब थी कि न तो बाइक का नंबर साफ दिखा और न ही आरोपियों के चेहरे। यही जांच की सबसे बड़ी कमजोरी बन गई।

तीन टीमें बनीं, 100 से ज्यादा कैमरे खंगाले

मामले की गंभीरता को देखते हुए सीपत पुलिस और एसीसीयू की संयुक्त तीन टीमें बनाई गईं। एक टीम हरदीबाजार की ओर, दूसरी अकलतरा रूट पर और तीसरी सीपत व आसपास के इलाकों में जांच में जुटी रही। करीब एक माह तक पुलिस ने तीन जिलों के 100 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली, लेकिन आरोपियों का कोई ठोस सुराग नहीं मिला।

पुराने बदमाशों से पूछताछ फिर भी खाली हाथ

पुलिस ने सीपत, कोरबा और जांजगीर जिलों के पुराने चोरी और उठाईगीरी के मामलों में शामिल संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ भी की। सूत्रों के मुताबिक एक माह में 50 से अधिक संदिग्धों से घंटों पूछताछ हुई, लेकिन जांच आगे नहीं बढ़ सकी।

अब फाइल पर जम रही धूल

लगातार प्रयासों के बावजूद जब कोई सुराग हाथ नहीं लगा तो जांच की रफ्तार धीरे-धीरे थम गई। अब हालात यह हैं कि उठाईगीरी की फाइल थाने में धूल खाती पड़ी है और पुलिस दूसरी व्यस्तताओं में उलझ गई है। तीन माह बाद भी सराफा व्यापारी को न्याय नहीं मिल पाया है, जबकि इलाके के कारोबारियों में अब भी दहशत और नाराजगी बनी हुई।

शिक्षा विभाग का गजब खेला

गुरुजी को बना दिया तहसील का बाबू, अब रिश्वत लेने के चक्कर में पहुंच गया जेल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायगढ़

जाति, निवास और अन्य प्रमाण पत्र के नाम पर था तहसील में अटैच

शिक्षा विभाग में अटैचमेंट का गजब खेल चल रहा है। यहां जो हो जाए कम है। हद तो तब हो गई जब एक गुरुजी को तहसील का बाबू बना दिया गया। तहसील में अटैच होने के बाद गुरुजी में लालच की लत ऐसी लगी की रिश्वत की डिमांड खु ले आ म करने लगा। इसी रिश्वत लेने के चक्कर में अब वह जेल पहुंच गया। यह शिक्षा विभाग के अधिकारियों की मनमानी और अटैचमेंट के खेल का ही नतीजा है। शुक्रवार को तुलाराम पटेल को एसीबी ने 60 हजार रिश्वत लेते पकड़ लिया है। ऐसे में अब वह जेल की हवा खाएगा।

प्राइमरी स्कूल कुम्हीचुंवा के सहायक शिक्षक तुलाराम को किया गया था पुसल्दा में अटैच

शिक्षा विभाग के अधिकारियों की जिले में ऐसी मनमानी चल रही है कि जो शिक्षक जहां चाहे वहां अटैच करा सकता है। ऐसे ही शुक्रवार को जो मामला सामने आया है उसने शिक्षा विभाग के पूरे सिस्टम को हिला दिया है। एक शिक्षक को अटैचमेंट के नाम पर तहसील का बाबू बना दिया गया था। वह बाबू पैसे की लालच में आज जेल पहुंच गया है। दरअसल धरमजयगढ़ बीईओ की ओर से बीते 28 जुलाई 2025 को एक आदेश जारी किया गया था। उसमें कुम्हीचुंवा प्राइमरी स्कूल में पदस्थ सहायक शिक्षक एलबी तुलाराम पटेल को प्राइमरी स्कूल पुसल्दा में अटैच किया गया था। इसमें आर्डर में अध्यापन कार्य के साथ ही साथ जाति, निवास और आय प्रमाण पत्र का नोडल कार्य करने के लिए आदेशित किया गया था। जानकारी मिली है कि जाति, निवास और आय प्रमाण पत्र बनाने के चक्कर में वह छाल तहसील में ही बैठने लगा। धीरे-धीरे वह गुरुजी न रहकर छाल तहसील का बाबू ही बन गया। इस दौरान राजस्व का काम-काज भी करने लगा। छाल तहसील का बाबू तुलाराम पटेल के मूल रुप से सहायक शिक्षक एलबी होने का खुलासा तब हुआ जब शुक्रवार को एसीबी ने उसे 60 हजार रिश्वत लेते रंगे हाथ पकड़ लिया।

खास खबर

गुरुजी बन गया राजस्व का जानकार

जानकारी मिली है कि शुक्रवार को एसीबी ने छाल तहसील के जिस बाबू को रिश्वत लेते रंगे हाथ पकड़ा है उसका मूलपद तो गुरुजी है, लेकिन राजस्व विभाग का पूरा काम आता है। राजस्व विभाग का कोई भी ऐसा काम नहीं है जो गुरुजी नहीं जानते ह। इसी का फायदा उठाकर वह लोगों से रुपए की मांग करता था। अब पकड़ में आ गया तो जेल पहुंच गया।

हाईकोर्ट ने कहा- मजदूरों को भी इंसान समझिए

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बिलासपुर

छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट की वेकेशन बेंच में जस्टिस नरेंद्र कुमार व्यास ने बिना बुनियादी सुविधाओं के बिलासपुर रेक पॉइंट गुड्स शेड को बंद कर उसलापुर शिफ्ट करने पर कड़ा रुख अपनाया है।

- कलेक्टर को खाद की सप्लाई बिलासपुर रैक पॉइंट से ही करने का पत्र भी सुनवाई के दौरान प्रस्तुत किया

इस फैसले के खिलाफ रेलवे माल गोदाम मजदूर यूनियन और नया माल गोदाम ट्रक यूनियन द्वारा लगाई याचिकाओं की सुनवाई के दौरान रेलवे की ओर से उपस्थित केंद्र सरकार के डिप्टी सॉलिसिटर जनरल रमाकांत मिश्रा से कोर्ट ने सवाल पूछा। जस्टिस नरेंद्र कुमार व्यास ने पूछा कि क्या रेलवे मजदूरों को इंसान नहीं समझती जो बिना किसी बुनियादी सुविधा के बिलासपुर गुड्स शेड रैक प्वाइंट को बंद कर पूरा काम उसलापुर गुडशेड में शिफ्ट कर रही है। इस सवाल के जवाब में रेलवे की ओर से उपस्थित रमाकांत मिश्रा ने यह कहने का प्रयास किया कि सभी बुनियादी सुविधाएं है। इसी स्तर पर याचिकाकर्ता की ओर से उपस्थित अधिवक्ता सुदीप श्रीवास्तव और मानस बाजपेई ने हाईकोर्ट को अवगत कराया कि उसलापुर गुड्स शेड के नाम पर वहां पर कोई भी सुविधा नहीं है। इसके लिए याचिका में फोटोग्राफ भी लगाए गए हैं। यही नहीं स्वयं रेलवे और यूनियन के लोगों की जो संयुक्त जांच रिपोर्ट है, वह यह कहती है कि कोई भी बुनियादी सुविधा उसलापुर गुड्स शेड साइट पर नहीं है

अगली सुनवाई 17 जून को

मामले की अगली सुनवाई 17 जून तय की गई है। इस दौरान सभी पक्षकारों रेलवे और जिला प्रशासन को याचिका पर अपना जवाब दाखिल करने के निर्देश दिए गए हैं।

बिलासपुर रेक पॉइंट को बंद नहीं करने की मांग : याचिकाओं में बिलासपुर रेक पॉइंट को स्थाई रूप से बंद करने को भी रेलवे की नीति के खिलाफ बताया गया है। याचिका में बताया गया कि बिलासपुर और उसलापुर गुड्स शेड और दोनों रेक पॉइंट एक साथ चलाए जाने चाहिए। व्यापार विहार में उतरने और आने वाला पूरा सामान अगर उसलापुर से लाया जाएगा तो शहर में गाड़ियों का परिवहन लंबी दूरी तक होगा। साथ ही लंबे परिवहन के कारण लागत और महंगाई भी बढ़ेगी।

हाईकोर्ट के आदेश की गलत व्याख्या, मुंगेली में नौ शिक्षकों का प्रमोशन निरस्त

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ के शिक्षा विभाग में एक बड़ा प्रशासनिक फैसला सामने आया है। संयुक्त संचालक शिक्षा संभाग बिलासपुर ने मुंगेली जिले में सहायक शिक्षक एल.बी. से प्रधान पाठक प्राथमिक शाला पद पर की गई 9 शिक्षकों की पदोन्नति को तत्काल प्रभाव से निरस्त कर दिया है। विभागीय जांच में यह पदोन्नति शासन के निर्देशों के विपरीत और त्रुटिपूर्ण पाई गई। जारी आदेश के अनुसार, लोक शिक्षण संचालनालय नवा रायपुर ने 21 मई 2026 को पत्र जारी कर मुंगेली जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय द्वारा 23 मार्च 2023 को जारी पदोन्नति आदेश को निरस्त करने के निर्देश दिए थे। इसके बाद संयुक्त संचालक कार्यालय बिलासपुर ने पूरे मामले की समीक्षा की। कोर्ट ने सिर्फ विचार करने कहा था। जांच के दौरान जिला शिक्षा अधिकारी मुंगेली एल.पी. डाहिरे और विधि शाखा के प्रभारी लिपिक मनोज कुमार साहू ने बताया कि हाईकोर्ट बिलासपुर में दायर याचिका क्रमांक 3021/2023 के तहत 31 जनवरी 2026 को पारित आदेश के अनुपालन में 9 सहायक शिक्षकों को प्रधान पाठक के पद पर पदोन्नति दी गई थी। शिक्षकों में रूपेश कुमार, दुर्गा नेताम, रविप्रसाद लहरे, महावीर सिंह, कल्याणी ध्रुव, धर्मेश जायसवाल, पुष्कर सिंह, रामप्रकाश राजपूत और हरेश्वरी सेंड्रे शामिल हैं।

सीसी रोड निर्माण के दौरान करंट लगने से युवक की मौत

गरियाबंद। जल संसाधन विभाग के अंतर्गत चल रहे सीसी रोड निर्माण कार्य के दौरान करंट लगने से एक युवक की मौत हो गई। घटना के बाद पाण्डुका स्वास्थ्य केंद्र में डॉक्टर नहीं मिलने को लेकर स्थानीय लोगों और परिजनों में भारी आक्रोश देखा गया।

जानकारी के अनुसार निर्माण कार्य के दौरान अचानक बिजली तार की चपेट में आने से योगेंद्र पटेल गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद उसके साथी पप्पू साहू, डोमार तारक और भोला वर्मा तत्काल मोटरसाइकिल से उसे पाण्डुका स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे। परिजनों और ग्रामीणों का आरोप है कि उस समय स्वास्थ्य केंद्र में कोई डॉक्टर मौजूद नहीं था, जिसके चलते घायल युवक को तत्काल उपचार नहीं मिल पाया।

स्थिति गंभीर होने पर युवक को एंबुलेंस से राजिम अस्पताल ले जाया जा रहा था, लेकिन बारोंडा के पास रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। घटना के बाद मृतक के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है तथा गांव में शोक का माहौल बना हुआ है।

कार्यालय अधीक्षण अभियंता, लोक निर्माण विभाग, रायपुर मण्डल क्रमांक-2 (छत्तीसगढ़)

ई-प्रोक्युरमेंट निविदा सूचना

दिनांक 27.05.2026

निम्नांकित कार्यों हेतु ऑनलाईन निविदा "डी" एवं अधिक श्रेणी के ठेकेदारों के लिये आमंत्रित की जाती है।

एन.आई.टी क्र./निविदा क्रं.	कार्य का नाम	निविदा डाउनलोडन करने की अंतिम तिथी	कार्य की अनुमानित लागत (लाख में)
1	2	3	4
NIT NO. 48 Tender No.191792	जिला महासमुंद के उपसंभाग क्रमांक 1 महासमुंद अंतर्गत शासकीय आवासीय एवं गैर आवासीय भवनों का साधारण मरम्मत कार्य।		रू. 50.00 लाख
NIT NO. 49 Tender No.191794	जिला महासमुंद के उपसंभाग क्रमांक 1 महासमुंद अंतर्गत विभिन्न मुख्य जिला मार्गों एवं ग्रामीण मार्गो तथा पुल-पुलियां का विशेष मरम्मत कार्य।		रू. 50.00 लाख
NIT NO. 50 Tender No.191795	जिला महासमुंद के उपसंभाग क्रमांक 2 महासमुंद अंतर्गत शासकीय आवासीय एवं गैर आवासीय भवनों का साधारण मरम्मत कार्य।		रू. 15.00 लाख
NIT NO. 51 Tender No.191797	जिला महासमुंद के उपसंभाग क्रमांक 2 महासमुंद अंतर्गत विभिन्न मुख्य जिला मार्गो, ग्रामीण मार्गो तथा पुल-पुलियां का विशेष मरम्मत कार्य।	प्रथम आमंत्रण 15.06.2026	रू. 50.00 लाख
NIT NO. 52 Tender No.191798	परफारमेंस गारंटी अंतर्गत (1) बसना पदमपुर मार्ग के कि.मी. 2 से 16/8 = 14.80 कि.मी. (2) पौनी बिलाईगढ़ बम्हनी पदमपुर मार्ग के डामरीकृत सतह का मरम्मत कार्य।		रू. 25.87 लाख
NIT NO. 53 Tender No.191803	जिला महासमुंद के उपसंभाग सरायपाली अंतर्गत आवासीय एवं गैर आवासीय भवनों का साधारण मरम्मत कार्य।		रू. 20.00 लाख
NIT NO. 54 Tender No.191805	जिला महासमुंद के न्यायिक अधिकारियों / कर्मचारियों हेतु 01 नग एफ, 02 नग जी, 06 नग एच एवं 04 नग आई टाईप आवासगृह का निर्माण कार्य ।	द्वितीय आमंत्रण 10.06.2026	रू. 171.39 लाख

उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल https://eproc.cgstate.gov.in अथवा विभागीय वेबसाइट https://eproc.cgstate.gov.in से डाउनलोड की जा सकती है। (राशि रू. 100.00 के नान ज्यूडिशियल स्टाम्प पर निर्धारित प्रपत्र में शपथ-पत्र एवं न्यूनतम राशि रू. 10.00 के नान ज्यूडिशियल स्टाम पर एनेक्जर-3 का शपथ पत्र बिड केपेसीटी उपलब्धता बाबत जानकारी एवं अन्य जानकारी एनआईटी के 2.10 में संलग्न संशोधित प्रपत्रानुसार प्रस्तुत करें।)

निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाइट पर किया जावेगा, पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा, एवं निविदाकारो द्वारा प्रेषित मूल अभिलेख का लिफाफा में निविदाकारो का मोबाईल न. एवं इमेल आई.डी. का उल्लेख अनिवार्य रुप से करें।

Credible Chhattisgarh विश्वसनीय छत्तीसगढ़

G-262701073/5 आपकी थी चाह, हमने बनाई राह

अधीक्षण अभियंता, लो.नि.वि., रायपुर मण्डल क्र. 2 (छ.ग.)

साऊथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड

"मिनी रत्न कम्पनी"
(कोल इण्डिया लिमिटेड का उपक्रम)

एसईसीएल / महाप्र / कुस.क्षेत्र / भू.रा. / 2026 / 118 ए — दिनांक 27.04.2026

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि एसईसीएल कुसमुण्डा क्षेत्र द्वारा ग्राम रिसदी के 136.339 हे. की भूमि का अर्जन सी.बी.ए.एक्ट (ए.एण्ड डी) अधिनियम 1957 के तहत किया गया है, जिसमें लागू सी.आई.एल.(आर.एण्ड आर.) पालिसी 2012 के अनुसार घटते क्रम (रकबा के) Concept के आधार पर 168 भू.स्वामियों / आश्रितों की पात्रता बनती है, जिसमें से 03 भूस्वामी / आश्रित द्वारा रोजगार हेतु नामांकन पत्र जमा किया गया है, जिसका विवरण अधो लिखित तालिकानुसार है:-

क्र.	स्टेटमेंट 5 के अनुसार भूस्वामी का नाम / पिता का नाम	खसरा नम्बर	रकबा (हे.)	कुल रकबा (हे.)	उम्मीदवार का नाम (नामांकित व्यक्ति का नाम) एवं खातेदार से संबंध	भूस्वामियों / नामित उम्मीदवार द्वारा जमा किए गए पत्रों में भूस्वामी / उम्मीदवार का नाम			टिप्पणी
						विभिन्न दस्तावेज	विभिन्न दस्तावेज के आधार पर खातेदार का नाम	विभिन्न दस्तावेज के आधार पर उम्मीदवार का नाम	
1	कामेश्वर सिंह पिता गणेश सिंह साकिन देह भूमि स्वामी	98/5 294/5 315/3	0.057 0.170 0.174	0.401	कामेश्वर सिंह पिता गनेश सिंह (सबंध-स्वयं)	नामांकन पत्र	कामेश्वर सिंह पिता गणेश सिंह	कामेश्वर सिंह पिता गणेश सिंह	खातेदार एवं उम्मीदवार के द्वारा प्रस्तुत शपथ पत्र के अनुसार विभिन्न पत्रों / दस्तावेजों में भिन्न भिन्न नाम एक ही व्यक्ति के है।
						सत्यापन	कामेश्वर सिंह पिता गणेश सिंह	कामेश्वर सिंह पिता गणेश सिंह	
						घटते क्रम सूची के अनुसार क्र.- 119	कामेश्वर सिंह पिता गणेश सिंह	--------	
						स्टेटमेंट 1 A	कामेश्वर सिंह पिता गणेश सिंह	--------	
						बी- 1 वर्ष 2009-10	कामेश्वर सिंह पिता गणेश सिंह	--------	
						पी- 2 वर्ष 2005-06 2009-10	कामेश्वर सिंह पिता गनेश सिंह	--------	
						पी- 2 वर्ष 2009-10 2013-14	कामेश्वर सिंह पिता गणेश सिंह	--------	
						ऋण पुस्तिका	कामेश्वर सिंह पिता गनेश सिंह	--------	
						वंशवृक्ष	कामेश्वर सिंह पिता गणेश सिंह	कामेश्वर सिंह पिता गणेश सिंह	
						निवास प्रमाण पत्र	--------	कामेश्वर सिंह पिता गणेश सिंह	
						जाति प्रमाण पत्र	--------	कामेश्वर सिंह पिता गणेश सिंह	
						शैक्षणिक प्रमाण पत्र	--------	8th- कामेश्वर सिंह पिता गणेश सिंह	
						रोजगार पंजी	--------	Kameshvar Singh S/o Ganesh Singh	
						आधार कार्ड	कामेश्वर सिंह कंवर C/o गनेश सिंह	कामेश्वर सिंह कंवर C/o गनेश सिंह	
2	चमरा सिंह पिता हिरदे राम साकिन देह भू स्वामी	14/3 19/1 19/4 20/1 73/1 171/2 183/5 199/2 200/1 203/2 264/4 319/1 340/2 415/2 452/1 460/4	0.020 0.016 0.004 0.053 0.024 0.004 0.016 0.012 0.004 0.004 0.016 0.016 0.049 0.008 0.097 0.170	0.513	लाल सिंह पिता चमरा सिंह (सबंध-पुत्र)	नामांकन पत्र	चमरा सिंह पिता हिरदे राम	लाल सिंह पिता चमरा सिंह	खातेदार एवं उम्मीदवार के द्वारा प्रस्तुत शपथ पत्र के अनुसार विभिन्न पत्रों / दस्तावेजों में भिन्न भिन्न नाम एक ही व्यक्ति के है।
						सत्यापन	चमरा सिंह पिता हिरदे राम	लाल सिंह पिता चमरा सिंह	
						घटते क्रम सूची के अनुसार क्र.- 71	चमरा सिंह पिता हिरदे राम	--------	
						स्टेटमेंट 1 A	चमरा सिंह पिता हिरदे राम	--------	
						बी- 1 वर्ष 2009-10	चमरासिंह पिता हिरदेराम	--------	
						पी- 2 वर्ष 2005-06 2009-10	चमरा सिंह पिता हिरदेराम	--------	
						पी- 2 वर्ष 2009-10 2013-14	चमरासिंह पिता हिरदेराम	--------	
						ऋण पुस्तिका	चमरासिंह पिता हिरदेराम	--------	
						वंशवृक्ष	चमरा सिंह पिता हिरदे राम	लाल सिंह पिता चमरा सिंह	
						निवास प्रमाण पत्र	--------	लाल सिंह पिता चमरा सिंह	
						जाति प्रमाण पत्र	--------	लाल सिंह पिता चमरा सिंह	
						शैक्षणिक प्रमाण पत्र	--------	8th:- लाल सिंह पिता चमरा सिंह	
						रोजगार पंजी	--------	Lal Singh S/o Chamra Singh	
						आधार कार्ड	चमरा सिंह पिता हिरदे राम	लाल सिंह पिता चमरा सिंह	
3	हरीश कुमार, मुनीष कुमार पिता चरनसिंह साकिन देह भू स्वामी	33	1.092	1.092	रीमा कंवर पिता हरीश कुमार (सबंध-पुत्री / भतिजी)	नामांकन पत्र	हरीश कुमार, मुनीष कुमार पिता चरन सिंह	रीमा कंवर पिता हरीश कुमार	खातेदार एवं उम्मीदवार के द्वारा प्रस्तुत शपथ पत्र के अनुसार विभिन्न पत्रों / दस्तावेजों में भिन्न भिन्न नाम एक ही व्यक्ति के है।
						सत्यापन	हरीश कुमार कंवर, मुनीश कुमार कंवर पिता स्व. चरण सिंह कंवर	रीमा कंवर पिता हरीश कुमार	
						घटते क्रम सूची के अनुसार क्र.- 22	हरीश कुमार, मुनीष कुमार पिता चरनसिंह	--------	
						स्टेटमेंट 1 A	हरीश कुमार, मुनीष कुमार पिता चरनसिंह	--------	
						बी- 1 वर्ष 2009-10	हरीश कुमार, मुनीष कुमार पिता चरनसिंह	--------	
						पी- 2 वर्ष 2005-06 2009-10	हरीश कुमार, मुनीष कुमार पिता चरनसिंह	--------	
						पी- 2 वर्ष 2009-10 2013-14	हरीश कुमार, मुनीष कुमार पिता चरनसिंह	--------	
						ऋण पुस्तिका	हरीश कुमार, मुनीष कुमार पिता चरनसिंह	--------	
						वंशवृक्ष	हरीश कुमार, मुनीष कुमार पिता चरनसिंह	रीमा कंवर पिता हरीश कुमार	
						निवास प्रमाण पत्र	--------	कु. रीमा पिता हरीश कुमार	
						जाति प्रमाण पत्र	--------	कु. रीमा पिता हरीश कुमार	
						शैक्षणिक प्रमाण पत्र	--------	10th- Reema Kanwar D/o Harish Kumar 12th- Reema Kanwar D/o Harish Kumar B.A- Reema Kanwar D/o Harish Kumar	
						रोजगार पंजी	--------	Reema Kanwar D/o Harish Kumar	
						आधार कार्ड	हरीश कुमार कंवर, मुनीष कुमार कंवर पिता चरन सिंह	रीमा कंवर पिता हरीश कुमार	

उक्त भूस्वामी / नामांकित व्यक्ति (उम्मीदवार) के रोजगार या उनके नाम के संबंध में किसी भी व्यक्ति को किसी प्रकार की यदि आपत्ति हो तो वे प्रकाशन दिवस से 7 दिनों के अंदर अपना दावा आपत्ति महाप्रबंधक, कार्यालय एसईसीएल कुसमुण्डा क्षेत्र में प्रस्तुत कर सकते है, दिये गये समयावधि के पश्चात् प्राप्त दावा आपत्ति पर विचार नही किया जायेगा।

SECL/26-27/39

स्टॉफ अधिकारी (भू.रा.), एसईसीएल, कुसमुण्डा क्षेत्र

हरिभूमि HEALTH CARE — छत्तीसगढ़ के मेडिकल विशेषज्ञ

डायबिटिज मधुमेह का सर्वोत्तम इलाज - अब दिल्ली, मुंबई, चेन्नई क्यू जाना
मधुमीत डायबिटिज हॉस्पिटल | डॉ राका शिवहरे MBBS, MD FNIC FIPA | भर्ती सुविधा उपलब्ध
Ecg, Echo, Tmt, Doppler, Carotid, Doppler, Insulin, Pump, Cgms, Homa IR
शिव मंदिर चौक, अवंति विहार, रायपुर, मो. 8269885003, मो. 7389485756

डॉ. पर्णिता बघेल (स्त्री रोग विशेषज्ञ) | डॉ. फिबी मसीह (स्त्री रोग विशेषज्ञ)
वसुधा केयर हॉस्पिटल (महिला एवं बच्चों का अस्पताल | प्लास्टिक एवं कास्मेटिक सर्जरी)
सुविधाएं: 24x7 डिलीवरी, शिशु रोग, दूरबीन द्वारा ऑपरेशन, सोनोग्राफी, बांझपन का इलाज, खून जांच
जीवन विहार कालोनी, सृष्टि प्लाजो के पास, अवंति विहार रोड, तेलीबांधा, रायपुर, मो. 0771-3523209, 7880001064, 7880001062

श्री सांई केयर हॉस्पिटल
डॉक्टर से सेकंड ओपिनियन, बिना किसी फीस हर सामेवार शाम।
फ्री ओपीडी सेवा महीने के प्रत्येक सोमवार समय: शाम 5 बजे से 7 बजे तक
उपलब्ध सेवाएं: कैंसर केयर, डायबिटिक केयर, पाईल्स केयर
डायबिटीज (मधुमेह) उपचार, पाइल्स (बवासीर) का ऑपरेशन, हाई ब्लड प्रेशर (उच्च रक्तचाप), लिवर व किडनी रोग, थाइरॉयड सर्जरी, ब्रेस्ट लंप / ट्यूमर सर्जरी
आयुष्मान कार्ड द्वारा निःशुल्क ईलाज सुविधा उपलब्ध
शिव मंदिर के पास, अवंती विहार, तेलीबांधा, रायपुर (छ.ग.) | बुक अपॉइंटमेंट : 0771-4020089, 9630067422

डॉ. राठौर चेस्ट क्लिनिक
दमा, टी.बी., छाती एवं एलर्जी रोग विशेषज्ञ
सुविधाएं : पी.एफ.टी., ब्रांकोस्कोपी, स्लीप स्टडी
स्पेशलिस्ट : खांसी, श्वांस, दमा, टी.बी., निमोनिया, एलर्जी फेफड़े का कैंसर, खर्राटे व नींद
समय दोपहर 2.00 बजे से शाम 7.00 बजे तक (रविवार अवकाश)
गरचा कॉम्प्लेक्स, कचहरी चौक, जेल रोड़, रायपुर मो. 7999450384, 7042974029

AB आई हॉस्पिटल
आयुष्मान कार्ड एवं इंश्योरेंस सुविधा उपलब्ध
लेज़र मोतियाबिंद ऑपरेशन किफायती दरों में
पता : - 119/A सेक्टर - 3, गीतांजली नगर, रायपुर | मो.: 8815096478

डायबिटीज / शुगर संबंधी सभी समस्याएं, थायराइड, मोटापा, प्रेग्नेंसी डायबिटिस, फुलबॉडी चेकअप, डायबिटिक सेक्स रोग, नसों की सुन्नता।
डायबिटिक क्लीनिक
Dr. Satyajeet Sahu Advance Dibetes & Thyroid care centre
Diabetic Clinic
Appointments No. 7724035770, 9329004557, 9303724304
17, गुरूकुल कॉम्पलेक्स, कालीबाड़ी रायपुर, समय - सुबह 10 से 5, शाम 6 से रात 9 बजे तक

डॉ. नरेन्द्र अग्रवाल
चर्म एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
सुविधाएं: लेजर हेयर रिमूवल, केमिकल पीलिंग, हाइड्रोफेशियल, रेडियोफ्रिक्वेंसी, कार्बन फेशियल, एलर्जी टेस्ट
रविवार अवकाश
क्लीनिक : छत्तीसगढ़ कॉलेज के सामने, सिविल लाईन, बैरनबाजार, रायपुर (छ.ग.) समय : सुबह 10:00 से 2:00 बजे तक
सिटी कोतवाली के पास, छोटापारा रोड, रायपुर (छ.ग.) शाम 5:00 से 8:30 बजे तक, फोन : 0771-2546760, 9300323131

सभी प्रकार के स्किन एवं बाल संबंधी समस्याओं का निदान, मुंहासे, झांई, झुर्रियों का इलाज, अनचाहे बालों हेतु लेजर ट्रीटमेंट
सिंघानिया स्किन केयर
Makeover Skin, Hair & Aesthetic Cente
36, प्रथम तल, गुरूकुल कॉम्पलेक्स कालीबाड़ी, रायपुर 0771-4053311
Email:bsinghania111@yahoo.co.in
रानी सती मंदिर के पास, केनाल लिंकिंग रोड, रवीनगर, राजातालाब, रायपुर
मो. 94252-14479, 0771-4020411
www.makeoverraipur.com
त्वचा व बाल संबंधी समस्याओं का इलाज

कान, नाक, गला, एलर्जी एवं वर्टिगो (चक्कर) कोअब्लेशन एवं लेजर सर्जरी हॉस्पिटल
डॉ. जाऊलकर ई.एन.टी. हॉस्पिटल
सेन्ट्रल एवेन्यू चौबे कालोनी प्रगति कॉलेज रायपुर (छ.ग.) (ISO 9001-2000 Certified)
फोन: 0771-4044551 समय: सुबह 9.30 से 4.30 तक

डॉ. मनोज अग्रवाला
एमडी (सीएमसी वेल्लोर) (गोल्ड मेडलिस्ट)
स्किन क्लिनिक
सेवाएं: मुहासें, सोरासिस, स्किन एलर्जी, पिगमेंटेशन, विटिलियो / ल्यूकोडरमा, पीआरपी थेरेपी, एलोपेसिया, अर्टीकेरिया, फंगल इंफेक्शन, टैली कंसल्टेशन, लेजर थेरेपी
चौबे कॉलोनी, रायपुर (छत्तीसगढ़) 0771-4003777, 77778-76292

उपलब्ध विशेषताएं: लेप्रोस्कोपिक एवं जनरल सर्जरी, जनरल मेडीसीन, ऑर्थोपेडिक्स, जोड़ प्रत्यारोपण सर्जरी, ऑन्कोलॉजी (सर्जिकल), गायनेकोलॉजी
अग्रवाल हॉस्पिटल
(मल्टीस्पेशियेलिटी सेन्टर)
जी.ई.रोड, आर.के.सी. कॉम्पलेक्स के सामने, रायपुर (छ.ग. 492001)
फोन: +91-0771-4088107/108, ईमरजेंसी नंबर 9109187755, डॉ. सजन अग्रवाल - 9329101037
लेप्रोस्कोपिक सर्जरी में सभी प्रकार की हार्निया, अपेन्डिक्स, पित की थैली, बच्चादानी आदि से संबंधित ऑपरेशन, सभी तरह की कैंसर सर्जरी एवं कीमोथेरेपी की सुविधा उपलब्ध
OPD समय - शाम 4 से 6 बजे

अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों एवं महिलाओं का अस्पताल
प्रसूति, नवजात, शिशु रोग, बांझपन, सोनोग्राफी, आयुष्मान कार्ड, बच्चों एवं बडों के आपरेशन, अनुभवी डॉक्टर्स प्रतिदिन
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.), 9826182221, 9301744425

विज्ञापन हेतु संपर्क करें:-
7987119756, 9303508130

जैकेट के शेष

14 सालों में ....

राशि का भुगतान किया है, शेष 2047 हितग्राहियों पर अभी भी मूलधन एवं ब्याज सहित 74 करोड़ 39 लाख से अधिक की राशि बकाया है। इधर इस बकाया राशि की वसूली के लिए सभी जिलों में संबंधित विभाग सालों से महज खानापूर्ति कार्रवाई करते हुए हितग्राहियों को नोटिस पर नोटिस ही जारी कर रहे हैं, जबकि वसूली नहीं के बराबर हुई है।

साफ्टवेयर अपडेट नहीं, ...

एवं राजनांदगांव जैसे जिलों में सबसे अधिक हितग्राहियों को लोन वितरित किया गया है। इस कारण इन जिलों में बकाया लोन की रकम भी ब्याज सहित करोड़ों रुपए में है।

जिलेवार राशि की स्थिति....

सूरजपुर	18	21.31 लाख	26.38 लाख
बलरामपुर	14	55.45 लाख	65 लाख
बस्तर-जगदलपुर	6	9 लाख	4 लाख
सुकमा	2	1.90 लाख	22 हजार
बालोद	108	2.79 करोड	2.39 करोड़
बेमेतरा	70	1.50 करोड़	1.40 करोड़
कोंडागांव	3	9.95 लाख	3.19 लाख
बलौदाबाजार-भाटापारा	121	2.76 करोड़	2.76 करोड़
गरियाबंद	57	1.37 करोड़	1.56 करोड़
मुंगेली	29	79.85 लाख	32.68 लाख

ये चोर हैं ....

इलाके से मसकली और पंजाबी नस्ल के 14 कबूतर चोरी होने की शिकायत जूटमिल थाने में दर्ज कराई गई है। इस संबंध में मौदहापारा निवासी शेख अंसार ने पुलिस को बताया कि उन्होंने पिछले दो साल से अपने घर में खास नस्ल के कबूतर पाल रहे थे। उनके बेटे अलग-अलग जगहों से इन कबूतरों लाए थे। परिवार इन कबूतरों की देखभाल बड़े शौक से करता था। चोरी हुए कबूतरों में कुछ अंडे भी शामिल बताए गए हैं।

नहीं मिला सुराग....

खरीदने आए युवक कोतरा रोड क्षेत्र के रहने वाले थे। इसके बाद पीड़ित ने उन्हीं युवकों पर चोरी का शक जताते हुए जूटमिल थाने में लिखित शिकायत दी है। मामले की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। इलाके में यह घटना चर्चा का विषय बनी हुई है,आमतौर पर चोरी के मामलों में नकदी और सामान पर रहते हैं, लेकिन इस बार चोर महंगी नस्ल के कबूतर लेकर फरार हो गए। वहीं दूसरी ओर पुलिस ने इस मामले में शिकायत दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

हेडमास्टर से 40 .....

कार्यालय में पदस्थ बाबू प्रदीप मिश्रा से संपर्क किया और एंट्री कराने के लिए अपनी पासबुक को उसके पास छोड़ दिया और कुछ दिन बाद जब वे इसकी जानकारी लेने बाबू प्रदीप मिश्रा से मिले तो पासबुक में एंट्री कराने के एवज में 40 हजार रुपए की मांग की गई। जबकि वह मई 2026 में ही सेवानिवृत्त होने वाले हैं और उसके पूर्व पासबुक में एंट्री कराना आवश्यक था। प्रधानपाठक की शिकायत पर एसीबी के द्वारा अपनी ओर से इसकी तस्दीक की गई और शिकायत सही पाए जाने के बाद बाबू को ट्रेस करने के लिए जाल फैलाया।

रिकार्ड सुधारने मांगा .....

थी। राजस्व रिकार्ड में नाम सुधार के एवज में छाल तहसील में पदस्थ बाबू तुलाराम पटेल ने एक लाख रुपये की मांग की। भानु प्रताप पटेल ने इसकी शिकायत एंटी करप्शन ब्यूरो बिलासपुर में की। शुक्रवार को एसीबी की पूरी टीम छाल तहसील पहुंची और आवेदक को रुपए लेकर भेजा गया। बाबू तुलाराम पटेल को भानुप्रताप ने पहली किस्त के रुप में 60 हजार रुपए दे रहा था तभी बाबू ने उसे स्वीकार किया और जैसे ही 60 हजार लिया, पहले से तैनात एसीबी की टीम ने उसे रंगे हाथ पकड़ लिया। एसीबी ने आरोपी बाबू के खिलाफ धारा 7 भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 के तहत कार्रवाई की है।

दहेज हत्या केस में सुप्रीम कोर्ट की सख्त टिप्पणी

मकसद तो दुल्हन और उसके परिवार को निचोड़ना होता है

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को दहेज से संबंधित उत्पीड़न के खिलाफ कड़ी टिप्पणी की। कोर्ट ससुराल में फांसी लगाकर आत्महत्या करने वाली एक महिला के मामले की सुनवाई कर रहा था। जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस उज्ज्वल भुइयां की पीठ ने मामले में दखल देने से इनकार करते हुए पति के परिवार के आचरण की बार-बार आलोचना की। कोर्ट ने सख्त मैसेज देने की जरूरत पर जोर दिया। जस्टिस नागरत्ना ने कहा कि लड़के लड़कियों से शादी करके उनका और उनके परिवार का अपमान क्यों करते हैं? जस्टिस नागरत्ना ने कहा कि मकसद तो दुल्हन और उसके परिवार को निचोड़ना होता है।

प्रयागराज में बस और कार की भिड़ंत में तीन की मौत

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में एक सड़क हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि एक व्यक्ति घायल हो गया। पुलिस के अनुसार, विपरीत दिशा से आ रही एक बस अनियंत्रित होकर डिवाइडर पार कर दूसरी लेन में पहुंच गई और सामने से आ रही एक कार से उसकी जोरदार टक्कर हो गई। अपर पुलिस उपायुक्त (गंगा नगर) कुलदीप गुनावत ने बताया कि यह हादसा जीटी रोड पर हंडिया थाना क्षेत्र के भीस्की गांव के पास एक पेट्रोल पंप के नजदीक हुआ। प्राप्त जानकारी के अनुसार, जौनपुर निवासी राकेश त्रिपाठी (60) अपनी पत्नी प्रभावती देवी (58), पुत्र राहुल त्रिपाठी तथा भदोही निवासी 27 वर्षीय शुभम दुबे के साथ कार से भदोही से प्रयागराज के झूंसी की ओर जा रहे थे। इस दुर्घटना में राकेश त्रिपाठी, प्रभावती देवी और शुभम दुबे गंभीर रूप से घायल हो गए।

आम सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि हमारे पक्षकारगण 1. अरूण अग्रवाल उर्फ बाबुलाल अग्रवाल 2. डॉ. दिलीप अग्रवाल 3. किशोर अग्रवाल सभी पिता स्व. श्री रामगोपाल अग्रवाल सभी निवासी राजीव नगर, रायपुर, तहसील व जिला रायपुर (छ.ग.), कृषक ग्राम-लवन, के द्वारा दिखाये गये दस्तावेज एवं बताये गये तथ्यों के आधार पर निम्न आशय का आम सूचना सर्वजन के लिये प्रकाशित किया जाता है कि ग्राम लवन, प.ह.नं-36, जिला बलौदाबाजार-भाटापारा (छ.ग.) में स्थित भूमि खसरा नंबर 922/1 का टुकड़ा, रकबा 0.272 हेक्टेयर पूर्व में क्रेता संदीप वर्मा पिता हरीशचंद्र वर्मा निवासी खम्हारडीह लाहोद, तहसील लवन, जिला बलौदाबाजार-भाटापारा (छ.ग.) पिन- 493526 को पंजीकृत बैनामा द्वारा विक्रय किया जा चुका है, हमारे उपरोक्त पक्षकारगण के द्वारा विधि अनुसार विक्रय किया जा चुका है।

इसी प्रकार ग्राम लवन, प.ह.नं-36, जिला बलौदाबाजार-भाटापारा (छ.ग.) में स्थित भूमि खसरा नंबर 922/1 का टुकड़ा, रकबा 0.267 हेक्टेयर को हमारे पक्षकारगण द्वारा संभववित क्रेताओं को विधि अनुसार विक्रय अनुबंध करने पश्चात पंजीकृत बैनामा का निष्पादन एवं पंजीयन कराया जाना है।

उपरोक्तानुसार आम सूचना सर्वजन के अवलोकन हेतु हमारे द्वारा प्रकाशित कराया जा रहा है। उपरोक्त के संबंध में कोई अखबार में प्रकाशित आम सूचना अथवा खंडन मान्य नहीं होगा। कदाचित किसी को भी इस संबंध में कोई आपत्ति हो तो हमारे कार्यालय में, कार्यालयीन समय में अपनी सुसंगत आपत्ति मय दस्तावेजों के साथ सूचना प्रकाशन के 07 दिवस के भीतर प्रस्तुत होकर पेश करें एवं पावती प्राप्त करें ताकि समय अनुसार उपरोक्त प्राप्त सभी आपत्तियों का निराकरण किया जा सके।

तदानुसार आम सूचना प्रकाशित ताकि सनद रहे एवं वक्त जरूरत काम आये।

दिनांक 29/05/2026

प्रफुल्ल अग्रवाल
श्रीमती अनुपमा अग्रवाल
मृणाल अग्रवाल (अधिवक्तागण)
अग्रवाल लॉ चेम्बर, ऑफिस नंबर 214, 'एज', द्वितीय तल,सी-ब्लॉक, विधानसभा रोड, मोवा, रायपुर
मो.नं.- 98271-91661

:: आम सूचना ::

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि, मेरे पक्षकार दिनेश कुमार, योगेन्द्र कुमार, दोनों पिता-तुलसी, निवासी- सिमगा (छ.ग.) के स्वामित्व एवं आधिपत्य की कृषि वाके मौजा सहगांव, प.ह.नं.-30, रा.नि.मं.-आनंद गांव, तहसील बेरला, जिला बेमेतरा (छ.ग.) जिसका खसरा नंबर क्रमशः 162, 164, 166, 167 रकबा क्रमशः 0.7800, 0.0800, 0.2000, 0.2000 हेक्टेयर स्थित है, भूमिस्वामी हक की भूमि जिसके वर्तमान में स्वामी विक्रेता से क्रय करने का पक्का सौदा कर बयाना अग्रिम राशि विक्रेता को अदा कर दिये है, बैनामा पंजीयन शेष है।

इस आम सूचना प्रकाशन के पन्द्रह दिवस पश्चात मेरा पक्षकार अपने नाम या अपने द्वारा नामित व्यक्ति के नाम बैनामा पंजीयन करायेंगे।

उक्त संव्यवहार पर किसी शासकीय, अर्द्धशासकीय, वित्तीय संस्थान, व्यक्ति अथवा व्यक्तियों के समूह को कोई दावा उजर आपत्ति हो तो मय दस्तावेज अपनी लिखित दावा उजर आपत्ति समयावधि के भीतर अधोलिखित कार्यालयीन पते पर प्रेषित करें बाद मियाद अवधि ली गई दावा उजर आपत्ति मेरे पक्षकारों पर बंधनकारी ना होकर अवैध व शून्य होवेगी।

रायपुर, (छ.ग.) दिनांक- 29/05/2026

भवदीय,
किशोर मिश्रा, अधिवक्ता
पता- संजय नगर, मिलन चौक, रायपुर
(छ.ग.) मो. नं.- 93295-75733

राष्ट्रीय बीज निगम लिमिटेड
(भारत सरकार का उपक्रम-मिनीरत्न कम्पनी)
CIN NO. U74899DL1963GOI003913, (An ISO 9001:2015 & 14001:2015 Certified Company)
क्षेत्रीय कार्यालय : मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़, फोन : 0755-2580271,2580319
ई-मेल: nscengbpl@gmail.com, rm.bhopal@indiaseeds.com वेबसाइट: www.indiaseeds.com

उत्पादन.5(5)A/रा.बी.नि./आर.ओ.-भो./2026-27 दिनांक : 29.05.2026

अल्पकालीन निविदा सूचना

क्षेत्रीय कार्यालय, राष्ट्रीय बीज निगम लिमिटेड, गोविंदपुरा, भोपाल आधारीय/प्रमाणित सोयाबीन (1500 क्विंटल) की प्रदायगी हेतु, जो कि खरीफ-25 के उत्पादन से उत्पादित हों, को क्रय करने हेतु प्रतिष्ठित बीज उत्पादकों/ संस्थानो/सहकारी समितियों एवं बीज कंपनियों से स्व-उत्पादित, बीज की मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ पर ऑफलाइन (offline) निविदा दिनांक 05.06.2026 को आमंत्रित करता है।

अधिक जानकारी हेतु हमारी वेबसाइट www.indiaseeds.com को देखें। निविदा में भाग लेने हेतु टेंडर फार्म दिनांक 05.06.2026 को मध्यान्ह 12:30 बजे तक जमा किए जा सकते है। संशोधन/परिशिष्ठ यदि कोई हुआ तो एनएससी वेबसाइट पर देखा जा सकता है।

क्षेत्रीय प्रबंधक

कार्यालय जिला पंचायत बालोद

राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन योजनान्तर्गत रिक्त संविदा पद विकासखंड परियोजना प्रबंधक, क्षेत्रीय समन्वयक एवं लेखा सह एम आई एस सहायक पद हेतु पात्र/अपात्र अभ्यर्थियो की प्रारंभिक सूची एवं दावा आपत्ति प्रस्तुत करने का विस्तृत विवरण जिला बालोद के वेबसाइट www.balod.gov.in पर किया गया है। दिनांक 27.05.2026 से 05.06.2026 तक कार्यालयीन दिवस (सोमवार से शुक्रवार) एवं समय (10.00 से 5.30) में दावा आपत्ति प्रस्तुत किया जा सकता हैं।

सहायक परियोजना अधिकारी
जिला पंचायत बालोद (छ.ग.)

S-47966/1

कार्यालय, नगर पंचायत सरिया, जिला-सारंगढ़-बिलाईगढ़ (छ.ग.)
E-mail- cmonpsariya@gmail.com

क्रमांक 392/ लो.नि.वि./न.पं./ 2026-27 सरिया, दिनांक 29/05/2026

// द्वितीय ई-निविदा आमंत्रण सूचना //

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाईन (Online) निविदा आमंत्रित की जाती है।

क्र.	सिस्टम टेंडर क्र.	कार्य का विवरण	अनु.लागत (रू. लाख में)	निविदा ऑनलाईन सबमिट करने की अंतिम तिथि
1.	191883	Revamping of Material Recovery Facility (MRF) including installation of Machinery and construction of Compost Plant in Municipal Areas of SARIYA, Chhattisgarh 2nd Call	31.79	15-06-2026 17:30 PM

उपरोक्त कार्य की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल http//eproc.cgstate.gov.in अथवा विभागीय वेबसाईट https://www.uad.cg.gov.in से डाउनलोड की जा सकती है एवं कार्यालयीन अवधि में कार्यालय आकर जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

मुख्य नगरपालिका अधिकारी,
नगर पंचायत सरिया,
जिला-सारंगढ़-बिलाईगढ़ (छ.ग.)

छ.ग. स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड,
न्यायालय नायब तहसीलदार, नगरी, जिला-धमतरी (छ.ग.)

// उद्घोषणा //

रा.प्र.क्र. 202601130100023 / अ-59 / 2025-26
ग्राम-ठेनही प.ह.नं. 50

अनुविभागीय अधिकारी (रा.) नगरी के माध्यम से कलेक्टर महोदय धमतरी के रा.प्र.क्र. 202601130100023/अ-59/2025-26 में आवेदक कार्यपालन अभियंता (संचा./संधा.) संभाग छ.स्टेट.पॉ.डि.कं.लि. धमतरी द्वारा ग्राम ठेनही प.ह.नं. 50 तहसील नगरी स्थित शासकीय भूमि खसरा/रकबाः- 215 (0.370 हे.) को छ.ग. शासन राजस्व विभाग मंत्रालय डी.के.एस. रायपुर के आदेश क्रमांक एफ-4-135/सात-1/06 रायपुर दिनांक 10.08.2006 तथा राजस्व पुस्तक परिपत्र खण्ड चार क्रमांक 1 कंडिका (93) के बिन्दु क्रमांक 02 में निहित प्रावधान के तहत सोलर पैनल स्थापना हेतु प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है।

अतः उपरोक्त संबंध में यदि किसी व्यक्ति को आपत्ति दावा पेश करना है, तो पेशी दिनांक 03.06.2026 को समय प्रातः 10:00 बजे नायब तहसीलदार के न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से लिखित में प्रस्तुत कर सकते हैं। म्याद बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 18.05.2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय के पदमुद्रा से जारी किया गया।

मुहर

सही /-
नायब तहसीलदार नगरी

कार्यपालन अभियंता (संचा/संधा)
संभाग छ.स्टेट.पॉ.डि.कं.लि. धमतरी

कार्यालय प्रमुख अभियन्ता, लोक निर्माण विभाग, नवा रायपुर, अटल नगर (केन्द्रीय निविदा प्रकोष्ठ)

ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना

Main Portal: https: // eproc.cgstate.gov.in

निम्नलिखित कार्य हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है :-

स. क्रं.	सिस्टम निविदा क्रमांक/ दिनांक	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत (रूपये लाख में)
1	191453 प्रथम आमंत्रण 21.05.2026	सेमरिया से सबरियाडेरा पहुंच मार्ग लंबाई 2.50 कि.मी. का निर्माण कार्य।	312.54
2	191488 प्रथम आमंत्रण 22.05.2026	जिला खैरागढ़ छुईखदान गण्डई के कामठा से हरदी मार्ग लंबाई 2.025 कि.मी. का पुल पुलिया सहित निर्माण कार्य।	202.63
3	191489 प्रथम आमंत्रण 22.05.2026	भिखारीमाल चौक से डीपापारा स्कूल तक मार्ग लंबाई 3.00 कि.मी. का निर्माण कार्य।	315.15
4	191515 प्रथम आमंत्रण 22.05.2026	PM USHA Component Grants to Strengthen Colleges (GSC) अंतर्गत बी.सी.एस. शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय धमतरी में नवीन निर्माण कार्य, वाटर सप्लाई, सेनेटरी फिटिंग एवं विद्युतिकरण कार्य सहित। जमा मद।	294.02
5	191520 प्रथम आमंत्रण 22.05.2026	जिला बेमेतरा के कुम्हारी अहिवार बेरला (मु.जि.मा.) के कि.मी. 17/6 से 68/6 = 51.20 कि.मी. का पुल पुलिया सहित चौड़ीकरण एवं मजबूतीकरण का कार्य (भाग-1)। जिला बेमेतरा के कुम्हारी अहिवार बेरला (मु.जि.मा.) के कि.मी. 17/6 से 68/6 = 51.20 कि.मी. एवं अंधामोड पुर्नरेखण लं. 1.40 कि.मी. कुल लंबाई 52.60 कि.मी. का पुल पुलिया सहित चौड़ीकरण एवं मजबूतीकरण का कार्य।	7922.94

निविदा डाउनलोड करने की अंतिम तिथी सं.क्र 04 से सं.क्र 05 दिनांक 15.06.2026 निर्धारित है। एवं अन्य शेष निविदाओं के लिए दिनांक 12.06.2026 निर्धारित है। निविदा में भाग लेने की प्रक्रिया एवं निविदा के संबंध में विस्तृत जानकारी विभाग के उपरोक्त वेबसाईट में देखे जा सकते है।

मुख्य अभियंता
केन्द्रीय निविदा प्रकोष्ठ
कार्यालय प्रमुख अभियंता, लोक निर्माण विभाग, नवा रायपुर अटल नगर

G-262701060/7

कर्मचारी राज्य बीमा निगम
(श्रम और रोजगार मंत्रालय, भारत सरकार)
EMPLOYEES' STATE INSURANCE CORPORATION (MINISTRY OF LABOUR & EMPLOYMENT, GOVERNMENT OF INDIA)

चिकित्सा शिक्षा प्रकोष्ठ, ईएसआईसी, मुख्यालय
MEDICAL EDUCATION CELL, ESIC, HEADQUARTERS
पंचदीप भवन : सी. आई. जी. मार्ग, नई दिल्ली-110002
PANCHDEEP BHAWAN: C.I.G. MARG, NEW DELHI-02
ई-मेल: dmc-dl@esic.nic.in, mecel.hq@esic.nic.in

एमबीबीएस/ बीडीएस / बीएससी नर्सिंग में बीमाकृत व्यक्तियों के प्रतिपाल्य (वार्ड ऑफ आईपी) के लिए प्रवेश सूचना

यह प्रवेश सूचना कर्मचारी राज्य बीमा योजना के अंतर्गत कर्मचारी राज्य बीमा निगम चिकित्सा / दंत्य/नर्सिंग महाविद्यालयों एवं कुछ अन्य सरकारी चिकित्सा महाविद्यालयों में पूर्वस्नातक पाठ्यक्रम (एमबीबीएस / बीडीएस / बीएससी नर्सिंग) में 'बीमाकृत व्यक्तियों के प्रतिपाल्यों' (आईपी) के प्रवेश के लिए है जो निर्धारित पात्रता मानदंडों को पूर्ण करते हैं और जिन्होंने भारत सरकार / कर्मचारी राज्य बीमा निगम द्वारा अनुमोदित प्रवेश नीति और प्रक्रिया के अनुसार शिक्षा - सत्र 2026-27 के लिए राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (यूजी) - 2026 [एनईईटी (नीट) (यूजी)] के लिए आवेदन किया है। विवरण कर्मचारी राज्य बीमा निगम की वेबसाइट esic.gov.in पर प्रवेश लिंक पर उपलब्ध हैं।

चिकित्सा शिक्षा प्रकोष्ठ,
एसिक मुख्यालय

कार्यालय नगर पालिक निगम (जोन-04), रायपुर (छ.ग.)
मोतीबाग पानी टंकी सुभाष स्टेडियम के सामने
Email ID-rmczone4@gmail.com

रेनवॉटर हार्वेस्टिंग स्थापना हेतु रूचि की अभिव्यक्ति

क्रमांक18/नपानि / जोन क्र. 04/लो.क.वि/ 2026 रायपुर दिनांक 27/05/2026

नगर पालिक निगम रायपुर जोन क्रमांक 04 अंतर्गत वार्ड क. 57 में स्थित निजी भवनो में रेन वॉटर हार्वेस्टिंग ड्राईंग डिजाईन एवं दर के अनुसार निर्माण हेतु पंजीकृत अशासकीय संगठन (एन.जी.ओ.) स्व-सहायता समूह, असंगठित कामगारों की पंजीकृत समितियो, बेरोजगार इंजीनियरर्स (सिविल), इच्छुक फर्म, निगम में रजिस्टर्ड जियो हाइड्रोलाजिस्ट, एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारो से रूचि की अभिव्यक्ति मैनुवल पद्धति से दिनांक 12-06-26 को शाम 5.00 बजे तक आमंत्रित किया जाता है। आवेदन के साथ राशि रु. 5000.00 एफ.डी.आर जोन आयुक्त जोन क्रमांक 04 नगर पालिक निगम रायपुर के नाम से प्रस्तुत करना होगा। रेनवॉटर हार्वेस्टिंग के प्राक्कलन तथा दरों से संबंधित विस्तृत जानकारी नगर पालिक निगम रायपुर के जोन क्रमांक 04 मोतीबाग पानी टंकी के नीचे कार्यालय में कार्यालयीन अवधि व दिवस पर प्राप्त की जा सकती है। उपरोक्त आवेदन जोन कार्यालय में ही जमा किये जायेंगे स्व-सहायता समूह / असंगठित कर्मचारी पंजीकृत समितियो को धरोहर राशि में छुट होगी।

घरों से निकलने वाले गीला और सुखा, कचरे को सफाई (मित्र) वाहन को देवें।

कार्यपालन अभियंता
जोन-04, नगर पालिक निगम रायपुर

कार्यालय नगर पालिक निगम (जोन-04), रायपुर (छ.ग.)
मोतीबाग पानी टंकी सुभाष स्टेडियम के सामने
Email ID-rmczone4@gmail.com

रेनवॉटर हार्वेस्टिंग स्थापना हेतु रूचि की अभिव्यक्ति

क्रमांक 17/नपानि / जोन क्र. 04/लो.क.वि/ 2026 रायपुर दिनांक 27/05/2026

नगर पालिक निगम रायपुर जोन क्रमांक 04 अंतर्गत वार्ड क्र. 45, 46 में स्थित निजी भवनो में रेन वॉटर हार्वेस्टिंग ड्राईंग डिजाईन एवं दर के अनुसार निर्माण हेतु पंजीकृत अशासकीय संगठन (एन.जी.ओ.) स्व-सहायता समूह, असंगठित कामगारों की पंजीकृत समितियो, बेरोजगार इंजीनियरर्स (सिविल), इच्छुक फर्म, निगम में रजिस्टर्ड जियो हाइड्रोलाजिस्ट, एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारो से रूचि की अभिव्यक्ति मैनुवल पद्धति से दिनांक 12/06/26 को शाम 5.00 बजे तक आमंत्रित किया जाता है। आवेदन के साथ राशि रू. 5000.00 एफ.डी.आर जोन आयुक्त जोन क्रमांक 04 नगर पालिक निगम रायपुर के नाम से प्रस्तुत करना होगा। रेनवॉटर हार्वेस्टिंग के प्राक्कलन तथा दरों से संबंधित विस्तृत जानकारी नगर पालिक निगम रायपुर के जोन क्रमांक 04 मोतीबाग पानी टंकी के नीचे कार्यालय में कार्यालयीन अवधि व दिवस पर प्राप्त की जा सकती है। उपरोक्त आवेदन जोन कार्यालय में ही जमा किये जायेंगे स्व-सहायता समूह / असंगठित कर्मचारी पंजीकृत समितियो को धरोहर राशि में छुट होगी।

घरों से निकलने वाले गीला और सुखा, कचरे को सफाई (मित्र) वाहन को देवें।

कार्यपालन अभियंता
जोन-04, नगर पालिक निगम रायपुर

कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी
राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, जिला कार्यक्रम प्रबंधन इकाई जिला - बीजापुर (छ.ग.)
फोन न. 7853296423
ई-मेल- nrhm2bijapur@gmail.com, dtcbijapur1@gmail.com

क्रमांक/2042781/NHM/संविदा भर्ती/2026
बीजापुर, दिनांक 27/05/2026

-/ विज्ञप्ति /-

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, जिला बीजापुर अंतर्गत रिक्त 33 संविदा पदों हेतु इच्छुक एवं पात्र उम्मीदवारों से विभागीय वेबसाईट में दिनांक 28.05.2026 से दिनांक 18.06.2026 तक कार्यालयीन समय 5.00 बजे तक लिंक https://govthealth.cg.gov.in/recbijapurcont2026 के माध्यम से केवल ऑनलाईन आवेदन आमंत्रित किया जा रहा है। स्वयं उपस्थित होकर, साधारण डाक, स्पीड पोस्ट, रजिस्टर डाक या अन्य किसी भी माध्यम से प्राप्त होने वाले आवेदनों को स्वीकार नहीं किया जावेगा। संविदा भर्ती के संबंध में विस्तृत विवरण एवं जानकारी जिले की वेबसाईट www.bijapur.gov.in एवं जिले के सूचना पटल पर देखी जा सकती है।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी,
जिला बीजापुर (छ. ग.)

S- 47968/3

पेज एक के शेष

धान की बंपर खेती, खाद का...

यहां के लाखों किसानों के माथे पर खाद संकट ने चिंता की लकीरें खींच दी है। खाड़ी में युद्ध के कारण खाद सप्लाई में सरकार ने न सिर्फ कटौती की है, बल्कि किसानों के लिए खाद की लिमिट भी तय कर दी है। इससे किसान खुले बाजार से महंगी खाद लेने को मजबूर हैं। लिहाजा खेती की लागत खाद के चलते दो हजार और डीजल और मजदूरी में बढ़ोतरी से करीब 4 हजार रुपए बढ़ सकती है। इसतरह प्रति एकड़ करीब 6 हजार रुपए बढ़ने और मुनाफा कम होने की आशंका है। धमतरी खाद संकट के चलते किसानों को लिमिट खाद दी जा रही है। किसानों ने पिछले साल जितना खाद उठाया था, उसका 60 प्रतिशत डीएपी और 80 प्रतिशत यूरिया दिया जा रहा है। कृषि विभाग के अनुसार इस साल करीब 1 लाख 44 हजार हेक्टेयर में खरीफ फसल ली जाएगी। इसमें से 1 लाख 38 हजार हेक्टेयर से सिर्फ धान की फसल का है। किसानों की मानें तो धान की फसल पूरी तरह से रासायनिक खाद पर निर्भर है। पिछले साल किसानों ने खरीफ फसल में 69 हजार टन खाद का उपयोग किया था, लेकिन इस साल खाद कम मात्रा में दी जा रही है। कृषि विभाग की माने तो जिले में वैज्ञानिकों की अनुशंसा को ध्यान में रखकर खाद का वितरण किया जा रहा है।

खाद संकट से प्रति एकड़...

इस साल खेती की लागत प्रति एकड़ करीब 6 हजार रुपए बढ़ने की आशंका है। उधर खाद कम मिलने से उत्पादन कम होने का डर बना हुआ है। इससे किसानों को लाभ बहुत कम हो जाएगा। किसान नेता लीलाराम साहू ने कहा कि प्रतिकूल परिस्थियों ने किसानों की कमर तोड़ दी है।

रकबा के मुकाबले ...

सप्लाई, मांग की तुलना में कम बताई जा रही है। किसानों की मानें तो सहकारी समितियों और निजी विक्रेताओं के यहां खाद सीमित मात्रा में मिल रही है तथा कई जगहों पर डीएपी की कमी बनी हुई है। विशेषज्ञों का कहना है कि यदि समय पर खाद उपलब्ध नहीं हुई तो इसका सीधा असर धान उत्पादन पर पड़ सकता है। पर्याप्त पोषण नहीं मिलने से फसल की वृद्धि प्रभावित होगी और प्रति एकड़ उत्पादन घट सकता है। इससे किसानों की आय पर भी असर पड़ने की आशंका है। दूसरी ओर वैकल्पिक जैविक या प्राकृतिक खाद अपनाने में किसानों की कई व्यावहारिक समस्याएं हैं। जैविक खाद की पर्याप्त उपलब्धता नहीं है और उसकी मात्रा भी अपेक्षाकृत अधिक लगती है, जिससे श्रम और परिवहन लागत बढ़ जाती है।

गरीब होने का प्रमाणपत्र...

आर्थिक सहायता- 15 कार्य दिवस। नया साहूकारी (मनी लैंडिंग) लाइसेंस- 7 कार्य दिवस साहूकारी लाइसेंस का नवीनीकरण- 07 कार्य दिवस केंद्रीय जाति प्रमाणपत्र जारी करना-7 कार्य दिवस में बनाकर दिया जाएगा।

शराब परिवहन के...

गई है। एफएल 16 (क) परिवहन अनुज्ञा पत्र 5 कार्य दिवस, सी.एस. 6 (ख) परिवहन अनुज्ञा पत्र भी 5 कार्य दिवस में मिलेगा। इन सेवाओं के लिए संबंधित जिले के प्रभारी आबकारी अधिकारी को उत्तरदायी पदाभिहित अधिकारी और सक्षम अधिकारी' नियुक्त किया गया है। यदि इन सेवाओं के प्रदान करने में निर्धारित समय-सीमा का पालन नहीं होता है या कोई समस्या आती है, तो संबंधित जिले के कलेक्टर अपीलीय प्राधिकारी के रूप में कार्य करेंगे।

5 दिन की ....

कटारा हिल्स स्थित उनके घर पर पहुंची और करीब सात घंटे तक पूछताछ की थी। यह कार्रवाई एमपी हाई कोर्ट के बुधवार को दिए गए 17 पन्नों के आदेश के एक दिन बाद हुई। गिरफ्तारी के बाद गुरुवार (28 मई) को सीबीआई टीम उनको भोपाल के मौलाना आजाद नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी कैंपस में मेडिकल जांच कराने पहुंची थी। जांच के लिए मध्य प्रदेश पुलिस से परमिशन ली गई थी।**12 मई को हुई थी ट्विशा की मौत :** ट्विशा शर्मा की 12 मई को कथित आत्महत्या से मौत हुई थी। हालांकि, हाई कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि व्हाट्सऐप चैट और ट्विशा के परिवार के बयान से यह संकेत मिलता है कि आरोप दिखावे उनके पास तक सीमित नहीं थे। कोर्ट ने यह भी कहा कि ट्विशा पर गर्भपात कराने का दबाव बनाया गया था और यह तथ्य मामले में स्वीकार किया गया है कि गर्भपात हुआ था।

राशिफल

मेष — रहन-सहन अव्यवस्थित रहेगा। खर्चों में वृद्धि होगी। आत्मविश्वास में कमी रहेगी। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। पिता का साथ मिलेगा।

वृष — परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान की यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है। मानसिक शान्ति रहेगी,परन्तु बातचीत में संयत रहें। लाभ के अवसर मिलेंगे।

मिथुन — तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे। मान-सम्मान की प्राप्ति होगी।सेहत का ध्यान रखें। धर्म-कर्म में रुचि बढ़ेगी। कार्यक्षेत्र में कुछ समस्याएं परेशान कर सकती हैं।

कर्क — आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। नौकरी में तरक्की के अवसर मिलेंगे। शासन-सत्ता का सहयोग मिलेगा। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा।

सिंह — कारोबार में लाभ के अवसर मिलेंगे। यात्रा खर्च बढ़ सकते हैं। किसी धार्मिक स्थान की यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है। रहन-सहन कष्टमय रहेगा।

कन्या — परिवार की जिम्मेदारी बढ़ सकती हैं। शैक्षिक कार्यों में सफल रहेंगे। बौद्धिक कार्यों से आय में वृद्धि हो सकती है। क्रोध के अतिरेक से बचें।

तुला — धैर्यशीलता में कमी आ सकती है। वाहन के रखरखाव पर खर्च बढ़ेंगे। स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहें। चिकित्सीय खर्च बढ़ सकते हैं।

वृश्चिक — भाग-दौड़ अधिक रहेगी। कार्यक्षेत्र में परिश्रम अधिक रहेगा। बातचीत में सन्तुलन बनाये रखने का प्रयास करें। वस्त्र उपहार में प्राप्त हो सकते हैं।

धनु — कार्यक्षेत्र में तरक्की के योग हैं। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। शैक्षिक या बौद्धिक कार्यों में सम्मान की प्राप्ति हो सकती है।

मकर — व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी। सन्तान की ओर से सुखद समाचार मिल सकता है।

कुंभ — तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। आय में वृद्धि होगी। पठन-पाठन में रुचि रहेगी। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों से आय में वृद्धि के स्रोत विकसित होंगे।

मीन — दाम्पत्य सुख में वृद्धि होगी। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। कारोबार में वृद्धि होगी। परिश्रम अधिक रहेगा। लाभ के अवसर बढ़ेंगे। वाणी में मधुरता रहेगी।

शब्द पहेली - 6241

बाएँ से दाए
1. अपनापन का विलोम-5
4. हठ करना, रोना, लालसा करना-4
7. गीत (अंग्रेजी-2)
8. गलीचा, कारपेट-3
9. किनारा, छोर-2
10. झगड़ा, कहासुनी-4
11. समय, वक्त-2
13. बेबस-3
14. राष्ट्र, स्वदेश-2
15. पुत्र, लड़का-3
17. प्राप्त करना-2
19. सेंधमार-5
22. चरित्र, व्यवहार-2,3
25. जीव, दूत, जासूस-2
26. आत्मबलि देना-3
28. ताकत, जोश, बल-2
29. कराह, टीस, लालसा-3
30. वहम, संदेह-2
32. आह भरना-4
34. दूर्वा, घास-2
36. चोंगा, गाऊन-3
37. सफर, जात्रा-2
38. दयालु, कृपालु-4
39. निर्माण करने वाला-5

ऊपर से नीचे
1. पांव, पैर-2
2. भिखारी, मंगता-3
3. अस्वीकृत करना-3,2
4. माला का मोती-3
5. बुरी आदत-2
6. नाटक से परिपूण-4
7. हल्का काला, श्याम-5
10. व्यवस्थित-4
12. बुरी आदत-2
16. अनुकृति-3
17. तांबूल, पत्ता-2
18. रुखसार, कपोल-2
20. डोली अथवा पालकी उठाने वाले -3
21. जोड़, योग-2
22. चतुर्थ-2
23. आनंद ध्वनि करना-4
24. महात्मा गांधी की दांडी यात्रा-5
25. चमकीला-5
26. नीच, नराधम -4
27. विनाश, नेस्तनाबूत-2
31. रंग (अंग्रेजी-3)
33. पराजित करना-3
35. गौरैया, एक चिड़िया-2
37. दोस्त, मित्र, सखा-2

शब्द पहेली- 6240 का हल

■	व	र	दा	न	■	अ	प	मा	न	■
स	■	■	य	■	म	■	ह	■	■	ह
र	■	श	रा	र	त	क	र	ना	■	व
क	ल	ह	■	■	वा	■	■	का	न	न
ना	■	र	■	अ	ला	व	■	रा	ख	■
■	दा	■	का	म	■	च	प्यू	■	रा	■
■	व	जु	■	न	म	न	■	पा	■	मु
क	त	रा	■	■	हा	■	■	ल	ल	क
ल	■	ब	लि	दा	न	क	र	ना	■	र
म	■	■	ख	■	ता	■	ई	■	■	ना
■	ना	ना	ना	नी	■	फि	स	ल	ना	■

सूडोकु नवताल - 6251

★★★★☆ कठिन

					1	4		
						5	8	
			7	2				
			2				6	7
4								3
5	8				9			
				8	5			
	7	6						
		9	3					

MANGAL SENACHA, BANGALORE

सूडोकु नवताल - 6250 का हल

7	8	9	2	3	1	6	5	4
3	2	4	6	5	9	7	8	1
6	5	1	8	4	7	2	9	3
5	1	7	3	9	8	4	6	2
4	6	8	5	1	2	9	3	7
9	3	2	4	7	6	8	1	5
1	4	6	9	2	3	5	7	8
2	9	3	7	8	5	1	4	6
8	7	5	1	6	4	3	2	9

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

- सरकार का सुपरमार्केट स्टाइल चॉइस लागू करने की दिशा में काम जारी
- रिपोर्ट के अनुसार सरकार नया नियम जल्द लाने जा रही

ग्राहक अब पेट्रोल पंप पर खुद चुन सकेंगे गाड़ी के हिसाब से इथेनॉल ब्लेंड

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

देश भर के वाहन चालकों के लिए एक बड़ी खबर सामने आ रही है। दरअसल, सरकार 'सुपरमार्केट-स्टाइल चॉइस' लागू करने की दिशा में काम कर रही है।

इसके चलते फ्यूल स्टेशनों में गाड़ी चलाने वालों को अलग-अलग इथेनॉल ब्लेंड वाले पेट्रोल का विकल्प दे सकते हैं, जिससे ग्राहक अपनी गाड़ी की कम्पैटिबिलिटी के आधार पर फ्यूल चुन सकेंगे। सरकार ने तेल कंपनियों को

ई20, ई22, ई25 और ई30 ईंधन वेरिएंट के लिए डिस्पेंसिंग इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार करने की सलाह दी है। यह कदम ब्यूरो ऑफ़ इंडियन स्टैंडर्ड्स द्वारा नए इथेनॉल मिश्रणों के लिए नियम लागू करने और अप्रैल में सरकार के पूरी तरह से इथेनॉल से चलने वाले वाहनों को अनुमति देने के प्रस्ताव के बाद उठाया गया है।

सरकार का मकसद : पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय इस नियम को लागू करने की दिशा में तेजी से काम कर रही है। भारत ने पहले ही 20 प्रतिशत इथेनॉल ब्लेंडिंग (ई20) का लक्ष्य हासिल कर लिया है और अब इस नई नीति के जरिए सरकार का लक्ष्य अगले 1-2 साल में (2027-2028 तक) इथेनॉल मिश्रण को बढ़ाकर 25 प्रतिशत (ई25) और 30 प्रतिशत (ई30) तक ले जाना है। इससे कच्चे तेल की आयात पर भारत की निर्भरता काफी हद तक कम होगी।

सरकार की अरबों डॉलर की बचत होगी

पेट्रोल पंपों पर जितना अधिक इथेनॉल का ऑप्शन मिलेगा, उतनी तेजी से तेल का आयात घटता जाएगा। इससे सरकार की अरबों डॉलर की बचत होगी। इसका एक दूसरा फायदा यह है कि चूंकि इथेनॉल मुख्य रूप से गन्ने के रस, मक्के और खराब अनाज से बनाया जाता है इसलिए जब पेट्रोल पंपों पर इसकी मांग बढ़ेगी, सरकार को भारी मात्रा में इथेनॉल खरीदना होगा। इसका सीधा फायदा देश के किसानों और चीनी मिलों को होगा। इन्हें इनकी फसलों का सही दाम मिलेगा।

इंडिगो को चौथी तिमाही में 2,536.9 करोड़ का घाटा

नई दिल्ली। देश की सबसे बड़ी विमानन कंपनी इंडिगो को वित्त वर्ष 2025-26 की जनवरी-मार्च तिमाही में चुनौतीपूर्ण परिचालन परिस्थितियों, रुपये की विनिमय दर में तेज गिरावट और अन्य कारणों से 2,536.9 करोड़ रुपये का शुद्ध घाटा हुआ। इंडिगो को वित्त वर्ष 2024-25 की समान तिमाही में 3,067.5 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था। कंपनी के शुक्रवार को जारी बयान के अनुसार, 2025-26 की चौथी तिमाही में उसकी कुल आय तीन प्रतिशत से अधिक बढ़कर 23,830.7 करोड़ रुपये हो गई, जो 2024-25 की समान तिमाही में 23,097.5 करोड़ रुपये थी।

कार्यालय नगरपालिका परिषद् शिवपुर-चरचा, जिला-कोरिया (छ.ग.)

क्र./403/लो.नि.वि./टेण्डर/न.पा.प./ शिवपुर-चरचा, दिनाँक 29/05/2026

ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना

Main portal : https://eproc.cgstate.gov.in/ Sub portal : https://uad.cg.gov.in/

इस कार्यालय द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ई-निविदा आमंत्रित की गई है, जिसका विस्तृत विवरण वेबसाईट https://eproc.cgstate.gov.in/ पर देखा जा सकता है।

S. No.	Description of work	System Tender No.	Probable Amount of Contract PAC)	Tender Processing Fees	Bid Due Date
1	04 Nos Building/ Shed Construction Work at Ward 05,09,10 and 11 (Group 02) (2nd Call)	191829	30.94 Lakhs	Rs.1500.00 DD in favor of CMO NPP Shivpur Churcha	15-06-2026, Time 17:30
2	Construction of Storm Water Drain from SECL water treatment Plant to Sonu house at Ward No.09 (2nd Call)	191830	29.37 Lakhs		

उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, दस्तावेज एवं अन्य जानकारी https:// eproc.cgstate.gov.in/ पर देखी जा सकती है।

मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगरपालिका परिषद् शिवपुर-चरचा जिला-कोरिया (छ.ग.)

साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड

"मिनी रत्न कम्पनी"
(कोल इण्डिया लिमिटेड का उपक्रम)

एसईसीएल/एजीएम (हसदेव)/भू.रा./25-26/10 दिनांक 22.04.2026

सूचना

इस प्रकाशन के माध्यम से यह सूचित किया जाता है कि एसईसीएल हसदेव क्षेत्रान्तर्गत शीतलधारा कुरजा यूजी माईन कालरी के डिपलरिंग हेतु ग्राम-परसापानी, के निम्नलिखित भू-विस्थापितों एवं उनके द्वारा नामित, आश्रित उम्मीदवार को एसईसीएल में रोजगार प्रदान करने हेतु एसईसीएल मुख्यालय बिलासपुर से स्वीकृति प्राप्त किये जाने बावत् औपचारिकताएं यथाशीघ्र प्रारम्भ की जायेगी।

Sl No.	Name as per Land Owner on date of sanction 9 (i)	Name as per P-II &B-I Statement 1-A [Land owner on date of compensation assessment]	Name of PAP proposed for employment		Document	Name
1.	दलबीर सिंह पिता राम सुन्दर जाति-गोड़ ग्राम-परसापानी खसरा नं.- 1/1/5, 1/3/1, 7/1, 46/1 रकबा- 1.162 हे. (2.87 एकड़)	हिरमतिया बाई बेवा दलवीर सिंह, गुलाब सिंह, बलराम, अनीता उर्फ गुजरतिया, फुलवरिया पिता दलवीर सिंह	शिव प्रसाद पिता गुलाब सिंह	1	वंशवृक्ष	शिवप्रसाद पिता गुलाब सिंह
				2	निवास प्रमाण पत्र	शिव प्रसाद पिता गुलाब सिंह
				3	राशन/समग्रकार्ड	शिव प्रसाद पिता गुलाब गोड़
				4	मतदाता परिचयपत्र	शिव प्रसाद पिता गुलाब सिंह
				5	आधार कार्ड	शिव प्रसाद पिता गुलाब सिंह
				6	शिक्षा प्रमाण पत्र	शिव प्रसाद पिता गुलाब सिंह 8th
				7	रोजगार पंजीयन	SHIV PRASAD
				8	पेन कार्ड	SHIV PRASAD S/o GULAB SHING
				9	जाति प्रमाण पत्र	शिव प्रसाद पिता गुलाब सिंह

उपरोक्त तालिका में दर्शाये गये भू-स्वामी एवं आश्रित रोजगार बावत् प्रस्तावित सदस्य के संबंध में किसी भी संबंधित व्यक्ति को इस पर आपत्ति हो, तो अपना पूरा नाम हस्ताक्षर, पता एवं मूल दस्तावेजो/प्रमाणों के साथ इसकी लिखित शिकायत अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में इस सूचना के प्राकाशन के 7 दिवस के अंदर व्यक्तिगत रुप से उपस्थित होकर प्रस्तुत करें। समयावधि के पश्चात् या दस्तावेजी प्रमाण नहीं होने की स्थिति में दावा-आपत्ति मान्य नही होगा।

SECL/26-27/43

क्षेत्रीय महाप्रबंधक, एसईसीएल, हसदेव क्षेत्र

बिजनेस साइट

अर्हम टेक्नोलॉजीज ने विक्की कौशल को बनाया ब्रांड एम्बेसडर

रायपुर। देश की अग्रणी कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स निर्माता कंपनी अर्हम टेक्नोलॉजीज लिमिटेड ने बॉलीवुड अभिनेता विक्की कौशल को अपना नया ब्रांड एम्बेसडर नियुक्त किया है। कंपनी का मानना है कि विक्की कौशल की लोकप्रियता, विश्वसनीय छवि और पैन-इंडिया पहचान से ब्रांड को राष्ट्रीय स्तर पर नई मजबूती मिलेगी। कंपनी द्वारा मुंबई के महबूब स्टूडियो में विशेष ब्रांड शूट आयोजित किया जाएगा, जिसमें विक्की कौशल विभिन्न प्रचार अभियानों में कंपनी का प्रतिनिधित्व करते नजर आएंगे। इस साझेदारी के जरिए अर्हम टेक्नोलॉजीज अपने उत्पादों और सेवाओं को देशभर के उपभोक्ताओं तक अधिक प्रभावी तरीके से पहुंचाने की रणनीति पर काम कर रही है।

कंपनी के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर एवं चीफ फाइनेंशियल ऑफिसर अंकित जैन ने कहा कि विक्की कौशल की जनप्रिय और भरोसेमंद छवि कंपनी की सोच से मेल खाती है।

आईटीएम यूनिवर्सिटी रायपुर का टैलेंट गैप भरने कोर्स शुरू

रायपुर। आईटीएम यूनिवर्सिटी रायपुर ने अपने 'बैंकिंग और फाइनेंशियल सर्विसेज़' में बीबीए प्रोग्राम को लांच करने की घोषणा की है।

यह लांच ऐसे समय में हुआ है, जब भारत का बैंकिंग और फाइनेंशियल सर्विसेज़ सेक्टर टियर 2, टियर 3 और उभरते बाज़ारों में ज़बरदस्त ग्रोथ देख रहा है। बीएफएसआई इंडस्ट्री के साथ सालों के सीधे जुड़ाव के ज़रिए, आईटीएम ने ट्रेंड प्रोफेशनल्स की बढ़ती मांग को पहचाना है। इस प्रोग्राम का मकसद सेमी-अर्बन और उभरते बैंकिंग बाज़ारों में कुशल और नौकरी के लिए तैयार टैलेंट की बढ़ती कमी को दूर करना है। आईटीएम यूनिवर्सिटी रायपुर की प्रो वाइस चांसलर, डॉ. लक्ष्मी मूर्ति ने कहा भारत का बैंकिंग और वित्तीय सेवा क्षेत्र तेज़ी से विकसित हो रहा है। इस कार्यक्रम के माध्यम से, हम अपने छात्रों को बीएफएसआई उद्योग में सफल करियर बनाने के लिए व्यावहारिक ज्ञान और आत्मविश्वास से लैस करेंगे।

तेजी से विकसित सड्डू की वीआईपी सिटी में 'वीआईपी फैमिलिया' की शुरूआत

रायपुर। राजधानी रायपुर के तेजी से विकसित हो रहे सड्डू क्षेत्र में अब लोगों को आधुनिक सुविधाओं से युक्त आवास और व्यापारिक अवसर एक ही परिसर में मिलने जा रहे हैं। छत्तीसगढ़ की प्रतिष्ठित रियल एस्टेट कंपनी आरसीपी इंफ्राटेक प्राइवेट लिमिटेड ने अपनी 300 एकड़ में

विकसित 'वीआईपी सिटी' के अंतर्गत नए प्रोजेक्ट 'वीआईपी फैमिलिया' की शुरुआत की है। कंपनी पिछले 35 वर्षों से रियल एस्टेट क्षेत्र में सक्रिय है और कई सफल प्रोजेक्ट्स पूरे कर चुकी है। यह प्रोजेक्ट परिवारों की जरूरतों को ध्यान में रखकर डिजाइन किया गया है। प्रोजेक्ट में कुल 94 फ्लैट्स और 4 प्रीमियम पेंटहाउस बनाए जा रहे हैं। इसमें 1 बीएचके, 2 बीएचके और 3 बीएचके फ्लैट्स के विकल्प उपलब्ध हैं। खासतौर पर 2 बीएचके और 3 बीएचके यूनिट्स को बड़े और खुले स्पेस के साथ तैयार किया जा रहा है, ताकि निवासियों को बेहतर और आरामदायक जीवनशैली मिल सके। इसके अलावा, व्यापारिक जरूरतों को ध्यान में रखते हुए 22 कमर्शियल दुकानों की भी व्यवस्था की गई है।प्रोजेक्ट में क्लब हाउस, लैंडस्केप गार्डन, स्पोर्ट्स एरिया, बच्चों के लिए प्लेग्राउंड, स्विमिंग पूल, लॉन एरिया और सुरक्षित कैंपस जैसी प्रीमियम सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। साथ ही विशाल एंट्रेंस लॉबी, पार्सल रूम और चार लिफ्ट की सुविधा भी दी गई है। वीआईपी सिटी में पहले से 300 से अधिक परिवार निवास कर रहे हैं और पूरे परिसर में 24 घंटे सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की गई है।

किफायती दरों पर बेहतर सुविधाएं

कंपनी के सीएमडी राकेश पांडे ने बताया कि वीआईपी फैमिलिया को आधुनिक परिवारों की जरूरतों के अनुरूप विकसित किया गया है। रायपुर शहर में किफायती दरों पर बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना हमारा उद्देश्य है। लॉन्चिंग ऑफर के तहत शुरुआती पांच ग्राहकों को 2699 रुपए प्रति वर्गफुट की विशेष दर पर प्रॉपर्टीज उपलब्ध कराए जाएंगे। साथ ही न्यूनतम मेंटेनेंस कॉस्ट रखी गई है, ताकि निवासियों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ न पड़े।

सोना 1,600 रुपए मजबूत चांदी 5,000 रुपए रही तेज

गुवाहटी। राष्ट्रीय राजधानी के सराफा बाजार में शुक्रवार को सोने की कीमत 1,600 रुपये बढ़कर 1.62 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई। यह तेजी, मजबूत वैश्विक रुख, अमेरिका-ईरान के बीच शुरुआती समझौते की संभावना है। 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत 1,600 रुपये बढ़कर 1,62,900 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी करों सहित) हो गई।

JHAIGO झाईगो 5+1 Cream
चेहरे को दागों से मुक्त कर सुंदरता बढ़ाये...
तो फिर क्या.. बस इस बार झाईगो क्रीम उपयोग कर देखें।
क्या आपके... चेहरे पर झाईयां है? आंखो पर काले घेरे हैं?
चेहरे पर मुहाँसे के काले निशान हैं? या जले या चोट के निशान हैं?

वैदेही तुलसी कफ सीरप
नई एवं पुरानी खांसी, एलर्जी खांसी, श्वास, निमोनिया, कुकुरखांसी, टान्सिल, ब्रानकाटिस, सर्दी आदि में तेज असर कारक
2 वर्ष से बड़े बच्चों के लिए हानिरहित कफ सिरप
HMS देखकर खरीदें एक बार उपयोग कर देखें 94060-21769

epaper : www.haribhoomi.com
हरिभूमि CLASSIFIED
Email : response.haribhoomi@gmail.com
आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact for advertisment booking :
Raipur- 6263818152
79871-19756

एजूकेशन स्पेशल

प्रवेश प्रारंभ
श्री बालाजी इंस्टीट्यूट
ऑफ नर्सिंग, पैरामेडिकल एवं फार्मेसी

Nursing Course	Duration
B.Sc. Nursing	4 Years
P.B.B.Sc. Nsg	2 Years
M.Sc.	2 Years
Paramedical Course	**Duration**
Lab tech, OT tech, X-Ray tech, Ortho tech	1 Year
Pharmacy Course	**Duration**
D Pharmacy	2 Years
B Pharmacy	4 Years

Eligibility- B.Sc. Nursing-Biology (PBCE), P.B.B.Sc. Nursing-GNM Pass
M.Sc. Nursing-BSc., P.B.B.Sc. Pass,
Paramedical Course - 12th pass (Bio)
Pharmacy - 12th pass , Maths, Bio

HOSTEL FACILITY AVAILABLE FOR GIRLS & BOYS
क्लीनिकल सुविधा
श्री बालाजी हॉस्पिटल
1500 बिस्तरों का एडवांस्ड सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल एवं 250 सीटों का मेडिकल कॉलेज
नर्सिंग प्रवेश हेतु : 7694016816, 6266631615, 7999665899
पैरामेडिकल एंड फार्मेसी प्रवेश हेतु 9201622400, 9201641200, 9201631200

Appointment आवश्यकता

सुरक्षागार्ड

आवश्यकता है- Hari group हेतु सिक्योरिटी गार्ड - 40, सुपरवाइजर - 05, फील्ड आफिसर (अनुभव 05 वर्ष) - 03, लेडीज गार्ड - 10, हाउसकीपीग बाई - 10, गनमेंन 05, वेतनमान - 13000 से 20000/- **स्थान - कृष्णा प्लाजा अश्वनी नगर सुन्दरनगर रायपुर मो.** - 9171511755, 9039437556. (RO-196)

आवश्यकता है- सुरक्षा गार्ड ड्यूटी में अनपढ़ व पढ़े लिखे व्यक्तियों की लोहे का सामान इत्यादि की सुरक्षा हेतु वेतनः- 12000/- तुरंत ड्यूटी सिलतरा रायपुर में **सम्पर्क करें:-** 9068888210, 9927351153.(RO-025)

ऑफिस कार्य

आवश्यकता है- ऑफिस कार्य हेतु फीमेल की आवश्यकता है। मिलने का समय 11 से 5 बजे तक, वेतन योग्यतानुसार **संपर्क:-** ढिल्लन कॉम्प्लेक्स शॉप नं.-210 आकाशगंगा सुपेला भिलाई मो.- 7746000090 (फोन करके आयें) (आरो न.-4153)

चिकित्साकर्मी

आवश्यकता है- हॉस्पिटल में कार्य करने हेतु प्रशिक्षित व अनुभवी नर्सिंग स्टाफ बी.एस.सी जी. एन. एम. एवं PRO, वार्ड बॉय, वार्ड गर्ल एवं ओ.पी.डी स्टाफ की आवश्यकता है। **संपर्क करें श्री कृष्ण हॉस्पिटल मेन रोड न्यू राजेंद्र नगर रायपुर छत्तीसगढ़** - 9691631006, 9617952445, 9926115911.(RO-192)

टीचर

आवश्यकता है- महारानी लक्ष्मीबाई हायर सैकेण्डरी स्कूल में सभी विषयों के लिए शिक्षकों की आवश्यकता है। योग्यता-स्नातक स्नातकोत्तर डीएड,बीएड अनिवार्य समय 8से 11:30 तक **संपर्क:- रामनगर भिलाई मो.-** 62614-43664, 81096-53738. (आरो न - 282)

Wanted- Shivom Vidyapeeth School, Affiliated with CBSE, Raipur requires PGT: English, Maths, Accountancy, Psychology, Biology, Chemistry. TGT: English, Maths, Science, Sanskrit, S.St. PRT: All Subjects. PPRT: All Subjects. Specified Requirements Career Counsellor, Special Educator, Nurse, Admission Counsellor. Eligibility- Relevant Degree, B.Ed./ CTET (Teachers), Fluent English, 2+ Years Experience. hr@shivom.org, 9109126500.(RO-421)

Requirement- Maths Commerce, Science english teacher contact Vardhman The School Nahar Road Krishna Nagar Santoshi Nagar Raipur. 9109329528.(RO-12)

ड्रायवर/हेल्पर

आवश्यकता है- डाबर की एजेंसी के गोडाउन मे कार्य करने हेतु लडको की एवं टाटा एस के लिए ड्राइवर एवं हेल्पर की आवश्यकता है। **सम्पर्क करें किसन मार्केटिंग, महेश कालोनी, श्रीनगर रोड गुढियारी, रायपुर मो** 9827168307. (RO-101)

आवश्यकता है- नरेंद्र ट्रेडर्स राजीव नगर, गयानगर वार्ड नंबर-4 दुर्ग में ट्रैक्टर के लिए लाइसेंस धारी ड्राईवर -1 पद और लेवर -4 पद की आवश्यकता है **संपर्क:-** 7999171546, 9303141668. (आरो नं.- 10477)

दुकान कार्य

आवश्यकता है- थोक दवाई दुकान मै लड़को (फ्रेशर/अनुभवी) की जरूरत है वेतन योग्यता अनुसारः **आशीष शुभम्‌ मेडिकोज 41 छत्तीसगढ़ दवा बाज़ार राजबंधा मैदान रायपुर** 81039 81038. (RO-101)

आवश्यकता है- कार एसेसरीज की दुकान मे काम करने के लिए जरुरतमंद लड़कों एवं लड़कियों की आवश्यकता है वेतनः 7000 से 10000/- **संपर्क भाव्या ट्रेडर्स, नवभारत प्रेस के सामने, रायपुर मोब.** 88189 33330, 88719972005.(RO-om)

सेल्स/सुपरवाइजर

JOB VACANCY- Mamta solar 1. योग्य एवं अनुभवी उम्मीदवारों से निम्नलिखित पदों के लिए आवेदन आमंत्रित करता है: **1.अनुभवी सेल्स पर्सन** आवश्यकताएं: सेल्स में न्यूनतम 2-3 वर्ष का अनुभव, अच्छी कम्युनिकेशन एवं ग्राहक संभालने की क्षमता, ब्रिकी लक्ष्य प्राप्त करने की क्षमता, **2. अनुभवी गोदाम सुपरवाइजर** आवश्यकताएं: वेयरहाउस/ गोदाम सुपरविजन में 1-2 वर्ष का अनुभव, स्टॉक प्रबंधन का रिकॉर्ड रखने का ज्ञान, कर्मचारियों एवं दैनिक कार्यों को संभालने की क्षमता इच्छुक उम्मीदवार तुरंत आवेदन कर सकते हैं। कंपनी का नाम - ममता सोलर **संपर्कः** 9993112784 **पताः** G-2 Orange Hive, Mowa, Raipur, (C.G.) Pin- 492001(RO-199)

होटलकर्मी

आवश्यकता है- नये चालु हो रहे फैमिली बार एण्ड रेस्टोरेंट नेहरूनगर भिलाई लेडिस, जेंस वेटर, तंदूर कुक, चाइनीज कुक, बार हेल्फर, गार्ड, हाऊसकीपिंग, किचन सुपरवाईजर, काउंटर, केवल अनुभवी वेतन योग्यतानुसार (समय 12से 5बजे) - 7772088880, 8962501101. (आरो न - 281)

ड्रायवर/इलेक्ट्रीशियन

आवश्यकता है- Advertising Agency हेतु कर्मचारियों की आवश्यकता हैं, वाहन चालक (टाटा एस)। Hoardings/ Unipole की लाईट कार्य करने हेतु इलेक्ट्रीशियन। Hoardings/ Unipole स्थापित करने हेतु Field Manager खुशबू एंटरटेनमेंट **सम्पर्क-** 7024449349 (Ro-40980)

कैफे कार्य

आवश्यकता है- ईमानदार व परिश्रमी मेल /फिमेल जो न्यू ओपन कैफे में कार्य कर सके ट्रेन्ड व फ्रेशर /कम पढ़े लिखे भी संपर्क कर सकते है वर्क लोकेशनः **बर्गर डैडी,** East 12 **खम्हारडीह फोनः** 9399463415, 8817116964.(RO-029)

ऑफिस कार्य

आवश्यकता है- ऑफिस कार्य हेतु अविवाहित युवकों की जो बाहर (देवास इंदौर रीवा प्रयागराज) मे रह कर काम कर सके सैलरी 12000 + कमीशन + बोनस के साथ महीना 25000/ कमाए रहना खाना फ्री लिमिटेड सीट **संपर्क** - 6268044316, 9201024747. (Ro-360)

सेल्स स्टाफ/इंचार्ज

आवश्यकता है- SPDM SUPER MART को इलेक्ट्रिकल डिपार्टमेंट के लिए सेल्स स्टाफ 4, स्टॉक इंचार्ज 3, सुपरवाइजर 2, CTO 2, अतिशीघ्र आवश्यकता है l योग्यताः- ग्रेजुएशन, इलेक्ट्रिकल ITI, **पताः-** SPDM SUPER **मार्ट सेक्टर 8-A कमलविहार रायपुर** 9301408581, 7489158198.(RO-027)

शोरूम वर्क

आवश्यकता है- टाइल्स एवं सेनेटरी के शोरूम में कार्य करने हेतु युवको की आवश्यक है। **संपर्क - मनन इंटरप्राइजेज,विधानसभा रोड,मोवा ,थाने के सामने,रायपुर । मोबाइल :** 9827109679.(RO-A)

नोट - विज्ञापन प्रकाशन के पहले दिन ही करेक्शन मान्य होगा।

आवश्यकता

आवश्यकता है- स्टाफ की आवश्यकता तेल मिल में काम के लिए लेडीज स्टाफ चाहिए **पताः महादेव घाट रोड, अग्रोहा कॉलोनी संपर्क करें:** 9977067874, 9826323421. **इच्छुक महिलाएं तुरंत कॉल करें** (RO-398)

Home Buildup भवन निर्माण

कंस्ट्रक्शन कार्य- निर्माण करवाने हेतु- प्राइवेट फैक्ट्री- प्लाटिंग, गोदाम, स्कूल, कॉलेज में डब्लू. एम. एम. रोड एवं कंक्रीट रोड निर्माण करवाने हेतु संपर्क करे, **अजय अग्रवाल मोबाइलः-** 8965051000.(RO-028)

Property प्रापर्टी

मकान

मकान बेचना है- बिलासपुर मंगला हाउसिंग बोर्ड में गार्डन फेसिंग 2BHK मकान कीमत 25 लाख रुपए में अति शीघ्र बेचना है खरीददार **सम्पर्क करें-** 7898855268 **(कृपया ब्रोकर सम्पर्क ना करें)** (RO-40894)

For Rent किराया

किराये पर उपलब्ध- बिलासपुर, व्यापार विहार में गुम्बर पैट्रोल पम्प के पीछे VR NEXUS बिल्डिंग में फर्स्ट फ्लोर 2560 वर्गफुट, सेकेण्ड फ्लोर 1910 वर्गफुट, किराये पर उपलब्ध। (पार्किंग सुविधा) **सम्पर्क करें-** 9589740766, 9425530355. (RO-40953)

Finance फायनेंस

फाइनेंस - विजया फाइनेंस द्वारा सभी प्रकार लोन उपलब्ध बिजनेस , पर्सनल, कृषि महिला समूह , मकान , दुकान, लघु उद्योग, पर्सनल लोन, आधारकार्ड , पैन कार्ड प्रति उपलब्ध (2% ब्याज), (30% छूट) **संपर्कः-** 9981421206 , 9437550462(RO-4345)

आवश्यक सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेंवे व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतारने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

विज्ञापन बुकिंग टाइम
सुबह 10:30 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक

विज्ञापन प्रकाशन हेतु संपर्क करें
62638-18152

CLASSIFIED RATE CARD

हरिभूमि समाचार ही नहीं, विचार भी — 01 अप्रैल 2025 से लागू

EDITION	Appointment	Service/Business	Property Rent & Sale	Display
Raipur City	500	620	550	175/- Sq cm
Bhilai + Durg Edition	440	560	520	150/- Sq cm
Bilaspur City	440	500	520	140/- Sq cm
Raipur All Edition	720	820	800	240/- Sq cm
Bilaspur All Edition	610	780	690	195/- Sq cm
All CG	1000	1150	1120	310/- Sq cm
All CG + MP	1280	1750	1600	330/- Sq cm
All Edition	1700	2100	2000	380/- Sq cm

SCHEME
1. Pick of the day 15 % extra.
2. Rs. 70/- per day extra charge for bold advt.
3. Box Prise per day Rs. 80/-
4. 20% per day extra charge for colour advt.
5. After 30 words Rs. 10/- per day per extra word charge.
6. For E-mail id Rs. 50/- Extra per day.
7. Business & Services- ASTROLOGY, SMS & Others.
8. NO SCHEME FOR TOWER & FINANCE AD
9. SINGLE DAY BOOKING 100Rs. EXTRA.

COLOUR 20% Extra Charge For Disply — 5% GST For All Ad

EDUCATION SPECIAL

EDITION	RATE	
Raipur City	3000	2+1
Bhilai + Durg Edition	2800	5+3
Raipur Edition	4400	10+10
Bilaspur City	2500	15+18
Bilaspur Edition	3800	
All CG	5500	

MATRIMONIAL CG+MP

(Runing Matter)	(Size 5x1 Box)
500 /- 1 Sunday	800 /- 1 Sunday
900 /- 2 Sunday	1200 /- 2 Sunday
1200/- 3 Sunday	1500/- 3 Sunday

HEALTH CARE 10X1

Raipur City	55000	85000	1,10,000
Bilai + Durg Edition	50000	80000	1,00000
Bilaspur City	40000	70000	1,00000
Raipur All Edition	70000	1,20,000	1,60,000
Bilaspur All Edition	55000	1,00000	1,20,000
All CG	1,10,000	1,80,000	2,30,000

CONTACT:- HARI BHOOMI PRESS
Dhamtari Road, Tikarapara, Raipur Ph.: 0771-4242242, Mob.: 09098138778 E-mail- response.haribhoomi@gmail.com | Ring Road-2, Gourav Path Marg, Bilaspur. Mob.: 9826782100 E-mail- hbclassified375@gmail.com

Healthcare

सोरायसिस एवं चमड़ी रोग
प्रायः सदियों से लोग जानते हैं कि जब कोई रोग किसी भी उपाय से ठीक नहीं होता वो केवल आयुर्वेद के द्वारा ही जड़मूल से ठीक होता है लेकिन कुछ लोगों के मति मारे जाने के कारण अपने को संकट में डाल लेते हैं।
इसे नजर अंदाज कर क्षणिक इलाज से रोग को दबा कर अपने जीवन को संकट में मत डालिए क्योंकि यह जिद्दी व लाईलाज बीमारी है यह दवा से दबकर बार-बार फिर उभरता है। क्योंकि इसका जड़ चमड़ी में नहीं कहीं और है। क्या आपको किसी भी प्रकार का लाईलाज चमड़ी रोग है सोरायसिस सिर एवं शरीर से तांबे रंग के छिलके, खुजली, रुसी, जोड़ों में दर्द, सुजन अंगुलियों का टेढ़ा होना नाखुनों का सड़ना पुराना एक्जिमा रोग है। क्या आप किसी प्रकार के यौन समस्या यौन कमजोरी व यौन रोग से परेशान है जैसे : शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, पेशाब से धातु जाना, उत्तेजना की कमी, मधुमेह जन्य नपुंसकता इत्यादि। ये गुप्त रोगों के नीम हकीमों से बचकर रहे तो इनकी झुठी बातें एवं निराशा से बच सकते हैं।
सुविख्यात चिकित्सक
डॉ. एच. सी. अग्रवाल (एम.डी.)
डॉ. वी.के. अग्रवाल बी.ए.एम.एस. (यौन समस्या)
निशांत अग्रवाल (फार्मा सांईटिस्ट)
रेल्वे स्टेशन रोड, स्वरूप टॉकीज के सामने बजाज गोल्ड फाइनेंस के पीछे, दुर्ग
94255-55659,93039-48500
96177-89223,93032-42200
गुरूवार अवकाश, मिलने का समय : शाम 4 से 8

हरिभूमि क्लासीफाईड

बेहतरीन फार्म में स्वियातेक और मार्ता, चौथे दौर में पहुंचीं

फ्रेंच ओपन : इगा ने हमवतन मैग्डा लिनेट को 6-4, 6-4 से दी शिकस्त

एजेंसी ▶▶| पेरिस

चार बार की चैंपियन इगा स्वियातेक और यूक्रेन की मार्ता कोस्त्युक ने शुक्रवार को फ्रेंच ओपन के चौथे दौर में जगह बनाई। पांच ग्रैंडस्लैम विजेता स्वियातेक ने हमवतन पोलिश खिलाड़ी मैग्डा लिनेट को 6-4, 6-4 से शिकस्त दी जबकि मार्ता ने विक्टोरिया गोलुबिच को 6-4, 6-3 से हराकर दूसरी बार चौथे दौर में प्रवेश किया। मार्ता का सामना अब अगले दौर में स्वियातेक से होगा।

वांग शियू की चौथे दौर में एंट्री

चौथे दौर में पहुंचने वाली एक और खिलाड़ी चीन की वांग शियू हैं, जिन्होंने यूक्रेन की यूलिया स्टारोडुब्त्सेवा को 6-3, 7-5 से हराया। चीन की इस क्वालीफायर ने अब तक अपने अभियान में एक भी सेट नहीं गंवाया है। पुरुष वर्ग में शीर्ष रैंकिंग खिलाड़ी यानिक सिनर के बाहर होने के एक दिन बाद तीन बार के चैंपियन नोवाक जोकोविच का सामना ब्राजील के युवा खिलाड़ी जोआओ फोंसेका से होगा।

क्ले कोर्ट पर मार्ता की लगातार 15वीं जीत

15वीं रैंकिंग पर काबिज मार्ता इस समय बेहतरीन फॉर्म में है और उन्होंने क्ले कोर्ट पर अपनी जीत का सिलसिला लगातार 15 मैचों तक पहुंचा दिया है। रोलां गैरों से पहले उन्होंने मैड्रिड में अपने करियर का सबसे बड़ा खिताब जीता था। इससे पहले उन्होंने फ्रांस के रुएन में भी क्ले कोर्ट पर एक और खिताब अपने नाम किया था। वह 2021 में भी पेरिस में चौथे दौर तक पहुंची थीं, जहां उन्हें स्वियातेक के हाथों हार का सामना करना पड़ा था।

गिल का धमाकेदार शतक, सूर्यवंशी के 96 रन काम न आए

गुजरात टाइटंस ने राजस्थान रॉयल्स को 7 विकेट से हराया

जीटी की दमदार जीत, खिताब के लिए अब आरसीबी से भिड़ंत

एजेंसी ▶▶| मुल्लांपुर

शुभमन गिल के शानदार शतक ने आईपीएल में राजस्थान रॉयल्स और वैभव सूर्यवंशी के शानदार सफर का अंत कर दिया और 7 विकेट से जीत दर्ज करके गुजरात टाइटंस ने तीसरी बार फाइनल में जगह बना ली, जहां सामना मौजूदा चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु से होगा।

इस सत्र में नित नया इतिहास रचने वाले वैभव सूर्यवंशी ने एक बार फिर 47 गेंद में 96 रन की पारी खेली और आखिरी ओवर में डोनोवन फरेरा ने राशिद खान को 4 छक्के जड़कर राजस्थान रॉयल्स को 6 विकेट पर 214 रन तक पहुंचाया।

जवाब में गिल और साइ सुदर्शन ने पहले विकेट के लिए 77 गेंद में 167 रन की साझेदारी करके मैच को रॉयल्स की जद से बाहर कर दिया और गुजरात ने 8 गेंद बाकी रहते जीत दर्ज की। गिल ने 53 गेंद में 15 चौकों और 3 छक्कों की मदद से 104 रन बनाए जबकि सुदर्शन ने 32 गेंद में 58 रन बनाए, जिसमें आठ चौके और एक छक्का शामिल था। सुदर्शन एक बार फिर अजीब ढंग से हिट विकेट होकर लौटे। गुजरात का सामना रविवार को अहमदाबाद में आरसीबी से होगा।

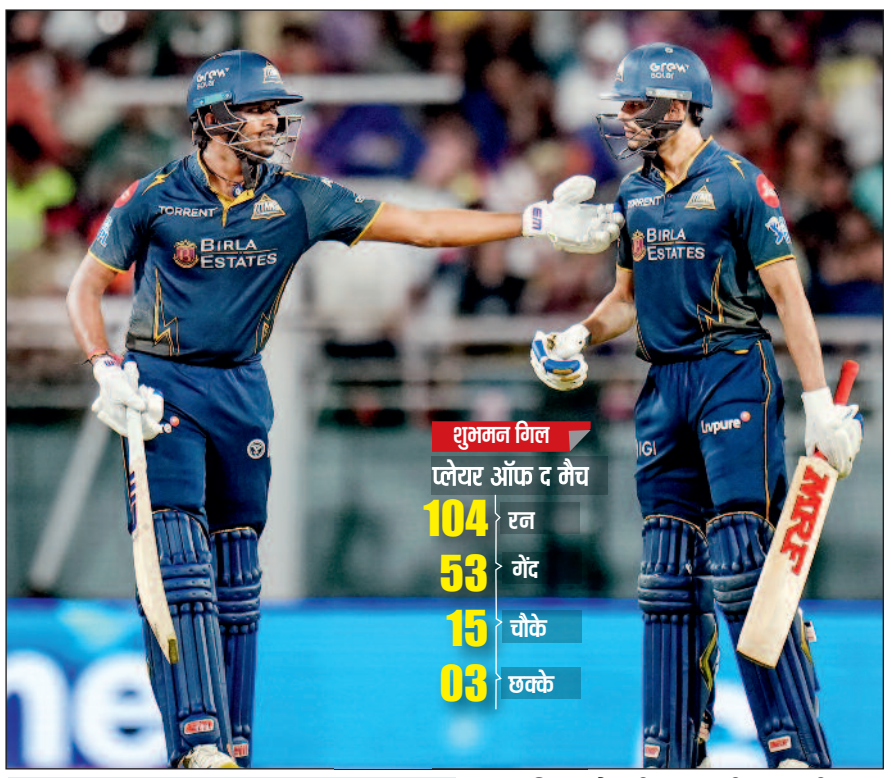

टी20 में सबसे अधिक शतकीय साझेदारियां

11 - शुभमन गिल, साई सुदर्शन (48 पारियां)
10 - क्रिस गेल, विराट कोहली (63 पारियां)
10 - बाबर आजम, मोहम्मद रिजवान (75 पारियां)
10 - एबी डी विलियर्स, विराट कोहली (77 पारियां)
7 - अभिषेक शर्मा, प्रभसिमरन सिंह (44 पारियां)
7 - इब्राहिम जादरान, रहमानुल्लाह गुरबाज (49 पारियां)

गिल ने की संजू की बराबरी

क्वालिफायर-2 में शुभमन गिल ने राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ शतक जड़कर इतिहास रचा। गिल प्लेऑफ में एक से ज्यादा शतक जड़ने वाले पहले खिलाड़ी है। इसके अलावा उन्होंने आईपीएल में सबसे ज्यादा शतक जड़ने के मामले में संजू सैमसन की बराबरी कर ली।

कप्तान के तौर पर दूसरा शतक

आईपीएल में कप्तान के तौर पर सबसे ज्यादा शतक विराट कोहली के नाम है। उन्होंने 5 शतक लगाए हैं। केएल राहुल 3 शतक के साथ दूसरे नंबर पर हैं। शुभमन गिल का यह दूसरा शतक था।

ऑरेंज कैप	पर्पल कैप
वैभव सूर्यवंशी	कगिसो रबाडा
776 रन	26 विकेट
राजस्थान	गुजरात

स्कोर बोर्ड

राजस्थान रॉयल्स	रन	गेंद	4	6
जायसवाल का प्रसिद्ध बो सिराज	1	2	0	0
सूर्यवंशी का प्रसिद्ध बो रबाडा	96	42	8	2
ध्रुव जुरेल का गिल बो रबाडा	7	6	1	0
रविंद्र जडेजा नाबाद	45	35	5	1
रियान का रबाडा बो होल्डर	11	6	1	1
शनाका का बटलर बो होल्डर	3	9	0	0
आर्चर का बटलर बो प्रसिद्ध	7	4	0	1
डोनोवन फरेरा नाबाद	38	11	2	4
अतिरिक्त : छह रन, योग : 20 ओवर में 214/6 रन				
गेंदबाजी : सिराज 4-0-42-1, रबाडा 4-0-35-2, प्रसिद्ध 4-0-42-1, सुंदर 2-0-23-0, होल्डर 4-0-27-2, राशिद 2-0-45-0				
गुजरात टाइटंस	**रन**	**गेंद**	**4**	**6**
सुदर्शन हिट विकेट बो बुमेश	58	32	8	1
गिल पगबाधा बो आर्चर	104	53	15	3
जोस बटलर नाबाद	9	9	0	0
वॉशिंगटन का फरेरा बो बर्गर	16	9	2	1
राहुल तेवतिया नाबाद	17	9	2	1
अतिरिक्त : 15 रन, योग : 18.4 ओवर में 219/3 रन				
गेंदबाजी : आर्चर 4-0-45-1, बर्गर 4-0-35-1, बुमेश 3.4-0-44-1, तुषार 3-0-34-0 पुंजा 2-0-29-0, जडेजा 2-0-28-0				

खबर संक्षेप

पंत का बड़ा फैसला, छोड़ी एलएसजी की कप्तानी

लखनऊ। एलएसजी के कप्तान ऋषभ पंत ने आईपीएल 2026 के समापन से पहले एक बड़ा फैसला लिया है। उन्होंने अपनी फ्रेंचाइजी लखनऊ सुपर जायंट्स से अनुरोध किया है कि वो उन्हें कप्तानी से कार्यभार से मुक्त कर दें। इस खबर की जानकारी लखनऊ की फ्रेंचाइजी ने अपने सोशल मीडिया के जरिए दी है। पंत की कप्तानी को लेकर लखनऊ की फ्रेंचाइजी ने आधिकारिक बयान जारी करते हुए लिखा कि ऋषभ पंत अब टीम के कप्तान नहीं रहेंगे। पंत ने खुद टीम मैनेजमेंट से कप्तानी छोड़ने की इच्छा जताई थी, जिसे फ्रेंचाइजी ने तुरंत मान लिया है।

आईपीएल में स्मार्ट चश्मों पर बैन

बीसीसीआई और एसीएसयू ने जारी की चेतावनी

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट बोर्ड भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की भ्रष्टाचार निरोधक इकाई (एसीएसयू) ने इंडियन प्रीमियर लीग के दौरान खिलाड़ियों और मैच अधिकारियों के स्मार्ट चश्मों के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगा दिया है।

बोर्ड ने इन चश्मों में मौजूद उन्नत संचार सुविधाओं को सुरक्षा और भ्रष्टाचार-रोधी नियमों के लिए खतरा बताया है। बीसीसीआई एसीएसयू ने सभी फ्रेंचाइजी को जारी एक परामर्श में कहा कि कुछ कंपनियां खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ को स्मार्ट चश्मे बेच रही हैं। बीसीसीआई ने कहा, इन उपकरणों में लाइव स्ट्रीमिंग, टेक्स्ट संदेश भेजने और प्राप्त करने के साथ-साथ मोबाइल डेटा या वाई-फाई के जरिए ऑडियो और वीडियो कॉलिंग जैसी उन्नत संचार सुविधाएं उपलब्ध हैं।

पीएमओए क्षेत्रों में संचार उपकरणों के इस्तेमाल की अनुमति नहीं

बीसीसीआई ने कहा, पीएमओए (खिलाड़ियों और मैच अधिकारियों का क्षेत्र) के न्यूनतम मानकों के तहत ऐसे स्मार्ट चश्मों को 'ऑडियो/वीडियो रिकॉर्डिंग उपकरण' और 'संचार उपकरण' दोनों श्रेणियों में रखा गया है। इसी कारण पीएमओए क्षेत्र में इन्हें रखने या इस्तेमाल करने पर पूरी तरह रोक लगा दी गई है। आईपीएल में पहले से ही खिलाड़ियों को निर्धारित पीएमओए क्षेत्रों में मोबाइल या अन्य संचार उपकरणों के इस्तेमाल की अनुमति नहीं है। हाल ही में राजस्थान रॉयल्स के अधिकारी रोमी भिंडर को टीम डगआउट में मोबाइल फोन इस्तेमाल करते हुए कैमरे में पकड़े जाने पर एक लाख रुपए का जुर्माना और चेतावनी दी गई थी। पीएमओए में प्रवेश करने से पहले जमा करने होगा स्मार्ट चश्मा बीसीसीआई ने अपने नवीनतम निर्देश में खिलाड़ियों और मैच अधिकारियों से कहा है कि वे पीएमओए में प्रवेश करने से पहले स्मार्ट चश्मे भी जमा कराएं। बोर्ड ने नियमों का पालन नहीं करने पर कार्रवाई की चेतावनी दी है। बीसीसीआई ने कहा, सभी खिलाड़ियों और सपोर्ट स्टाफ को निर्देश दिया जाता है कि मैच के दिन पीएमओए में प्रवेश करते समय वे अपने मोबाइल फोन और स्मार्टवॉच के साथ ऐसे उपकरण भी सिक्योरिटी लायजन ऑफिसर (एसएलओ) के पास जमा करें।

नॉर्वे चेस : गुकेश पहुंचे अंतिम पायदान पर

एजेंसी ▶▶| ओस्लो

विश्व नंबर 1 मैग्नस कार्लसन ने नॉर्वे शतरंज टूर्नामेंट में शानदार वापसी करते हुए मौजूदा क्लासिकल विश्व चैंपियन डी. गुकेश को करारी शिकस्त दी, जिससे युवा भारतीय खिलाड़ी अंक तालिका में सबसे निचले स्थान पर पहुंच गया जबकि प्रज्ञानानंदा ने विंसेंट कीमर को आर्मगेडन टाईब्रेक में हराकर दूसरा स्थान बरकरार रखा। वहीं महिला वर्ग में दिव्या देशमुख को भी हार का सामना करना पड़ा। 7 बार के नॉर्वे शतरंज चैंपियन कार्लसन ने टूर्नामेंट की धीमी शुरुआत के बाद जोरदार वापसी की। इस जीत से उन्हें पूरे 3 अंक मिले और वह अंतिम स्थान से चौथे स्थान पर पहुंच गए। दूसरी ओर, निराश गुकेश मुकाबले के बाद मुख्य द्वार से बचते हुए पीछे के दरवाजे से बाहर निकल गए, जबकि बाहर बड़ी संख्या में युवा प्रशंसक उनके ऑटोग्राफ का इंतजार कर रहे थे।

सिंगापुर ओपन : सेमीफाइनल में सात्विक-चिराग

एजेंसी ▶▶| सिंगापुर

भारतीय खिलाड़ी पीवी सिंधू विश्व नंबर एक एन से यंग के सामने लगातार दबाव बनाए रखने के लिए जरूरी निरंतरता नहीं दिखा सकीं और सिंगापुर ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में हारकर उनका अभियान समाप्त हो गया लेकिन पुरुष युगल की दिग्गज जोड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने कड़े मुकाबले में जीत हासिल करके सेमीफाइनल में जगह बना ली। कोरिया की खिलाड़ी एन से यंग ने इस मुकाबले को 21-17, 21-14 से जीतकर सिंधू पर अपना दबदबा कायम रखा।

सात्विक-चिराग ने कांग-आरोन को हराया

सात्विक और चिराग ने एक गेम से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए मलेशिया के खाई शिंग कांग और आरोन ताई को एक घंटे पांच मिनट तक चले कड़े मुकाबले में 19-21, 21-17, 21-13 से हराया। भारतीय जोड़ी का मुकाबला शीर्ष अब वरीयता प्राप्त कोरिया के किम वॉन हो और सियो सेउंग जे से होगा, जिन्होंने सातवीं वरीयता प्राप्त ताकुरो होकी और युगो कोबायाशी की जापान की जोड़ी को 21-19, 21-18 से हराया। इससे पहले सिंधू ने शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाते हुए अपने दमदार स्मैश और तेज इंटरसेप्शन के जरिए रैलियों पर नियंत्रण बनाने की कोशिश की। वह हालांकि पहले गेम के ब्रेक के समय 7-11 से पीछे रहीं।

केनरा बैंक Canara Bank
सिंडिकेट Syndicate
केनरा बैंक, स्पेशलाइज्ड, ए.आर.एम. शाखा, जबलपुर
फोन : 8699142824
ई-नीलामी सूचना

परिशिष्ट - IV क [नियम 8(6) एवं 9 का परन्तुक देखें]
चल/अचल संपत्ति के विक्रय हेतु विक्रय नोटिस
वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण एवं प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के नियम 8(6) एवं 9 के अन्तर्गत अचल संपत्तियों की बिक्री हेतु विक्रय सूचना

आम जनता को साधारणतः एवं निम्न वर्णित अचल संपत्तियों के ऋणियों एवं जमानतदारों को विशेषतः सूचित किया जाता है कि निम्नवर्णित संपत्तियाँ **केनरा बैंक (सुरक्षित लेनदार)** के पास बंधक है तथा बैंक के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा नीचे वर्णित संपत्तियों का उसके **सांकेतिक कब्जा** ले लिया गया है। निम्नवर्णित संपत्तियों का विक्रय दिनांक **16/06/2026** को **केनरा बैंक (सुरक्षित लेनदार)** के बकाया राशि को वसूल करने हेतु ''जैसा है जहां है, जो है जैसा है'' एवं ''जो कुछ भी है'' के आधार पर किया जा रहा है।

शाखा एवं खाते/ जमानतदार का नाम	संपत्ति का विवरण एवं संपत्ति मालिक का नाम	मांग सूचना दिनांक / कब्जा दिनांक / बकाया राशि	आरक्षित मूल्य / धरोहर राशि / बिड बढ़ाने की राशि
ऋणी- **श्री सहजानंद ऑटोमोबाइल्स एलएलपी** **मुकेश कुमार राठौर** खसरा नं. 27 5, बसंतपुर थाना, बसंतपुर गंजमंडी के सामने, तीर्थ फ्यूल पेट्रोल पंप के पास, गुंडरदेही, राजनांदगांव दुर्ग (छ.ग.) 491441 द्वारा पाटनर्स एवं बंधककर्ता- **श्री निशांत राठौड़ पुत्र मुकेश राठौड़** **श्रीमती युक्ति राठौड़ पत्नी निशांत राठौड़**	(1) बंधक संपत्ति भूमि एवं भवन स्थित खसरा नंबर (27/5,27/6) नया 27/62 क्षेत्रफल-0.1012 हेक्टेयर, नंदई, पी.एच. नंबर 41, आर.आई सर्कल-राजनांदगांव, जिला- राजनांदगांव, छत्तीसगढ़ CERSAI ID-400082783322, चतुर्सीमाएं (डीड के अनुसार): पूर्वः डोनर की शेष संपत्ति, पश्चिमः डोनर की संपत्ति, उत्तरः डोनर की बाकी संपत्ति, दक्षिणः डोंगरगांव बसंतपुर मेन रोड, **संपत्ति मालिक- श्रीमती युक्ति राठौड़ पत्नी निशांत राठौड़** BAANKNET PROPERTY ID: CNRBYUKTI COORDINATES: 21.084612, 81.028906 **सांकेतिक कब्जा**	30.10.2025 / 04.02.2026 / बकाया राशि दि. 26/05/2026 को ₹ 7,12,21,307.53 +देय ब्याज एवं अन्य खर्चे	₹ 4,22,50,000/- / ₹ 42,25,000/- / 10000/-
	(2) बंधक संपत्ति भूमि एवं भवन स्थित खसरा नंबर (27/5,27/6) नया 27/63 क्षेत्रफल- 0.1012 हेक्टेयर, नंदई, पी.एच. नंबर 41, आर.आई सर्कल-राजनांदगांव, जिला- राजनांदगांव, छत्तीसगढ़ CERSAI ID-400083149636 चतुर्सीमाएं (डीड के अनुसार): पूर्वः डोनर की शेष संपत्ति, पश्चिमः राकेश लोहिया की संपत्ति, उत्तरः डोनर की बाकी संपत्ति, दक्षिणः डोंगरगांव बसंतपुर मेन रोड, **संपत्ति मालिक- श्री निशांत राठौड़ पुत्र मुकेश राठौड़**		₹ 8,86,50,000/- / ₹ 88,65,000/- / 10000/-
	(3) बंधक संपत्ति भूमि एवं भवन स्थित खसरा नंबर (27/5,27/6) नया 27/64 क्षेत्रफल- 0.1012 हेक्टेयर, नंदई, पी.एच. नंबर 41, आर.आई सर्कल-राजनांदगांव, जिला- राजनांदगांव, छत्तीसगढ़ CERSAI ID-400082783322, चतुर्सीमाएं (डीड के अनुसार): पूर्वः डोनर की शेष संपत्ति, पश्चिमः डोनर की संपत्ति, उत्तरः डोनर की बाकी संपत्ति, दक्षिणः डोंगरगांव बसंतपुर मेन रोड, **संपत्ति मालिक- श्री निशांत राठौड़ पुत्र मुकेश राठौड़** BAANKNET PROPERTY ID: CNRBNISHANT COORDINATES: 21.084612, 81.028906 **सांकेतिक कब्जा**		

धरोहर राशि (ईएमडी) जमा करने की अंतिम तिथि 15/06/2026, या उससे पूर्व सायं 5.00 बजे तक
ई-नीलामी की दिनांक एवं समय : 16/06/2026, दोपहर 12.00 से दोपहर 2.00 बजे तक (5 मिनिट के असीमित विस्तार पर)

(1) इच्छुक बोलीदाताओं को आरक्षित मूल्य की 10% अग्रिम राशि (ईएमडी) सीधे मेसर्स पीएसबी अलायंस प्राइवेट लिमिटेड (baanknet.com) पोर्टल के ई-वॉलेट में जमा करनी होगी या चालान जनरेट करके बोली जमा करने की उपरोक्त तिथि को उक्त चालान में उल्लिखित खाता विवरण में आरटीजीएस/एनईएफटी के माध्यम से ईएमडी जमा करनी होगी।
(2) सफल बोलीदाता को बिक्री मूल्य का 25% (पहले से भुगतान की गई ईएमडी सहित) उसके पक्ष में बिक्री होने के तुरंत बाद जमा करना होगा और शेष राशि बिक्री की पुष्टि की तिथि से 15 दिनों के भीतर जमा करनी होगी। यदि सफल बोलीदाता उपरोक्त अनुसार बिक्री मूल्य का भुगतान करने में विफल रहता है, तो उसके द्वारा जमा की गई राशि जब्त कर ली जाएगी।
(3) सभी शुल्क, स्टांप शुल्क/जीएसटी पंजीकरण शुल्क आदि, जैसा लागू हो और कोई भी कर, राजस्व/किसी भी स्थानीय प्राधिकारी को बकाया आदि केवल सफल बोलीदाता द्वारा वहन किया जाएगा।
(4) यहां संपत्ति का विक्रय राशि रु. 50 लाख या उससे ऊपर हो उस परिस्थिति में नीलामी खरीददार को विक्रय राशि का 1% टी.डी.एस. का भुगतान करना होगा तथा टीडीएस सर्टिफिकेट की मूल प्रति बैंक में जमा करनी होगी।
विस्तृत विवरण हेतु केनरा बैंक, स्पेशलाइज्ड, ए.आर.एम. शाखा, जबलपुर (Phone No.8699142824,7683068902), e-mail id cb9014@canarabank.com से कार्यालयीन समय में सम्पर्क करें अथवा सर्विस प्रदाता (मेसर्स पीएसबी एलान्यस प्रा. लि.) संपर्क 7046612345/6354910172/ 8291220220/9892219848/ 8160205051, Email: support.BAANKNET@psballiance.com./ support.ebkray@procure247.com). देखें।
दिनांक : 27.05.2026, स्थान : जबलपुर
प्राधिकृत अधिकारी केनरा बैंक

नंदिनी ने इंटरनेशनल डेब्यू में मचाया गदर, रोड्रिग्स और यास्तिका ने जड़े अर्धशतक

एजेंसी ▶▶| चेम्सफोर्ड

जेमिमा रोड्रिग्स (69) और यास्तिका भाटिया (54) के शानदार अर्धशतकों के बाद पदार्पण कर रही तेज गेंदबाज नंदनी शर्मा (34 रन पर 3 विकेट) की घातक गेंदबाजी के दम पर भारत ने इंग्लैंड को 38 रन से हराकर 3 मैचों की महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली। नियमित कप्तान हरमनप्रीत कौर की गैरमौजूदगी में खेल रही भारतीय टीम ने खराब शुरुआत से उबरते हुए 7 विकेट पर 188 रन का मजबूत स्कोर खड़ा करने के बाद फिर इंग्लैंड को 8 विकेट पर 150 रन पर रोक दिया। 12 जून से शुरू होने वाले टी20 विश्व कप से पहले यह भारत की अंतिम श्रृंखला है।

यास्तिका ने 2 साल बाद की टी20 में वापसी

2 साल बाद टी20 टीम में वापसी कर रहीं यास्तिका ने टी20 अंतरराष्ट्रीय करियर का पहला अर्धशतक जड़ा। उन्होंने 40 गेंदों पर 54 रन की पारी के दौरान 9 चौके और 1 छक्का लगाया। दोनों बल्लेबाजों ने तीसरे विकेट के लिए महज 76 गेंदों में 126 रन की साझेदारी कर भारतीय पारी को मजबूती दी।

भारतीय टीम की शुरुआत बेहद खराब

पहले बल्लेबाजी का न्योता मिलने पर भारतीय टीम की शुरुआत बेहद निराशाजनक रही। कार्यवाहक कप्तान स्मृति मंधाना पहली ही गेंद पर खाता खोले बिना आउट हो गई, जबकि उनकी सलामी जोड़ीदार शेफाली वर्मा भी महज दो रन बनाकर पवेलियन लौटी। इंग्लैंड की ओर से लॉरेन बेल ने शुरुआती झटके देकर भारत को दबाव में ला दिया। रोड्रिग्स और यास्तिका ने इसके बाद शानदार पलटवार किया। जेमिमा की 40 गेंदों में 69 रन की तेजतर्रार पारी में 10 चौके और एक छक्का शामिल रहा।

केनरा बैंक Canara Bank
सिंडिकेट Syndicate
ए.आर.एम. शाखा : अन्नपूर्णा भवन, नेमा हार्ट हॉस्पिटल के पास, आईएसबीटी के सामने, विजय नगर, दीन दयाल चौक, जबलपुर, एमपी-482002 फोन : 918699142824

ऋणी / जमानतदार / बंधककर्ता को धारा [धारा 13(2)] के अन्तर्गत मांग सूचना
Ref: SARFAESI/SARM/9014/SNT **Date: 18.05.2026**

प्रति,
ऋणी एवं बंधककर्ताः **स्वामी नारायण ट्रेडर्स, प्रोपराइटर श्री निशांत राठौर,**
बसंतपुर गंजमंडी के सामने, तीर्थ फ्यूल पेट्रोल पंप के पास, चौखड़िया पारा राजनांदगांव छत्तीसगढ़ 491441
प्रोपराइटर एवं बंधककर्ताः श्री निशांत राठौड़ पुत्र मुकेश राठौड़
पता : मकान नं. 29, वार्ड नं. 40, चौखड़िया पारा राजनांदगांव छत्तीसगढ़-491441
जमानतदार एवं बंधककर्ता : **श्रीमती युक्ति राठौड़ पत्नी निशांत राठौड़,**
पता : मकान नं. 29, वार्ड नं. 40, चौखड़िया पारा राजनांदगांव छत्तीसगढ़-491441
महोदय,
विषयः वित्तीय आस्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुर्नगठन तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम 2002 की धारा 13 (2) एवं प्रतिभूतिहित प्रवर्तन अधिनियम 2002 के अन्तर्गत मांग सूचना (सरफेसी एक्ट)
अधोहस्ताक्षरी केनरा बैंक स्पेशलाइज्ड एआरएम शाखा, जबलपुर के प्राधिकृत अधिकारी होने के नाते वित्तीय आस्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुर्नगठन तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम 2002 (जिसे आगे अधिनियम कहा जायेगा) के अन्तर्गत आपको निम्नानुसार नोटिस जारी करता है।
केनरा बैंक के माध्यम से ऋणी एवं बंधककर्ता- **स्वामी नारायण ट्रेडर्स, प्रोपराइटर श्री निशांत राठौर,** द्वारा लोन / साख सुविधा प्राप्त की एवं वर्तमान दिनांक तक मांगी गई राशि इस प्रकार हैः

क्र. सं.	लोन खाता क्र. का प्रकार	लोन/सीमा	वर्तमान दिनांक को बकाया राशि मय ब्याज	ब्याज की दर
1.	128000926571	OCC Agro Products	5,79,67,472.57	8.75%
2.	184001813822	AGRI TL	53,85,778.09	8.60%

उपरोक्त वर्णित ऋण / साख सुविधा संबंधित दस्तावेजों द्वारा बैंक के पक्ष में संपत्ति को बंधक रखकर सुरक्षित किया गया था। चूंकि आप ऋण चुकाने में असफल रहे हैं। अतः बैंक द्वारा दिनांक **27/08/2025** को ऋण को एन.पी.ए. वर्गीकृत किया गया है। उपरोक्त वर्णित ऋणियों एवं जमानतदारों को विस्तृत माँग सूचना सरफेसी अधिनियम 2002 की धारा 13(2) के तहत जारी की गई एवं नोटिस में वर्णित राशि रु. **6,33,53,250.66** (रु. छः करोड, तैतीस लाख तिरेपन हजार दौ सौ पचास एवं पैसा छियासठ मात्र) एवं उस पर देय ब्याज एवं अन्य खर्च नोटिस की तारीख से 60 दिवस की अवधि के भीतर अदा करने के लिए सूचित करते हैं। अन्यथा बैंक द्वारा उक्त अधिनियम 13(2) की धारा 13 के उपनियम (a) एवं (b) के प्रावधानों के तहत सभी या किसी भी अधिकार का प्रयोग करते हुए कार्यवाही की जावेगी, जिसका सार इस मुद्दे की गंभीरता को बताने के लिए यहां नीचे दिया गया है।
इसके अतिरिक्त आप सरफेसी अधिनियम की धारा के तहत उक्त रक्षित आस्तियों का या तो विक्रय का लीज करने इत्यादि के द्वारा अन्तरण करने और किसी अन्य प्रकार बाधा डालने से प्रतिबंधित हैं। विस्तृत मांग नोटिस की प्रति हेतु बैंक की शाखा से संपर्क करें।
उधारकर्ताओं को एक्ट की धारा 13 एवं उपधारा 8 के प्रावधान के अन्तर्गत सुरक्षित परिसंपत्तियों के एवज में उपलब्ध समय की ओर ध्यान आकर्षित किया जाता है।
मांग सूचना की प्रति स्पीड पोस्ट द्वारा शाखा में उपलब्ध आपके अंतिम ज्ञात पते पर भेजी जा चुकी है।
यह मांग नोटिस पूर्व में जारी मांग नोटिस दिनांक 28.08.2025 को तकनीकी कारणों से रद्द करते हुए नए सिरे से जारी किया गया है।

अनुसूची
चल संपत्ति : (1) स्टॉक एवं बुक डेब्ट्स का दृष्टिबंधक
संपत्ति मालिक- मेसर्स स्वामी नारायण ट्रेडर्स प्रोपराइटर निशांत राठौर
चल संपत्ति : (1) प्लांट एवं मशीनरी का दृष्टिबंधक
संपत्ति मालिक- मेसर्स स्वामी नारायण ट्रेडर्स प्रोपराइटर निशांत राठौर
(1) बंधक संपत्ति भूमि एवं भवन स्थित खसरा नंबर (27/5,27/6) नया 27/62 क्षेत्रफल-0.1012 हेक्टेयर, नंदई, पी.एच. नंबर 41, आर.आई सर्कल-राजनांदगांव, जिला- राजनांदगांव, छत्तीसगढ़ CERSAI ID- 200084589175, चतुर्सीमाएं (डीड के अनुसार): पूर्वः डोनर की शेष संपत्ति, पश्चिमः डोनर की संपत्ति, उत्तरः डोनर की बाकी संपत्ति, दक्षिणः डोंगरगांव बसंतपुर मेन रोड, **संपत्ति मालिक- श्रीमती युक्ति राठौड़ पत्नी निशांत राठौड़**
(2) बंधक संपत्ति भूमि एवं भवन स्थित खसरा नंबर (27/5,27/6) नया 27/63 क्षेत्रफल- 0.1012 हेक्टेयर, नंदई, पी.एच. नंबर 41, आर.आई सर्कल-राजनांदगांव, जिला- राजनांदगांव, छत्तीसगढ़ CERSAI ID- 200067031702 चतुर्सीमाएं (डीड के अनुसार): पूर्वः डोनर की शेष संपत्ति, पश्चिमः राकेश लोहिया की संपत्ति, उत्तरः डोनर की बाकी संपत्ति, दक्षिणः डोंगरगांव बसंतपुर मेन रोड, **संपत्ति मालिक- श्री निशांत राठौड़ पुत्र मुकेश राठौड़**
(3) बंधक संपत्ति भूमि एवं भवन स्थित खसरा नंबर (27/5,27/6) नया 27/64 क्षेत्रफल- 0.1012 हेक्टेयर, नंदई, पी.एच. नंबर 41, आर.आई सर्कल-राजनांदगांव, जिला- राजनांदगांव, छत्तीसगढ़ CERSAI ID- 200084589175, चतुर्सीमाएं (डीड के अनुसार): पूर्वः डोनर की शेष संपत्ति, पश्चिमः डोनर की संपत्ति, उत्तरः डोनर की बाकी संपत्ति, दक्षिणः डोंगरगांव बसंतपुर मेन रोड, **संपत्ति मालिक- श्री निशांत राठौड़ पुत्र मुकेश राठौड़**

नोटिस दिनांक : 18.05.2026
स्थान : जबलपुर
प्राधिकृत अधिकारी
केनरा बैंक

इंसान में होती है तीसरी आंख! वैज्ञानिकों ने किया चौंकाने वाला खुलासा

वैज्ञानिकों ने एक ऐसी खोज की है, जिसने दुनिया को चौंका दिया है। इस खोज के मुताबिक, हर इंसान के पास तीसरी आंख है। हालांकि, अब यह आंख अवशेष है। वैज्ञानिकों को मुताबिक, यह तीसरी आंख देखने का काम नहीं करती है, बल्कि नींद और शरीर की घड़ी को नियंत्रित करती है।

लंदन। दरअसल, इंसान के शरीर के बीचों-बीच छिपी पिनियल ग्लैंड प्राचीन तीसरी आंख का अवशेष है। प्रसिद्ध और प्रतिष्ठित वैज्ञानिक पत्रिका करंट बायोलॉजी जर्नल में एक शोध पेपर प्रकाशित हुआ है। इसके मुताबिक, यूनिवर्सिटी ऑफ ससेक्स और लुंड यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने दावा किया है कि लाखों साल पहले हमारे पूर्वजों की एक मध्य वाली आंख थी। यह समय के साथ बदलकर पिनियल ग्लैंड बन गई। इस खोज से इंसान की आंखों और शरीर की घड़ी के विकास की नई कहानी बता रही है।

50 करोड़ साल पहले इंसानों के पूर्वज समुद्री जीव थे

वैज्ञानिकों के मुताबिक, करीब 50 करोड़ साल पहले इंसानों के पूर्वज समुद्री जीव थे। यह समुद्र की गहराई में कीचड़ और अंधेरे में रहते थे। इन जीवों की दो तरफ वाली आंखें अंधेरे में बेकार हो गईं और धीरे-धीरे काम करना बंद कर दीं। लेकिन उनके सिर के बीच एक खास संरचना थी। इसे शोधकर्ताओं की तरफ से कॉम्पोजिट एंसेस्ट्रल मीडियन आई नाम दिया है। यह मध्य वाली आंख प्रकाश का, दिन-रात का पता लगाने और दिशा का ज्ञान रखने में मदद करती थी। जब यह समुद्री जीव सुरंगों में रहने लगे, तो उनकी साइड वाली आंखें काम करना बंद कर दीं, लेकिन मीडियन आई बची रहीं, क्योंकि वो उनके लिए जरूरी थीं।

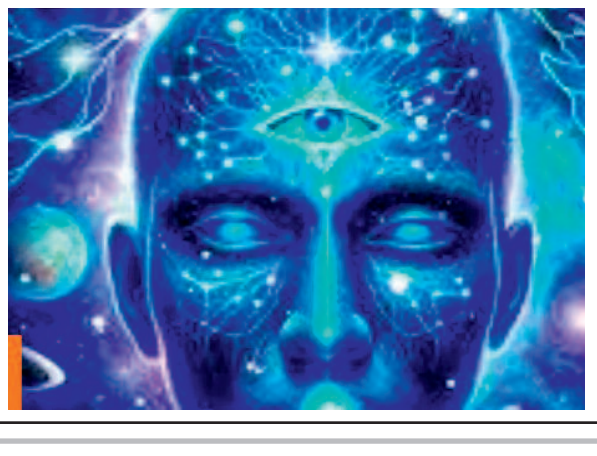

24 घंटे की शारीरिक घड़ी को करता है नियंत्रित

रात होने पर पिनियल ग्लैंड मेलाटोनिन छोड़ती है, जिससे शरीर को पता चलता है कि अब सोने का समय हो गया है। यह 24 घंटे की शारीरिक घड़ी (सर्कैडियन रिदम) को नियंत्रित करता है। इससे नींद, प्रजनन प्रणाली, इम्यून सिस्टम, मूड और यहां तक कि शरीर के तापमान प्रभावित होता है। दिन में इससे हार्मोन कम बनता है, जिससे इंसान को नींद कम आए। शोधकर्ताओं ने कहा कि रेटिना का विकास आंख से पहले हुआ था। प्रोफेसर टॉम बेडेन ने जानकारी दी कि गहरे पानी या कीचड़ में दिन-रात की जानकारी हासिल करना और ऊपर-नीचे की दिशा का पता लगाना जरूरी था।

शोध में नहीं किए गए नए प्रयोग

वैज्ञानिकों ने इस शोध कोई नए प्रयोग नहीं किए। शोधकर्ताओं ने मछलियों, लैंप्री (एक प्राचीन मछली) और अन्य जीवों के आनुवंशिक डेटा, जीवाश्मों और मौजूद अध्ययनों का विश्लेषण किया है। इससे पता चला है कि इंसान की आंखें और पिनियल ग्लैंड का विकास अलग-अलग नहीं हुआ है, बल्कि एक ही प्राचीन संरचना से विकास हुआ है। अभी भी कुछ ऐसे जीव हैं, जिनमें तीसरी आंख साफ दिखती है। न्यूजीलैंड में पाए जाने वाला टुआतारा नाम का सरीसृप सबसे बेहतरीन उदाहरण है।

रोचक खबरें

सबसे महंगा पेन, स्पेस के अंदर भी कर सकते हैं इस्तेमाल

न्यूयार्क। पेन जैसी छोटी सी चीज भी अगर स्पेस टेक्नोलॉजी से लैस हो तो उसकी कीमत आसमान छू सकती है। दुनिया का सबसे चर्चित और महंगा पेन फिशर स्पेस पेन है, जिसे खास तौर पर अंतरिक्ष में इस्तेमाल के लिए बनाया गया था। यह पेन जीरो ग्रेविटी में भी बिना किसी समस्या के लिख सकता है। नासा के अंतरिक्ष यात्री आज भी मिशनों के दौरान इसका इस्तेमाल करते हैं। साल 1960 के दशक में अमेरिकी इन्वेंटर पॉल फिशर ने इस पेन को तैयार किया था। उस समय नासा को एक ऐसे पेन की जरूरत थी जो स्पेस में काम कर सके। आम पेन स्पेस में नहीं लिख पाते क्योंकि वहां गुरुत्वाकर्षण नहीं होता और स्याही नीचे नहीं गिरती। फिशर ने सालों की रिसर्च के बाद प्रेशराइज्ड इंक कार्ट्रिज टेक्नोलॉजी विकसित की। इसमें नाइट्रोजन गैस का दबाव इस्तेमाल होता है जो किसी भी स्थिति में स्याही को बाहर निकालता है। यह पेन -34 डिग्री सेल्सियस से लेकर +121 डिग्री सेल्सियस तक के तापमान में काम करता है। पानी के नीचे, उल्टा लिखते हुए, तेल में या बर्फ पर भी यह आसानी से लिख सकता है। एक कार्ट्रिज से यह पेन लगभग 50 किलोमीटर तक लिख सकता है। यही वजह है कि इसे दुनिया का सबसे यूनिक और भरोसेमंद पेन माना जाता है। नासा ने इसे अपोलो मिशन से लेकर इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन तक इस्तेमाल किया था। दिलचस्प बात यह है कि रूस के सोवियत स्पेस प्रोग्राम ने भी बाद में इसी पेन को अपनाया।

दुनिया का सबसे छोटा स्कूल जिसमें पढ़ता था सिर्फ एक बच्चा

रोम। शिक्षा को हर बच्चे का मूल अधिकार माना जाता है। यही वह आधार है जिसने दुनिया को विकास और आधुनिकता की राह दिखाई है। लेकिन आज भी कई ऐसे इलाके हैं जहां स्कूलों की कमी बच्चों के सपनों के रास्ते में सबसे बड़ी रुकावट बन जाती है। इसी बीच दुनिया के एक ऐसे अनोखे स्कूल की कहानी अक्सर लोगों को हैरान कर देती है, जिसे दुनिया का सबसे छोटा स्कूल कहा जाता है। खास बात यह है कि इस स्कूल में कभी सिर्फ एक ही छात्रा पढ़ाई करने आती थी।

यह अनोखा स्कूल इटली के खूबसूरत शहर तुरिन के पास स्थित है। पहाड़ों और शांत प्राकृतिक वातावरण के बीच बना यह स्कूल आकार में भले छोटा हो, लेकिन इसकी कहानी पूरी दुनिया में मशहूर हो चुकी है। यहां पढ़ने वाली इकलौती छात्रा का नाम सोफिया विवोला था। उस समय सोफिया तीसरी कक्षा में पढ़ती थीं और उन्हें पढ़ाने के लिए स्कूल में केवल एक शिक्षिका मौजूद थीं, जिनका नाम इसाबेल बताया गया था। रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह कहानी साल 2014 के दौरान सामने आई थी। आमतौर पर स्कूलों में बच्चों की चहल-पहल, दोस्तों की बातें और खेलकूद का माहौल देखने को मिलता है, लेकिन सोफिया का स्कूल इससे बिल्कुल अलग था। पूरी कक्षा में सिर्फ वही अकेली छात्रा थीं। ऐसे में कई बार उन्हें अकेलापन महसूस होता था।

कल आसमान में दिखेगा दुर्लभ ब्लू मून, फिर लगेगा लंबा सूर्य ग्रहण!

नई दिल्ली। साल 2026 खगोल प्रेमियों के लिए बहुत ही खास होने वाला है। इस साल आसमान में कई दिलचस्प घटनाएं होने जा रही हैं। एक ओर जहां 31 मई की रात आसमान में दुर्लभ ब्लू मून दिखाई देगा, तो वहीं 12 अगस्त को लगने जा रहा है लंबा सूर्य ग्रहण। आसमान में होने वाली घटनाओं में दिलचस्पी रखने वाले लोगों के मन में यह सवाल आ रहा है कि ये दुर्लभ नजारे भारत में दिखाई देंगे या नहीं। अगर दिखाई भी देंगे तो इनकी टाइमिंग क्या होगी? तो आइए जानते हैं, इन घटनाओं से जुड़ी सारी जानकारी।

मई का महीना आकाश में होनी घटनाओं को लेकर बहुत ही खास है। इस महीने में दो बार पूरा चांद दिखाई देगा। यानी एक ही महीने में दो बार पूर्णिमा होगी। यह घटना बहुत कम देखने को मिलती है, इसलिए खगोल विज्ञान में दिलचस्पी रखने वाले लोगों के लिए यह बहुत ही खास माना जा रहा है।

जब किसी एक ही महीने में दो बार पूर्णिमा पड़ती है, तो दूसरी पूर्णिमा पर दिखने वाले चांद को ब्लू मून कहा जाता है। सामान्य तौर पर हर महीने सिर्फ एक ही बार पूर्णिमा होती है, लेकिन चंद्रमा के लगभग 29.5 दिनों के चक्र और कैलेंडर की तारीखों के मेल के कारण कभी-कभी ऐसा संयोग बन जाता है कि एक ही महीने में दूसरी बार भी पूरा चांद दिखाई देता है। इसी दूसरी पूर्णिमा को ब्लू मून कहते हैं। बता दें कि ब्लू मून का संबंध चांद के रंग से नहीं, बल्कि उसके समय से होता है।

खोज

भारत की सबसे बड़ी कामयाबी!

चंद्रयान-2 ने चांद के सबसे अंधेरे कोने में ढूंढ निकाली बर्फ की चादर

नई दिल्ली। इसरो के चंद्रयान-2 ने चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर स्थित बेहद ठंडे और अंधेरे क्रेटर्स में सतह के नीचे छिपे 'बर्फ के भंडार' की खोज की है। यह खोज भविष्य के मानव मिशनों के लिए पानी, ऑक्सीजन और रॉकेट ईंधन जुटाने के लिहाज से भारत की एक बहुत बड़ी वैज्ञानिक कामयाबी है। वैज्ञानिकों ने चंद्रयान-2 के ऑर्बिटर से मिले डेटा का विश्लेषण करते हुए चांद के दक्षिणी ध्रुव यानी साउथ पोल पर जमीन के नीचे पानी की बर्फ मौजूद होने के मजबूत संकेत खोजे हैं। यह खोज भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन यानी इसरो के लिए बड़ी वैज्ञानिक उपलब्धि मानी जा रही है। यह खोज चंद्रयान-2 के ऑर्बिटर में लगे खास रडार सिस्टम डुअल फ्रीक्वेंसी सिंथेटिक अपर्चर रडार की मदद से की गई। यह उपकरण चांद की सतह और उसके नीचे की परतों का अध्ययन करने के लिए बनाया गया था।

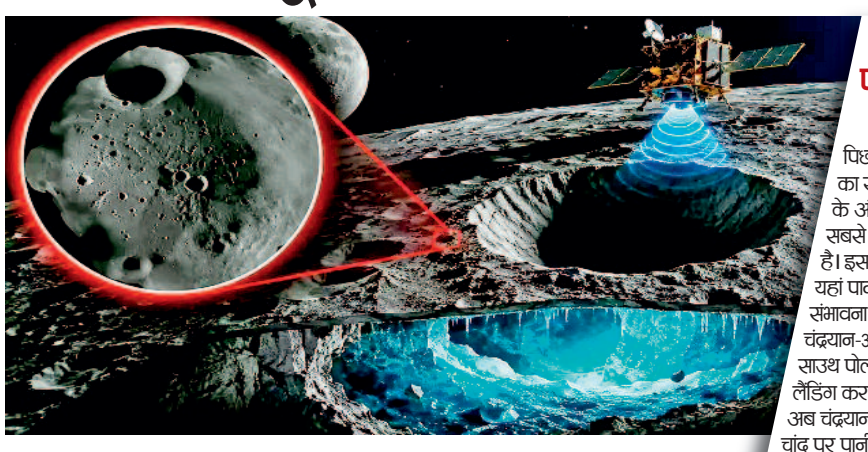

चांद के सबसे ठंडे इलाके में मिला संकेत

वैज्ञानिकों ने अपने अध्ययन में चांद के दक्षिणी ध्रुव पर मौजूद 'परमानेंटली शैडोव्ड रीजंस' यानी ऐसे क्षेत्रों का अध्ययन किया, जहां कभी सूरज की रोशनी नहीं पहुंचती। इन इलाकों में कुछ खास तरह के गड्ढे यानी क्रेटर मौजूद हैं, जिन्हें 'डबली शैडोड क्रेटर' कहा जाता है। इन क्षेत्रों का तापमान लगभग 25 केलविन यानी माइनस 248 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाता है। इतनी ज्यादा ठंड की वजह से वैज्ञानिकों का मानना है कि यहां अरबों सालों तक पानी की बर्फ सुरक्षित रह सकती है।

भविष्य के मिशनों के लिए क्यों अहम है यह खोज?

चांद पर पानी की मौजूदगी भविष्य के अंतरिक्ष मिशनों के लिए बेहद महत्वपूर्ण मानी जाती है। वैज्ञानिकों का कहना है कि अगर चांद पर बर्फ के बड़े भंडार मौजूद हैं, तो उन्हें प्रोसेस करके पीने का पानी, ऑक्सीजन और यहां तक कि रॉकेट फ्यूल भी बनाया जा सकता है। इससे भविष्य में इंसानों के लंबे समय तक चांद पर रहने की संभावना मजबूत हो सकती है। वैज्ञानिक इसे "इन-सीटू रिसोर्स यूटिलाइजेशन यानी आईएसआरयू रणनीति का अहम हिस्सा मानते हैं। इसका मतलब है कि अंतरिक्ष मिशनों के लिए जरूरी संसाधन सीधे चांद पर ही तैयार किए जाएं, ताकि पृथ्वी से कम सामान ले जाना पड़े।

चांद के साउथ पोल पर दुनिया की नजर

पिछले कुछ वर्षों में चांद का साउथ पोल दुनियाभर के अंतरिक्ष मिशनों का सबसे बड़ा केंद्र बन गया है। इसकी सबसे बड़ी वजह यहां पानी की बर्फ मिलने की संभावना है। भारत ने 2023 में चंद्रयान-3 मिशन के जरिए साउथ पोल के पास सफल लैंडिंग करके इतिहास रचा था। अब चंद्रयान-2 की यह नई खोज चांद पर पानी की मौजूदगी को समझने में भारत के योगदान को और मजबूत बनाती है।

आज भी काम कर रहा है चंद्रयान-2 ऑर्बिटर : हालांकि, 2019 में चंद्रयान-2 का लैंडर सफलतापूर्वक उतर नहीं पाया था, लेकिन उसका ऑर्बिटर आज भी काम कर रहा है और लगातार वैज्ञानिक डेटा भेज रहा है। वैज्ञानिकों का कहना है कि चंद्रयान-2 ऑर्बिटर से मिल रही जानकारी चांद के रहस्यों को समझने में बेहद मददगार साबित हो रही है। यह खोज दिखाती है कि भारत का यह मिशन आज भी अंतरिक्ष विज्ञान में बड़ी भूमिका निभा रहा है।

बेहद शक्तिशाली है ऊंट के आंसू, कोबरा के जहर को कर देता है बेअसर

नई दिल्ली। दुनिया के रेगिस्तानी इलाकों में रहने वाले ऊंट अब स्वास्थ्य क्षेत्र में नया चमत्कार साबित हो रहे हैं। ऊंट के दूध के पौष्टिक गुण तो पहले से ही प्रसिद्ध हैं, लेकिन हालिया वैज्ञानिक रिसर्च ने ऊंट के आंसुओं को नई पहचान दी है। शोधकर्ताओं का दावा है कि ऊंट के आंसुओं में मौजूद विशेष प्रकार की एंटीबॉडीज (नैनोबॉडीज) दुनिया के कई घातक सांपों के जहर को बेअसर करने में सक्षम है। यह खोज सांप के काटने से होने वाली मौतों को कम करने में क्रांतिकारी साबित हो सकती है।

रिसर्च के मुताबिक, ऊंट के आंसुओं में प्रोटीन, एंजाइम और लाइसोजाइम जैसे तत्व होते हैं जो संक्रमण से लड़ने में भी मदद करते हैं। जब ऊंट को जहर की छोटी खुराक दी जाती है तो उसका शरीर एंटीबॉडीज पैदा करता है जो आंसुओं में भी पहुंच जाते हैं। ये नैनोबॉडीज सामान्य एंटीबॉडीज से काफी छोटी होती हैं, जिससे वे जहर के टॉक्सिन्स तक आसानी से पहुंचकर उन्हें बेअसर कर देती हैं। यह खोज सिर्फ चिकित्सा क्षेत्र के लिए नहीं बल्कि ऊंट पालकों की अर्थव्यवस्था के लिए भी फायदेमंद साबित हो सकती है। राजस्थान, गुजरात जैसे राज्यों में ऊंट पालन करने वाले किसान अब अपने जानवरों के आंसुओं से अतिरिक्त आय कमा सकते हैं, अगर यह तकनीक व्यावसायिक रूप से लागू होती है।

समुद्र से 14 हजार फीट नीचे बड़ा विस्फोट, निकली चट्टानें

न्यूयार्क। दक्षिण-पश्चिमी प्रशांत महासागर में इस साल मई 2026 की शुरुआत से एक अंडरवॉटर वॉल्कैनो फट रहा है। इसके चलते समुद्री सतह से 10,000 फीट ऊपर तक भाप से भरे विशाल सफेद बुलबुले उठ रहे हैं। बता दें कि यह ज्वालामुखी पापुआ न्यू गिनी के नॉर्थ कोस्ट के पास टाइटन रिज के किनारे बिस्मार्क सी पर स्थित है। इससे प्यूमिस नाम की एक वॉल्कैनिक रॉक भी निकल रही है, जो समुद्र में तैर रही है। वैज्ञानिकों के मुताबिक इस चट्टान से एक नए आइलैंड का निर्माण हो सकता है, जो सैटेलाइट इमेजेस में शायद ही कभी दिखाई देने वाली भूवैज्ञानिक घटना है। बता दें कि 8 मई को सीस्मोमीटर में कई भूकंपों का पता चलने के बाद इस वॉल्कैनिक एक्टिविटी का संदेह हुआ।

बनेगा नया द्वीप : हाल ही में आई सैटेलाइट इमेजेस से पता चलता है कि इस घटना से अंडरवॉटर लैंडस्केप में बदलाव आ रहा है। इससे संभावना है कि ज्वालामुखी विस्फोट से एक नया द्वीप उभर आएगा. घटना को लेकर नासा के गोडार्ड स्पेस फ्लाइट सेंटर के चीफ साइंटिस्ट जिम गार्विन ने कहा कि वह उत्सुकता से इंतजार कर रहे हैं कि क्या कोई नया द्वीप बनने वाला है या नहीं, क्योंकि वह इस तरह की घटनाओं को सैटेलाइट के जरिए बेहद कम देख पाए हैं।

महासागर की मिस्ट्री

महासागर आज भी रहस्य बने हुए हैं, क्योंकि इंसानों ने आज तक पानी के अंदर मौजूद क्षेत्रों का केवल 5-10 प्रतिशत हिस्से को ही एक्सप्लोर और स्टडी किया है। वहीं, ग्लोबल सी फ्लोर का केवल 28.7 प्रतिशत हिस्से की ही मैपिंग की गई है। इसका अधिकतर हिस्सा अभी भी उन प्रजातियों और संरचनाओं का घर है, जिन्हें अभी तक नहीं देखा गया है। अंडरवॉटर या सबमरीन वॉल्कैनो धरती के मैग्मा आउटपुट का लगभग 75 प्रतिशत हिस्सा बनाते हैं। इनकी संख्या धरती पर स्थित ज्वालामुखियों से कहीं ज्यादा है।

धरती का वो छिपा हुआ स्वर्ग, जहां जाने के लिए दांव पर लगानी पड़ती है जान

ब्रासीलिया। ब्राजील से वायरल हुए एक वीडियो ने नेटिजन्स दांतों तले उंगलियां दबाने पर मजबूर कर दिया है। कोई इसे रहस्यमय दुनिया कह रहा है, तो कोई इसे धरती पर जन्नत का दरवाजा करार दे रहा है। यहां बात हो रही है ब्राजील के जंगलों में छिपे फुमासिन्हा झरने की। यह झरना जितना जादुई और सम्मोहक है, यहां तक पहुंचने का रास्ता उतना ही जानलेवा और रोंगटे खड़े कर देने वाला है।

फुमासिन्हा एक पुर्तगाली शब्द है, जिसका मतलब होता है धुएं का छोटा बादल। इस झरने का नाम इसके इस अनोखे बर्ताव की वजह से ही रखा गया है। यह झरना 100 मीटर (यानी 328 फीट) की ऊंचाई से गिरता है। इसकी सबसे हैरान कर देने वाली बात यह है कि इसका पानी जमीन को छू भी नहीं पाता। दरअसल, ऊंचाई और तेज हवा के दबाव के कारण पानी गिरते-गिरते बेहद बारीक कोहरे और धुएं जैसी जादुई चादर में बदल जाता है। जब आप दो विशाल और तंग चट्टानों के बीच खड़े होकर इसे देखते हैं, तो ऐसा आभास होता है मानो बादलों को चीरकर आसमान से कोई दिव्य धारा सीधे धरती पर उतर रही हो।

18 किलोमीटर का अग्निपथ

फुमासिन्हा झरने तक पहुंचने और सुरक्षित लौटने के लिए लगभग 18 किलोमीटर का खतरनाक राउंड ट्रिप तय करना पड़ता है। इसमें ऊबड़-खाबड़ रास्तों पर चढ़ना, कूदना और लगातार चलना शामिल है। इस दौरान आपको घने अटलांटिक जंगलों के बीच से रास्ता बनाना होता है, जहां जहरीले कीड़े-मकोड़ों का खतरा हमेशा बना रहता है। यही नहीं, कई जगहों पर घुटनों और छाती तक बहती उफनती नदियों को पार करना पड़ता है। इसलिए, कुदरत के इस अजूबे को करीब से देखने के लिए गजब की फिटनेस, प्रो ट्रेकिंग गियर और एक बेहद अनुभवी गाइड का साथ होना जरूरी शर्तों में से है।

प्रकृति

यह झील भारत और चीन की सीमा पर फैली हुई है

दिन में पांच बार रंग बदलती है लद्दाख की पांगोंग त्सो झील

नई दिल्ली। प्रकृति कभी-कभी ऐसे चमत्कार दिखाती है कि इंसान दंग रह जाता है। गिरगिट रंग बदलने के लिए मशहूर है, लेकिन लद्दाख की एक झील उसे भी मात दे देती है। यह है विश्व प्रसिद्ध पांगोंग त्सो झील, जिसे लोग 'रंग बदलने वाली झील' या सोशल मीडिया पर 'गिरगिट की फुफेरी बहन' कहा जा रहा है। यह झील दिन में पांच बार तक अपना रंग बदल लेती है और हर बार नया-नया नजारा पेश करती है। पांगोंग त्सो लद्दाख की सबसे ऊंचाई वाली झीलों में से एक है। समुद्र तल से करीब 4350 मीटर की ऊंचाई पर स्थित यह झील भारत और चीन की सीमा पर फैली हुई है। इसकी लंबाई 134 किलोमीटर है, जिसमें से एक तिहाई हिस्सा भारत में और बाकी चीन (तिब्बत) में है।

कैसे बदलता है रंग?

सुबह के समय जब सूरज की नरम किरणें पड़ती हैं तो झील का पानी गहरा नीला नजर आता है। जैसे-जैसे दिन चढ़ता है और सूर्य का कोण बदलता है, पानी टर्किश ब्लू, फिर हरा-नीला (एमरल्ड ग्रीन) हो जाता है। दोपहर में यह हल्का हरा या आसमानी रंग दिखाता है। शाम को सूर्यास्त के समय पानी गोल्डन, नारंगी और कभी-कभी लाल-गुलाबी छटा बिखेरता है। यह चमत्कार सूर्य की रोशनी, झील के स्वच्छ पानी, खनिज तत्वों और आसपास के बर्फीले पहाड़ों के रंगों के प्रतिबिंब के कारण होता है। वैज्ञानिकों के अनुसार पानी में मौजूद सोडियम और अन्य खनिज भी रंग बदलने में मदद करते हैं।

पर्यटकों का पसंदीदा ठिकाना

पांगोंग झील '3 इडियट' फिल्म की वजह से और भी प्रसिद्ध हो गई। फिल्म में आमिर खान और करीना कपूर की गानों वाली सीन यहीं शूट हुई थी। अब हर साल हजारों पर्यटक यहां आते हैं। लोग कहते हैं कि झील को देखते रहो, हर घंटे नया रंग दिखाई देगा। खासकर सूर्योदय और सूर्यास्त का समय सबसे खूबसूरत होता है।

अनोखी विशेषताएं

- यह झील मीठे पानी की नहीं, बल्कि खारे पानी की है।
- सर्दियों में पूरी झील जम जाती है और बर्फ की चादर बन जाती है।
- यहां पक्षियों की कई दुर्लभ प्रजातियां पाई जाती हैं।
- आसपास बर्फीले पहाड़ और रेगिस्तानी इलाका एक साथ नजर आता है।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अनिल कुमार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से मुद्रित एवं हरिभूमि काम्पलेक्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक धनंजय वर्मा, संपादक (समन्वय) ब्रह्मवीर सिंह। RNI No. CHHHIN/2002/07457, फोन : 0771-4242222, e-mail:raipur@haribhoomi.com